शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

विधानसभा में हनीट्रैप को लेकर हाई ड्रामा @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | शनिवार, 22 मार्च, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-7 | अंक-79

### वैश्विक प्रौद्योगिकी का अग्रणी भागीदार बना भारत

# एआई कौशल में भारत ने अमेरिका को पछाड़ा

**नई दिल्ली, 21 मार्च (एजेंसियां)।**

भारत विश्व की कौशल राजधानी के रूप में स्थापित हो रहा है। एआई कौशल के क्षेत्र में भारत दुनिया में नंबर एक पर है। एआई कौशल सूचकांक में अमेरिका और जर्मनी से भी आगे है। अब जल्दी ही भारत का अपना इंटरनेट ब्राउजर होगा। इसकी तैयारी अब बिल्कुल निर्णायक स्टेज पर है। वैश्विक प्रौद्योगिकी के लिए पसंदीदा भागीदार बना हुआ है। ऐसा कोई उद्योग या देश नहीं है, जो तकनीक की अग्रणी भूमिका में आए बगैर आगे बढ़ रहा हो। सारा विकास प्रौद्योगिकी से संचालित हो रहा है। नैसकॉम के चेयरमैन राजेश नांबियार ने कहा कि वैश्विक प्रतिभा केंद्र के रूप में भारत की ताकत बढ़ रही है। प्रौद्योगिकी अधिक तेजी से अर्थव्यवस्थाओं को आकार दे रही है। उन्होंने कहा कि एक और बात जो भारत को व्यापक वैश्विक तकनीकी तंत्र में महत्वपूर्ण भागीदार बनाती है, वह इसका संपन्न स्टार्टअप और नवाचार तंत्र है।34,000 से अधिक प्रौद्योगिकी और 3,600 डीप टेक स्टार्टअप के साथ देश की बुनियादी स्थिति मजबूत है। एआई और क्वांटम कंप्यूटिंग जैसी तकनीकी अच्छी तरह से स्थापित हैं। उन्होंने कहा, 2026 में आईटी उद्योग का मूल्यांकन 300 अरब डॉलर के पार पहुंच जाएगा।यह 58 लाख को रोजगार देता है।

केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद ने कहा, भारत का सभी के लिए एआई मंत्र ठोस बुनियाद पर आधारित है। उद्योग जगत को वैश्विक कौशल राजधानी के रूप

**जल्द ही होगा भारत का अपना इंटरनेट ब्राउजर**

में भारत की स्थिति का लाभ उठाने के लिए अनुसंधान और विकास को प्राथमिकता देनी चाहिए। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि भारत का सेमीकंडक्टर अभियान लगातार धूम मचा रहा है। इसमें भारत की युवा पीढ़ी सार्थक भूमिका अदा कर रही है। एमईआईटीवाई की अगुवाई में चिप्स टू स्टार्ट-अप (सी2एस) कार्यक्रम भारत के सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के उद्देश्य से की गई एक बड़ी पहल है। इसका लक्ष्य चिप डिजाइन में विशेषज्ञता प्राप्त बीटेक, एमटेक और पीएचडी स्तर पर 85,000 इंजीनियरों को तैयार करना है। भारत में तकनीकी रूप से आगे बढ़ने और अपना खुद का इंटरनेट ब्राउजर विकसित करने की क्षमता है। इसके लिए मिलकर काम करने की जरूरत है। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बृहस्पतिवार को भारतीय वेब ब्राउजर डेवलपमेंट चैलेंज (आईडब्ल्यूबीडीसी) के विजेताओं को सम्मानित करने के मौके पर कही। उन्होंने विदेश ब्राउजर पर निर्भरता खत्म करने और डाटा सुरक्षा के लिहाज से स्वदेशी वेब ब्राउजर को जरूरी बताया। केंद्रीय मंत्री ने इस मौके पर यह भी कहा कि भारत सरकार सुरक्षित और अभिनव डिजिटल समाधानों के माध्यम से नागरिकों को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सेवा क्षेत्र एक अहम उद्योग है जिसे निरंतर विकसित किया जाना चाहिए लेकिन साथ ही भारत को एक विनिर्माण करने वाला राष्ट्र भी बनने की आवश्यकता है। ▶10पर

### राज्यसभा में अमित शाह ने कांग्रेस के शासनकाल को धिक्कारा

# नरेंद्र मोदी-काल में ढह रहा आतंकवाद और नक्सलवाद

**नई दिल्ली, 21 मार्च (एजेंसियां)।**

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज राज्यसभा में कांग्रेस के शासनकाल और विपक्ष की भूमिका को खूब धिक्कारा। शाह ने कहा, कांग्रेस ने ही देश में आतंकवाद, नक्सलवाद और उग्रवाद को पाला-पोसा। इस वजह से चार दशक के दौरान देश के 92 हजार निर्दोष नागरिक बेवजह मारे गए। नरेंद्र मोदी की सरकार आने के बाद आतंकवाद, नक्सलवाद और पूर्वोत्तर के उग्रवाद को मुंहतोड़ जवाब दिया गया। मोदी सरकार के कार्यकाल में यह ढह रहा है। अमित शाह ने कहा, अब न आतंक बर्दाश्त होगा और न आतंकवादियों को बर्दाश्त किया जाएगा।

**कांग्रेस ने आतंकवाद-नक्सलवाद-उग्रवाद को पाला-पोसा**

**देश में अब न आतंक बर्दाश्त होगा और न आतंकवादी**

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राज्यसभा में आतंकवाद पर करारा हमला बोलते हुए सरकार की जीरो टॉलरेंस की नीति का जिक्र किया और अनुच्छेद 370 समेत तमाम मुद्दों पर कांग्रेस एवं विपक्ष को घेरा। उन्होंने कहा, चार दशक से देश में तीन नासूर थे, पहला आतंकवाद, दूसरा नक्सलवाद और तीसरा पूरब का उग्रवाद। हमने आतंकवाद को मुंहतोड़ जवाब दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई। मैं इस सदन में जिम्मेदारी के साथ कहता हूं कि इस देश से नक्सलवाद 21 मार्च 2026 तक समाप्त हो जाएगा।

सरकार के विकास कार्य गिनाते हुए अमित शाह ने विपक्ष पर कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि जो काला चश्मा पहनकर आंखें मूंदकर बैठे हैं, उनको विकास के दृश्य नहीं दिखाए जा सकते। एक सांसद कश्मीर गए। वहां कार्यकर्ताओं के साथ बर्फ के साथ खेले भी। उन्होंने कहा कि उन्हें दूर से आतंकी दिखाई दिया। उनकी नजर में ही आतंकी है तो आपको सपने में भी वही आएगा। हम तो दिखाई देते ही दो आंखों के बीच में गोली मारते हैं। ▶10पर

### जम्मू कश्मीर की जेलों में पहुंचाए जा रहे राष्ट्र विरोधी

# आखिरी सांसें ले रहा आतंकवाद और अपराध

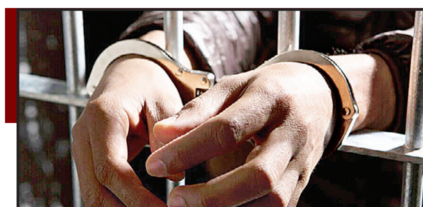

**प्रदेश में सख्ती से लागू हो रहा यूएपीए कानून**

**जम्मू, 21 मार्च (एजेंसियां)।**

जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद आतंकवादी घटनाओं में काफी कमी आई है। अब ग्रेनेडबाजी और पत्थरबाजी जैसी टुच्ची हरकतें भी थम गई हैं। सरकार की सख्ती और आम नागरिकों द्वारा आतंकवाद को खारिज किए जाने के कारण अब राष्ट्रवादियों का घर जम्मू कश्मीर की जेलें बनती जा रही हैं। जम्मू कश्मीर में पकड़े जाने वाले राष्ट्र द्रोहियों को देश की अन्य जेलों में भी स्थानांतरित किया गया है। जम्मू कश्मीर में आतंकवाद पर शिकंजा कसने के कारण अपराध की घटनाओं में भी अप्रत्याशित कमी आई है। प्रशासनिक अधिकारी भी कहते हैं कि अब जम्मू कश्मीर में एक ही अपराध अपनी आखिरी सांसें ले रहा है, वह है देश विरोधी गुप्त गतिविधियां। उन्हें भी ठिकाना लगाया जा रहा है। जम्मू कश्मीर में एनआईए, एसआईए जैसी एजेंसियों द्वारा कड़ा शिकंजा कसने से ऐसा हुआ है। अधिकतर मामलों में इन एजेंसियों ने आतंकियों की मदद करने वालों पर कार्रवाई की है। आतंकी संगठनों के लिए वित्तीय मदद करने, रसद और आश्रय देने वालों को दबोचा गया। जिनके खिलाफ गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत मामले दर्ज किए गए हैं। कश्मीर संभाग के अलावा जम्मू में भी बड़े स्तर पर कार्रवाई की गई है। जेल विभाग के आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2024 में 31 जनवरी तक जम्मू कश्मीर की विभिन्न जेलों में यूएपीए के तहत 829 कैदी थे। यह आंकड़ा 31 जनवरी 2025 तक 895 पहुंच गया।

इस तरह एक साल में 66 राष्ट्रविरोधियों का इजाफा हुआ, जो जेलों में पहुंचा दिए गए। जेलों में बंद कुल कैदियों की संख्या को देखें तो 4400 कैदियों में राष्ट्रद्रोह के कैदी 895 हैं। यूएपीए के बाद सबसे अधिक कैदी नशीली दवाओं के धंधे से जुड़े हैं। आप जानते ही हैं कि पूर्ववर्ती शासनकाल में आतंकवाद और ▶10पर

### *कर्नाटक विधानसभा से मुस्लिम आरक्षण विधेयक पारित*

# भाजपा के 18 विधायक छह महीने के लिए निलंबित

**बेंगलुरु, 21 मार्च (एजेंसियां)।**

कर्नाटक विधानसभा में शुक्रवार का दिन हंगामे के नाम रहा। मुसलमानों के लिए चार प्रतिशत आरक्षण को लेकर सदन में भाजपा विधायकों ने जमकर नारेबाजी की। इसी क्रम में कर्नाटक विधानसभा में विरोध प्रदर्शन कर रहे 18 भाजपा विधायकों को अनुशासनहीनता के आरोप में तत्काल प्रभाव से छह महीने के लिए निलंबित कर दिया। जिसके बाद मार्शलों ने उन्हें जबरन सदन से बाहर निकाला। मुस्लिम आरक्षण और भाजपा विधायकों के निलंबन को भाजपा ने मुस्लिम तुष्टिकरण की पराकाष्ठा बताया है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं सांसद संबित पात्रा ने कहा कि अन्य पिछड़ा वर्ग, एससी और एसटी वर्ग के लोगों को कर्नाटक सरकार के फैसले के खिलाफ एकजुटता दिखानी चाहिए। कर्नाटक सरकार का फैसला गैर संवैधानिक है। यह फैसला तुष्टिकरण की पराकाष्ठा है। संबित पात्रा ने कर्नाटक में सरकारी ठेकों में मुस्लिमों को 4 प्रतिशत आरक्षण देने पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि कर्नाटक में सरकारी ठेकों में चार प्रतिशत ठेका मुसलमानों को देने का फैसला राहुल गांधी के कहने पर दिया गया है। यह आरक्षण अन्य पिछड़ा वर्ग के आरक्षण में सीधी सेंधमारी है। संबित पात्रा ने कहा कि अन्य पिछड़ा वर्ग, एससी और एसटी वर्ग के लोगों को कर्नाटक सरकार के फैसले के खिलाफ एकजुटता दिखानी चाहिए। यह गैर संवैधानिक है। यह फैसला तुष्टिकरण की पराकाष्ठा है। राहुल गांधी राजनीतिक रूप से अयोग्य हैं इसी वजह से वे तुष्टिकरण के माध्यम से अपनी ▶10पर

**यह मुस्लिम तुष्टिकरण की पराकाष्ठा है : भाजपा**

# दिल्ली हाईकोर्ट के जज के घर मिला पैसों का पहाड़

**सुप्रीम कोर्ट ने जज को फौरन प्रयागराज भेजा**

**नई दिल्ली, 21 मार्च (एजेंसियां)।**

दिल्ली हाईकोर्ट के जज यशवंत वर्मा के घर पर बड़ी मात्रा में नकद रुपए मिले हैं। इसके बाद सजा के तौर पर उन्हें दिल्ली हाईकोर्ट से स्थानांतरित करके वापस इलाहाबाद हाईकोर्ट भेज दिया गया है। यह कार्रवाई सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना के आदेश पर हुई। वर्मा के घर में रखे पैसों के पहाड़ का खुलासा घर में आग लगने के कारण हुआ।

होली की छुट्टी में जज यशवंत वर्मा के बंगले में आग लग गई थी। इसे बुझाने के लिए फायर बिग्रेड बुलाई गई थी। अग्निशमन कर्मियों ने आग पर काबू भी पा लिया। इसी राहत बचाव के दौरान अग्निशमन कर्मी एक ऐसे कमरे में पहुंचे, जहां बड़ी मात्रा में नकदी रखी हुई थी। जज यशवंत वर्मा घटना के समय घर पर मौजूद नहीं थे। परिवार वालों ने आग लगने पर फायर ब्रिगेड को बुलाया था। बड़ी मात्रा में नकदी मिलने के बाद उन्होंने पुलिस को यह जानकारी दी। पुलिस ने यह जानकारी केंद्रीय एजेंसियों तक पहुंचाई।

जज के घर से बड़ी तादाद में नकद रुपए मिलने की जानकारी सार्वजनिक होने के बाद सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना की अध्यक्षता में कॉलेजियम की एक बैठक बुलाई गई। इस बैठक में जज यशवंत वर्मा को इलाहाबाद हाईकोर्ट वापस भेजने का निर्णय लिया गया। वर्मा 2021 से दिल्ली हाईकोर्ट में जज के रूप में सेवा दे रहे थे। इससे पहले 2014-21 तक वह इलाहाबाद हाईकोर्ट में जज के तौर पर रहे थे।

### राम मंदिर और महाकुंभ पर ना-ना, मुस्लिम लीग और इफ्तार को हां-हां

# जिन्हें तुष्टिकरण से हो प्यार, वो इफ्तार से कैसे करें इन्कार..!

**लगातार** तीन बार लोकसभा चुनाव हारने और राज्यों में दशकों से सत्ता से बाहर होने के बाद भी कांग्रेस अपनी मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति छोड़ने को तैयार नहीं है। हिंदुओं के संघर्ष के प्रतीक राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा और महाकुंभ से दूरी बनाने वाला कांग्रेस नेतृत्व अब इफ्तार में सहर्ष शामिल हो रहा है। यह इफ्तार आयोजन भी उस संगठन का था, जिसकी जड़ें मोहम्मद अली जिन्ना की बनाई मुस्लिम लीग में हैं। हालांकि, गांधी परिवार के हर काम पर हल्ला मचाने वाली कांग्रेस इस इफ्तार को लेकर चुप भी है।

भारत की राजनीति में हिंदू (या जो अपने आप को हिंदू बताते हों) नेताओं की इफ्तार में जाने की तस्वीरें 2014 से पहले आम थीं। इसे वोटबैंक राजनीति का एक बड़ा हथियार माना जाता था। यह इफ्तार राजनीति राष्ट्रपति भवन तक पहुंच गई थी। हालांकि, 2014 में जब मुस्लिम तुष्टिकरण से त्रस्त भारत की जनता ने भाजपा को बहुमत दिया तो इससे देश की राजनीति 180 डिग्री घूम गई। इसके बाद टोपी पहनने-पहनाने वालों की संख्या में भारी गिरावट आई और उसी अनुपात में धीमे-धीमे इफ्तार पार्टी में कमी आने लगी।

**शुभ-लाभ विमर्श**

लेकिन 2025 में इफ्तार राजनीति की वापसी हुई है। इस बार भी इफ्तार राजनीति की झंडाबरदार कांग्रेस ही है। नई दिल्ली में इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग ने गुरुवार 20 मार्च 2025 को एक इफ्तार पार्टी का आयोजन किया था। इसमें कई विपक्षी नेता आमंत्रित किए थे। इफ्तार पार्टी में पहुंचने वालों में सबसे बड़ा ▶10पर

### तेल खरीद पर भारत ने नहीं माना अमेरिका दबाव

# राष्ट्रहित प्रथम: रूस से तेल खरीदते रहेंगे

**नई दिल्ली, 21 मार्च (एजेंसियां)।**

भारत सरकार ने राष्ट्रहित को प्रथम प्राथमिकता पर रखते हुए अमेरिकी दबाव के आगे झुकने से इन्कार कर दिया है। भारत सरकार रूस से कच्चे तेल की खरीद जारी रखेगी। अमेरिका ने 14 जनवरी को ऊर्जा क्षेत्र से संबंधित 400 से अधिक रूसी संस्थाओं पर लगाए गए प्रतिबंधों के बारे में भारत सरकार को सूचित किया था। लेकिन भारत सरकार ने स्पष्ट कर दिया कि अंतरराष्ट्रीय तेल खरीद पर भारत सरकार राष्ट्रीय हितों और प्राथमिकताओं को ध्यान में रखते हुए निर्णय करती है।

विदेश राज्यमंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय तेल खरीद पर भारत का फैसला विभिन्न कारकों पर आधारित है, जिनमें देश का राष्ट्रीय हित सबसे ऊपर हैं। राज्यसभा में विदेश मंत्रालय से पूछा गया कि क्या यह सच है कि अमेरिका ने भारत को रूस से तेल नहीं लेने के लिए कहा है और इसके लिए समय सीमा तय की है। इसके जवाब में विदेश राज्यमंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने कहा कि अमेरिका ने

14 जनवरी को ऊर्जा क्षेत्र से संबंधित 400 से अधिक रूसी संस्थाओं पर लगाए गए प्रतिबंधों के बारे में सूचित किया था। उन्होंने कहा कि अमेरिकी विदेशी संपत्ति नियंत्रण कार्यालय की ओर से घोषित प्रतिबंध के दायरे में बड़ी तेल कंपनियों व उनकी सहायक कंपनियों को भी लाया गया है। इस दायरे में एलएनजी टर्मिनलों, बीमा कंपनियों, तेल व्यापारियों, तेल जहाजों और तेल क्षेत्र सेवाओं प्रदाताओं को भी रखा गया है। ▶10पर

# कर संग्रह में थोड़ी कमी आई है, लेकिन राज्य की वित्तीय स्थिति अच्छी: सीएम

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने शुक्रवार को कहा कि हमारे राज्य के बजट विस्तार का आकार केंद्र सरकार की तुलना में दोगुना हो गया है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि कर्नाटक का बजट देश का पांचवां सबसे बड़ा बजट है। विधानसभा में बजट पर लंबी बहस का जवाब देते हुए सिद्धरामैया ने कहा कि वर्ष 2025-26 के लिए 4,09,549 करोड़ रुपये का बजट पेश किया गया है। पिछले वर्ष की तुलना में बजट का आकार 10.3 प्रतिशत बढ़ा है। कर्नाटक जनसंख्या में 8वें स्थान पर है, लेकिन कर संग्रह में दूसरे स्थान पर है। जीएसडीपी में तमिलनाडु के बाद कर्नाटक तीसरे स्थान पर है। उनका दावा है कि उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान और तमिलनाडु के बाद हमारा बजट पांचवां सबसे बड़ा बजट है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 2024-25 के लिए 48.21 लाख करोड़ रुपये का बजट पेश किया। उन्होंने बताया कि अगले वित्त वर्ष के लिए पेश बजट 50.65 लाख करोड़ रुपये का है और विकास दर 5.06 प्रतिशत है। चालू वित्त वर्ष के लिए उत्पाद कर संग्रह 1,89,893 करोड़ रुपये अनुमानित था। फरवरी के अंत तक हमने 1,57,111 करोड़ रुपये एकत्र कर लिए थे, जो 82.7 प्रतिशत की उपलब्धि थी। मार्च के अंत तक इसके 1.77 लाख करोड़ तक पहुंचने की संभावना है। सिद्धरामैया ने

स्वीकार किया है कि कर संग्रह अपेक्षा से थोड़ा कम है। देश में हो रहे विकास का असर राज्य पर भी पड़ता है।

केंद्र की मोदी सरकार को भी कर संग्रह में 1.05 लाख करोड़ रुपये की कमी आने की उम्मीद है, साथ ही बजट का आकार 48.21 लाख करोड़ रुपये से घटाकर 47.16 लाख करोड़ रुपये कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य विकास कर रहा है और बजट का आकार 2022-23 की तुलना में 54.12 प्रतिशत बढ़ा है। उन्होंने बताया कि कल्याणकारी कार्यक्रमों पर कुल 1 लाख करोड़ रुपये खर्च करने के बाद भी राज्य की वित्तीय स्थिति अच्छी है, जिसमें गारंटी योजनाओं के लिए 51,000 करोड़ रुपये, कृषि पंप सेटों के लिए मुफ्त बिजली के लिए 18,000 करोड़ रुपये, सामाजिक पेंशन योजनाओं के लिए 10,835 करोड़ रुपये, गृह निर्माण सब्सिडी, छात्रवृत्ति, विभिन्न विभागों से सब्सिडी और दूध उत्पादकों के लिए प्रोत्साहन के लिए 20,000 करोड़ रुपये शामिल हैं। पिछले वर्ष राज्य सरकार के कर्मचारियों के वेतन पर 1,02,769 करोड़ रुपये खर्च किये गये, जिनमें 71,862 करोड़ रुपये तथा पेंशन पर 3907 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत होगी। सातवें वेतन आयोग के कार्यान्वयन से 1,24,440 करोड़ रुपये का अनुमानित व्यय होने की उम्मीद है, जिसमें वेतन के लिए 85,860 करोड़ रुपये और पेंशन के लिए 38,580 करोड़ रुपये शामिल हैं। ऋण ब्याज भुगतान पर 45,600 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं, और वेतन, पेंशन और ब्याज भुगतान पर 1.70 लाख करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। सभी धर्मों के पुजारियों, आशा कार्यकर्ताओं, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, गर्म भोजन कार्यकर्ताओं, स्कूल और कॉलेज के शिक्षकों, अतिथि व्याख्याताओं, पत्रकारों, कलाकारों और पहलवानों के मासिक मानदेय में वृद्धि की गई है। इन सबके बावजूद उन्होंने बताया कि पूंजीगत व्यय के लिए 83,200 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।

## रेल पहिया कारखाना को मिला राजभाषा पुरस्कार

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** रेल पहिया कारखाना को राजभाषा हिंदी में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए प्रथम पुरस्कार के रूप में रेल मंत्री राजभाषा शील्ड से सम्मानित किया गया। यह सम्मान रेलवे बोर्ड में गुरुवार को आयोजित राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक के अवसर पर रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी द्वारा प्रदान किया गया। मानस कुमार पोद्दार, मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्रधान मुख्य यांत्रिक इंजीनियर और एस. सविता, राजभाषा अधिकारी/रेल पहिया कारखाना ने शील्ड प्राप्त किया। इसके साथ-साथ रेल पहिया कारखाना के तत्कालीन मुख्य सामग्री प्रबंधक राजेश पी. खाड़े को रेल मंत्री राजभाषा रजत पदक से सम्मानित किया गया।

## हेल्थ इज वेल्थ कार्यशाला का आयोजन

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर द्वारा संचालित आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर एवं डेंटल केयर श्रीरामपुरम में शुक्रवार प्रात युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमणजी की सुशिष्या साध्वी संयमलता जी के पावन सानिध्य में हेल्थ इज वेल्थ कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ साध्वी द्वारा सामूहिक नमस्कार महामंत्र के उच्चारण से हुआ। साध्वी जी ने कहा जीवन को मस्त व जबरदस्त बनाने का माध्यम है स्वास्थ्य। स्वस्थ व्यक्ति ही सुखी व समृद्ध होता है, स्वस्थ रहने हेतु हमारा आहार शुद्ध हो, सात्विक हो, जंग फास्ट फूड से बचने का प्रयास करें। इसके साथ ही आचार विचार शुद्ध रखते हुए जीवन को कल्याण के मार्ग की ओर प्रशस्त करें। साध्वी मार्दवश्रीजी ने कार्यशाला का संचालन करते हुए कहा स्वस्थ जीवन की सफलता का प्रथम सोपान है। तेयुप राजाजीनागर से राजेश देरासरिया ने एटीडीसी श्रीरामपुरम की संक्षिप्त जानकारी प्रदान करते हुए अवश्यकता होने पर परिषद द्वारा संचालित एटीडीसी की सेवाओं का उपयोग लेने का निवेदन किया एवं आने वाले दिनों में एटीडीसी के विस्तारीकरण की जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर राजाजीनागर सभा अध्यक्ष अशोक चौधरी एवं सभा परिवार, महिला मंडल अध्यक्षा उषा चौधरी एवं महिला मंडल परिवार, विजयनगर परिषद से अध्यक्ष कमलेश चोपड़ा, पूर्व अध्यक्ष राकेश पोखरना, मंत्री संजय भटेवरा, तेयुप अध्यक्ष कमलेश चोरड़िया एवं सम्पूर्ण तेयुप टीम, श्रावक-श्राविका समाज की अच्छी उपस्थिति रही।

# 5 लुटेरे गिरफ्तार, 45 लाख रुपये कीमत के 80 मोबाइल फोन जब्त

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** शहर के आर.एम.सी. यार्ड और पुट्टेनहल्ली पुलिस स्टेशनों ने पांच लुटेरों को गिरफ्तार कर कुल 45.73 लाख रुपये बरामद किए। उन्होंने 80 मोबाइल फोन जब्त किए जिनकी कीमत 1,00,000 रुपये थी।

केरल, तमिलनाडु और शिवमोग्गा जिले के भद्रावती तालुक से चार आरोपियों और एक चोर को गिरफ्तार किया गया है। मल्लेश्वरम के एक अपार्टमेंट में रहने वाले एक दंपति के पति का आईफोन उस समय चोरी हो गया जब वे सब्जी खरीदने के लिए यशवंतपुर बाजार जा रहे थे। उन्होंने इस संबंध में आरएमसी यार्ड पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर की और जानकारी जुटाकर प्लेटिनम सिटी अपार्टमेंट रोड से दो लोगों को पांच मोबाइल फोन के साथ हिरासत में लिया। जब दोनों से

पूछताछ की गई तो उन्होंने मोबाइल फोन चोरी करने का दावा किया। ये आरोपी सोलाद-ेवनहल्ली में किराए के मकान में रह रहे थे। शिवमोग्गा जिले के भद्रावती निवासी तीनों साथियों ने बताया कि उन्होंने मोबाइल फोन चुराए थे और उन्हें बेचने के लिए दे दिए थे। पूछताछ में पता चला कि तमिलनाडु का एक व्यक्ति चोरी के मोबाइल फोन खरीद-बेच रहा था। उनकी सूचना के आधार पर पुलिस ने अपना अभियान जारी रखा और तमिलनाडु के एक व्यक्ति को हिरासत में लिया, जो सोलाद-ेवनहल्ली में आरोपी के घर 25 मोबाइल फोन खरीदने आया था। तीनों आरोपियों से लंबी पूछताछ के बाद भद्रावती के एक साथी को गोरागुंटे पाल्या मेट्रो स्टेशन के पास से हिरासत में लिया गया और 25 मोबाइल फोन जब्त किए गए। इसके अतिरिक्त, भद्रावती के घर से 15 मोबाइल फोन जब्त किए गए, जिससे इंस्पेक्टर हरीश और उनकी टीम द्वारा आरोपियों के कब्जे से कुल 70 मोबाइल फोन जब्त किए गए। लंबे समय से मोबाइल फोन और दोपहिया वाहन चोरी करने वाले एक आर-ोपी को पुट्टेनहल्ली पुलिस ने गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 2.73 लाख रुपये मूल्य के 10 मोबाइल फोन और 2 दोपहिया वाहन जब्त किए। उनकी गिरफ्त-ारी से चेन चोरी के दो मामले प्रकाश में आए हैं। जेपी नगर निवासी एक व्यक्ति क्लेरेन्स स्कूल के सामने सड़क पर अपने दोस्त से मोबाइल फोन पर बात कर रहा था, तभी दोपहिया वाहन पर सवार एक लुटेरा उसका मोबाइल फोन छीनकर भाग गया। उन्होंने तुरंत पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। मामले की जांच कर रही पुलिस ने बताया कि राजगोपा-लनगर थाने में रंगदारी के मामले में केंद्रीय जेल में बंद आरोपी को जब पुलिस हिरासत में लेकर पूछताछ की गई तो उसने बताया कि मोबाइल फोन से रंगदारी मांगी थी। उन्होंने यह भी बताया कि शहर के विभिन्न हिस्सों से मोबाइल फोन लूटे गए तथा दोपहिया वाहन चोरी किए गए। इंस्पेक्टर रविकुमार के नेतृत्व में पुलिस की एक टीम मामले को सुलझाने में सफल रही।

## शीतला सप्तंमी का पर्व श्रद्धा एवं भक्ति के साथ मनाया

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** कुमावत समाज की महिलाओं ने शीतला सप्तंमी का पर्व श्रद्धा एवं भक्ति के साथ मनाया। महिलाओं ने शुक्रवार सुबह शीतला माता को ठंडा प्रसाद चढ़कर पूजा अर्चना की और परिवार समाज और देश की सुख शांति की कामना की।

प्रवासी महिलाओं ने गुरुवार शाम को ही भगवान के लिए प्रसाद में मारवाड़ की प्रसिद्ध सब्जी केर सांगरी, कड़ी, खीर, पूरी, घाट आदि बनाया और शुक्रवार सुबह 5 बजे उठकर पूजा अर्चना के लिए घर निकल गई।

शीतला माता के भजनों के उच्चारण के साथ ठण्डे प्रसाद से पूजा की। इस मौके पर ममता देवी, गीता देवी, राजू देवी, मंजू देवी, भुंडी देवी, नीतू देवी, रेखा देवी, सोनू देवी, रुकमा देवी, पिस्ता देवी, विमला और ओमप्रकाश गगवान, जयराम दुबलदिया, हस्तीमल, चुतराराम ईटाडा, चम्पालाल, बुद्धाराम आदि उपस्थित थे।

मोदी सरकार के सत्ता में आने के बाद से

# राज्यों को वित्तीय कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा: सीएम

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने गंभीर आरोप लगाया है कि केंद्र में नरेंद्र मोदी सरकार के सत्ता में आने के बाद राज्यों की आर्थिक स्थिति कठिन हो गई है। 2013 से 2017 तक, चार राज्यों का राजकोषीय घाटा 3 प्रतिशत से अधिक था, और पांच राज्यों का ऋण जीएसडीपी के 25 प्रतिशत से अधिक था। लेकिन राजकोषीय घाटा छह से अधिक राज्यों को प्रभावित कर रहा है। 14 प्रमुख राज्यों में से 10 राज्य सीमा से अधिक कर्ज में हैं। मनमोहन सिंह सरकार के सत्ता से हटने तक सभी राज्यों का कुल कर्ज 25.1 लाख करोड़ रुपये था। मार्च 2024 के अंत तक यह 83.32 करोड़ तक पहुंच जाएगी। इस वर्ष के अंत तक इसके 100 लाख करोड़ रुपये को पार कर जाने का अनुमान है। उन्होंने चिंता जताई कि केंद्र सरकार का बजट 53.11 लाख करोड़ से बढ़कर 216 लाख करोड़ हो रहा है। मैंने 16 बजट कोई रिकॉर्ड बनाने के लिए पेश नहीं किए। उन्होंने कहा है कि उनका ध्यान महिलाओं, बच्चों, गरीबों, शोषितों, कमजोर वर्गों, युवाओं, श्रमिकों, किसानों, पिछड़े वर्गों और अल्पसंख्यकों के लाभ

के लिए धन सृजन पर केंद्रित है। राज्य और केन्द्र का ऋण भी बढ़ रहा है। नियम यह है कि कुल व्यय में राज्यों का हिस्सा 65 प्रतिशत होना चाहिए। अब यह अलग हो रहा है। केंद्र सरकार इसे उपकर के रूप में वसूल रही है। उन्होंने कहा हमारा तर्क यह है कि उपकरों को कर के दायरे में शामिल किया जाना चाहिए। हमारी सरकार पर ऋण स्तर बढ़ाने का आरोप है। मैंने पिछली सरकारों द्वारा लिए गए 75,856 करोड़ रुपये के ऋण का भुगतान किया है और पूंजीगत कार्यों पर 2,37,524 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। उन्होंने 2013 से 2018 और 2023 तक अब तक 3,21,037 करोड़ रुपये का ऋण लिया है। उन्होंने कहा कि राज्य में जीएसडीपी 6.95 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 30.70 लाख करोड़ रुपये हो गई है। कोविड काल में केंद्र सरकार ने बिजली सुधार और कर वसूली को सीमित रखने के निर्देश दिए थे। इन दायित्वों को ऋण के दायरे से बाहर रखा गया। इसलिए, उन्होंने आरोप लगाया कि 2020 से ऋण राशि को कम करके दिखाया गया है। केंद्र सरकार की नीतियां राजकोषीय घाटे का कारण हैं। उन्होंने शिकायत की कि विपक्षी दल आरोप लगा रहे हैं कि गारंटी योजनाएं घाटे को छुपा रही हैं। अपने भाषण के दौरान सिद्धरामैया ने केंद्र द्वारा कर वितरण में की गई धोखाधड़ी का खुलासा किया। केंद्र सरकार कर्नाटक की तुलना में गुजरात, राजस्थान, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों को अधिक प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने इस बात पर आपत्ति जताई कि इन राज्यों को सड़क निर्माण, वित्तीय आवंटन और अन्य मुद्दों में बड़ा हिस्सा मिल रहा है।

## शीतला माता को ठंडे पकवानों का लगाया भोग

**मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** जिले के बन्नूर कस्बा में एमएम मार्ग पर स्थित शीतला माता मंदिर में राजस्थानी महिलाओं ने पूजा अर्चना की। सुबह से ही महिलाएं तैयार होकर पूजा की थाली हाथों में थाम कर मंदिर में पहुंचकर माता की प्रतिमा के सन्मुख ठंडे पकवानों का भोग लगाते हुए सर्व मंगल की कामना की। बाद में कथा का श्रवण कर माता का महिमा मंडल करते हुए मंगल गीत गए। इस मौके पर संतोष कंवर, रेखा कंवर, कुंदन कंवर, मीनादेवी, अनीता देवी, किरण देवी, कंचनदेवी सहित बड़ी संख्या में राजस्थानी महिलाएं उपस्थित रहीं।

## विभिन्न मांगों को लेकर आज कर्नाटक बंद का आह्वान

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** कन्नड़ गठबंधन ने शनिवार को कर्नाटक बंद का आह्वान किया है। बंद के साथ राज्य और केंद्र से 20 मांगें पूरी करने का आग्रह किया है। कन्नड़ गठबंधन के नेता एस.आर. गोविंदू ने कहा हम शांतिपूर्ण तरीके से बंद कर रहे हैं, लेकिन सरकार हमारे संघर्ष को दबाने का काम कर रही है। वहीं कुछ संगठन हमसे मुंह मोड़ रहे हैं। एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए उन्होंने शिकायत की कि सरकार बंद को रोकने के लिए पुलिस का प्रयोग कर रही है। उन्होंने यह कहते हुए अपना रोष व्यक्त किया कि कर्नाटक परियोजना का क्रियान्वयन ठीक से नहीं किया गया है, मेट्रो की

नौकरियों में भी कन्नड़ लोगों के साथ अनुचित व्यवहार किया गया है तथा कन्नड़ समर्थक संगठनों ने बंद का आह्वान किया है। वे पुलिस के माध्यम से कन्नड़ समर्थक संगठनों को नोटिस जारी कर रहे हैं और उन्हें पुलिस स्टेशन आने, बंद करने और विरोध प्रदर्शन न करने की धमकी दे रहे हैं। इस बात को लेकर कुछ संशय है कि क्या कुछ लोगों का बंद को नैतिक समर्थन है या पूर्ण समर्थन। कोई असहमति नहीं है, सभी लोग बंद के समर्थन में हैं। उन्होंने कहा कि कुछ लोग कन्नड़ लोगों को एकजुट करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन इससे कोई नतीजा नहीं निकलेगा और बंद सफल होगा। कुछ लोगों का कहना है कि उनसे समर्थन नहीं मांगा गया है। उन्होंने कहा कि हमने हमेशा समर्थन मांगा है, हम पिछले 20 दिनों से कह रहे हैं कि कर्नाटक बंद रहेगा। जब कन्नड़, पानी की बात आती है, तो कर्नाटक बंद का समर्थन करें। ड्राइवरों को शनिवार को गाड़ी नहीं चलानी चाहिए। हमारे कन्नड़ ड्राइवर पर हमला किया गया। इसलिए, वटल नागराज ने शनिवार को बंद रखने और इसे ड्राइवर्स दिवस के रूप में मनाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि वे कांग्रेस नेताओं सहित सभी से समर्थन का आग्रह करते हैं। इस मौके पर करवे अध्यक्ष शिवराम गौड़ा, कन्नड़ सेना कुमार, गिरीश गौड़ा, ओला उबर नेता और ऑटो चालक संगठन के नेता उपस्थित थे।

## रेलवे अस्पताल में कैंसर जांच शिविर का आयोजन

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** एचसीजी अस्पताल के सहयोग से रेल व्हील फैक्ट्री, येलहंका के रेलवे अस्पताल में कैंसर जांच शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें सभी कर्मचारियों के लिए ओरो-फेरीन्जियल कैंसर की जांच और महिला कर्मचारियों और उनके आश्रितों के लिए स्तन कैंसर और गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर की जांच की गई। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. श्रीनिवास बी. जे., एमडी, डीएनबी, (मेडिकल ऑन्कोलॉजी), कंसल्टेंट मेडिकल ऑन्कोलॉजिस्ट/एचसीजी अस्पताल द्वारा भारतीय परिप्रेक्ष्य में कैंसर की रोकथाम के विभिन्न पहलुओं पर कैंसर जागरूकता वार्ता से हुई। वार्ता में डॉ. वी.वी. अजित कुमार, पीसीएमओ और रेलवे अस्पताल, आरडब्ल्यूएफ के अन्य वरिष्ठ डॉक्टरों ने भाग लिया। एचसीजी, बेंगलूरु के कंसल्टेंट, आरडब्ल्यूएफ महिला कल्याण संगठन के सदस्य और आरडब्ल्यूएफ के कर्मचारी भी मौजूद थे। कर्मचारियों, सेवानिवृत्त कर्मचारियों और उनके आश्रितों ने शिविर की सुविधा का लाभ उठाया।

मालपे हमला मामला

## पीड़िता ने आरोपी को सजा न दिए जाने की मांग की

**उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।** मालपे में मारपीट के मामले में पीड़िता ने कहा है कि आर-ोपी को सजा नहीं मिलनी चाहिए और उसने बिना किसी संघर्ष के आगे बढ़ने की इच्छा जताई है। शुक्रवार को मीडिया से बात करते हुए पीड़िता ने कहा मैं पिछले पांच-छह सालों से मालपे में काम कर रही हूं। थोड़ी सी मछली लेने के बाद आरोपी ने मुझ पर हमला किया, क्योंकि मुझ पर चोरी का आरोप लगाया गया था। मैंने बस लिखित शिकायत पर हस्ताक्षर कर दिए थे। पीड़िता ने आगे कहा घटना के दिन, दोनों पक्षों ने औपचारिक शिकायत दर्ज न करने पर सहमति जताई थी, इसके बजाय मामले को सौहार्दपूर्ण ढंग से सुलझाने का विकल्प चुना।

मैं नहीं चाहती कि किसी को सजा मिले और मैं बिना किसी संघर्ष के जीना चाहती हूं। थोड़ी सी मछली लेना इस क्षेत्र में एक आम बात है।

पीड़िता ने अपने गृहनगर लौटने और वहीं बसने की योजना का भी उल्लेख किया।

# विधानसभा में हनीट्रैप को लेकर हाई ड्रामा

## हाथ-पांव मारने की स्थिति तक तनावपूर्ण माहौल

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**

विधानसभा में उस समय तनावपूर्ण माहौल पैदा हो गया, जब विपक्षी दलों ने अनुबंधों में अल्पसंख्यकों को दिए गए 4 प्रतिशत आरक्षण के खिलाफ सदन में विरोध प्रदर्शन किया और हनीट्रैप मामले की सीबीआई या उच्च न्यायालय के न्यायाधीश से उच्च स्तरीय जांच की मांग की। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया शुक्रवार सुबह बजट पर लंबी बहस का जवाब देने के लिए आगे आए। इस बीच, भाजपा-जेडीएस विधायकों ने मंत्री के.एन.राजन्ना द्वारा गुरुवार को विधानसभा में उजागर किए गए हनीट्रैप मामले का हवाला देते हुए मुख्यमंत्री से स्पष्टीकरण मांगा। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा कि वह मामले की जांच करेंगे। इसके बावजूद विपक्षी विधायक अध्यक्ष के बगल वाले आसन पर आ गए और धरना शुरू कर दिया। जब मुख्यमंत्री ने बजट पर बहस का जवाब पढ़ना शुरू किया तो विपक्षी विधायक उग्र हो गए। उन्होंने नारे लगाकर उत्तर को बाधित करने का प्रयास किया। सिद्धरामैया ने बिना किसी संकोच के उत्तर देना जारी रखा। लिखित जवाब पढ़ने के बाद उन्होंने सदन से बजट को मंजूरी देने का अनुरोध किया। जब अध्यक्ष यू.टी. खादर ने 2025-26 के बजट के लिए वित्त विधेयक को मंजूरी देने का प्रस्ताव रखा, तो विपक्ष के नेता आर. अशोक ने कहा कि कांग्रेस सरकार राज्य के करदाताओं के पैसे का दुरुपयोग कर रही है। ठेका कार्य में मुसलमानों को 4 प्रतिशत आरक्षण देना सही नहीं है, यह राज्य के साथ विश्वासघात है। लोग इस अपराध को माफ नहीं करेंगे। उन्होंने तीखा प्रहार करते हुए कहा कि सरकार हनीट्रैप के आरोपों को नजरअंदाज कर रही है। जैसे ही अध्यक्ष ने घोषणा की कि बजट समेत वित्त विधेयक पारित हो गया है, विपक्षी भाजपा विधायकों ने कागज फाड़ने शुरू कर दिए। आर. अशोक ने अपनी पार्टी के विधायकों से अध्यक्ष की बेंच के पास जाने का आग्रह किया।

भाजपा विधायक अध्यक्ष की सीट के पास पहुंच गए और वहां खड़े होकर कागजात फाड़ने लगे तथा विरोध के नारे लगाने लगे। कमांडरों ने बचाव में आगे आने की कोशिश की। लेकिन स्पीकर ने खुद नेताओं को आगे न आने का निर्देश दिया। भाजपा के सी.के.राममूर्ति सहित कई विधायक सीडी लेकर अध्यक्ष के पास खड़े होकर नारे लगा रहे थे। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने स्पीकर की कुर्सी से हटने के लिए कई कड़े निर्देश दिए। विधानसभा के संयुक्त सचिव ने स्पीकर के पास जाकर विधायकों को हटाने का आग्रह किया, लेकिन विधायक नीचे आए बिना वहीं खड़े रहे। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और विधायकों को नीचे आना चाहिए। अन्यथा दलदल आगे बढ़ेगा। क्या आप धक्का खाना चाहते हैं? इस बिंदु पर अध्यक्ष ने घोषणा की कि कार्यवाही 10 मिनट के लिए स्थगित की जाती है। हालांकि, मुख्यमंत्री और मंत्री ने लंबित विधेयकों को पारित करने के बाद सत्र स्थगित करने का सुझाव दिया। जब मुख्यमंत्री ने अन्य वित्तीय विधेयक पेश किए और उन्हें पारित करने का अनुरोध किया, तो विपक्षी दलों में व्यापक आक्रोश फैल गया। उन्होंने एक दूसरे पर कागज फेंकना शुरू कर दिया।

कुछ विधायक अध्यक्ष के आसन और सत्ता पक्ष की ओर कागज फेंक रहे थे। मुख्यमंत्री को कुछ कागजात सौंपे गए। तब मंत्री बैरथी सुरेश, विधायक रंगनाथ, के.एम. शिवलिंगगौड़ा और कई अन्य लोग मुख्यमंत्री के चारों ओर पहरा देने लगे। अन्य कांग्रेस विधायक मुख्यमंत्री के पीछे की पंक्तियों में एकत्र हो गए। कुछ अन्य विधायक अपनी सीटों पर बैठे रहे और मूकदर्शक बनकर सब कुछ देखते रहे।

मुख्यमंत्री के पास खड़े कांग्रेस के मंत्रियों, विधायकों और विपक्षी दलों के सदस्यों के बीच तीखी नोकझोंक भी हुई। जब हंगामा बढ़ने लगा तो विपक्षी दलों के सभी विधायक सदन के बीचोंबीच आ गए और जोरदार शोर मचाने लगे।

### व्यवहार पर गहरी नाराजगी जताई

सदन के बाहर मौजूद सभी प्रदर्शनकारी अंदर घुसकर बचाव में खड़े हो गए। इस बीच जब मुख्यमंत्री के पास हंगामा बढ़ गया तो एक समय मुख्यमंत्री के पास खड़े मंत्री सुरेश ने गुस्से में विपक्षी दलों पर एक पुस्तिका फेंकी और अपना गुस्सा निकाला। पैर में दर्द के साथ बैठे और विधेयकों को पारित करने की अपील कर रहे मुख्यमंत्री ने विपक्षी दलों के व्यवहार पर गहरी नाराजगी जताई। इस दौरान विधानसभा सचिवालय की महिला कर्मचारी शोरगुल में बैठने में असमर्थ होकर अपनी कुर्सियों से उठकर चली गईं। यहां तक कि महिला विधायक भी चिंतित नजर आईं। सत्ताधारी पार्टी के सभी विधायक अध्यक्ष के सामने वेल में एकत्र हो गए। हंगामे के बीच ऊर्जा मंत्री से चर्चा कर रहे वरिष्ठ विधायक एच.डी. रेवन्ना को अपनी सीट पर लौटना पड़ा। हंगामे के बावजूद वित्त विधेयक और अन्य विधेयक ध्वनिमत से पारित कर दिए गए। जब शोर बहुत अधिक हो गया तो अध्यक्ष ने कार्यवाही स्थगित कर दी।

## सिद्धरामैया ने हनी ट्रैप विवाद में किसी को संरक्षण नहीं देने की कसम खाई

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**

राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने स्पष्ट रूप से कहा कि कथित हनी ट्रैप मामले में शामिल किसी भी व्यक्ति को कोई संरक्षण नहीं दिया जाएगा, क्योंकि इस विवाद ने राज्य विधानसभा में गरमागरम बहस छेड़ दी थी। इस मुद्दे को विपक्षी नेता आर अशोक, भाजपा विधायक अरगा ज्ञानेंद्र और वी सुनील कुमार, साथ ही मंत्री के एन राजन्ना ने उठाया।

उन्होंने इसमें शामिल लोगों की बर्खास्तगी और न्यायिक जांच सहित त्वरित कार्रवाई की मांग की। मंत्री राजन्ना, जिन्होंने सबसे पहले आरोपों को प्रकाश में लाया, ने दावा किया कि राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों ने उन्हें फंसाने का प्रयास किया था। जवाब में, गृह मंत्री जी परमेश्वर ने आश्वासन दिया कि यदि राजन्ना औपचारिक शिकायत दर्ज करते हैं तो उच्च स्तरीय जांच की जाएगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि किसी का नाम नहीं लिया गया है, जिससे इस स्तर पर सीधी कार्रवाई मुश्किल हो गई है। विवाद तब और बढ़ गया जब भाजपा विधायक एन मुनिरत्न ने आरोप लगाया कि उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार हनी ट्रैप नेटवर्क का संचालन कर रहे हैं। उन्होंने सीधे शिवकुमार को संबोधित करते हुए कहा मैं आपकी टीम को जानता हूं और जब आप उनसे मिलते हैं। आपका भी एक परिवार है - इस स्तर तक मत गिरिए। जैसे-जैसे आरोप और प्रतिदावे बढ़ते गए, विधानसभा की कार्यवाही में भावनात्मक आदान-प्रदान भी हुआ, तथा विभिन्न दलों के नेताओं ने जनप्रतिनिधियों की गरिमा बनाए रखने के लिए गहन जांच की मांग की।

### हनीट्रैप मामले की न्यायिक या सीबीआई जांच की मांग

## भाजपा-जेडीएस मुस्लिम आरक्षण के खिलाफ जन आंदोलन करेगी: विजयेन्द्र

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई. विजयेंद्र ने मांग की है कि हनीट्रैप मामले की जांच या तो हाईकोर्ट के मौजूदा जज से कराई जाए या फिर सीबीआई से। यहां शुक्रवार को मीडिया प्रतिनिधियों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि मंत्री राजन्ना ने दावा किया है कि राज्य और देश के 48 से अधिक प्रमुख व्यक्ति हनीट्रैप का शिकार हुए हैं और उन्होंने जांच की मांग की है। विजयेंद्र ने कहा कि यह बहुत गंभीर मामला है और गृह मंत्री ने जांच कराने का वादा किया है। हालांकि, सत्र समाप्त होने के बाद गृह मंत्री ने स्पष्ट किया कि किसी भी अधिकारी ने उन्हें आधिकारिक तौर पर कोई जानकारी नहीं दी है। उन्होंने दोहरा रुख अपनाने के लिए गृह मंत्री की आलोचना की और कहा कि अधिकारियों द्वारा जानकारी दिए जाने के बाद ही कोई निर्णय लिया जाएगा। विजयेंद्र ने कहा हमने विधानसभा में मुख्यमंत्री से जवाब लेने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने कोई उचित जवाब नहीं दिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह एक गंभीर मामला है, राज्य और उसके 224 विधायकों के सम्मान का मामला है। उन्होंने घोषणा की कि भाजपा और जेडीएस संयुक्त रूप से इसका विरोध करेंगे। सरकारी ठेकों में अल्पसंख्यकों के लिए 4 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने के मुख्यमंत्री के बयान के बारे में, विजयेंद्र ने घोषणा की कि वे इसके खिलाफ राज्यव्यापी जन आंदोलन का आह्वान करेंगे। उन्होंने कहा भाजपा और जेडीएस मुसलमानों के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन मुख्यमंत्री, जो वित्त मंत्री भी हैं, हिंदुओं का अपमान करने वाले तरीके से काम कर रहे हैं। हम इसकी निंदा करते हैं। उन्होंने बताया कि विदेश में शिक्षा प्राप्त करने वाले मुसलमानों के लिए आवंटित राशि 20 लाख से बढ़ाकर 30 लाख कर दी गई है। क्या हिंदुओं में गरीब लोग नहीं हैं? क्या उन्हें शिक्षा के लिए विदेश जाने पर वित्तीय सहायता की आवश्यकता नहीं है? उन्होंने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि मुस्लिम महिलाओं की आत्मरक्षा के लिए बजट में धन आवंटित किया गया है। इस राज्य में, हिंदू महिलाएं ही लव जिहाद का शिकार हो रही हैं, मुस्लिम महिलाएं नहीं। विजयेंद्र ने मुख्यमंत्री पर मुसलमानों के तुष्टीकरण के माध्यम से धर्मों के बीच तनाव को भड़काने की कोशिश करने का आरोप लगाया और इसका विरोध करने की कसम खाई। उन्होंने कहा इन सभी मुद्दों को ध्यान में रखते हुए, भाजपा और जेडीएस राज्यव्यापी आंदोलन शुरू करेंगे। हम तुष्टीकरण की राजनीति को खत्म करने की मांग करते हैं। हनीट्रैप मामले में जजों, केंद्रीय नेताओं और मंत्रियों के नाम घसीटे गए हैं। उन्होंने मामले की न्यायिक जांच या सीबीआई जांच की मांग की। उन्होंने आग्रह किया कांग्रेस को इस मुद्दे को दबाने की कोशिश नहीं करनी चाहिए, क्योंकि उन्हें केंद्रीय नेताओं से फोन आए हैं।

## हनीट्रैप मामलों ने देश में कर्नाटक की प्रतिष्ठा को धूमिल किया: बोम्मई

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**

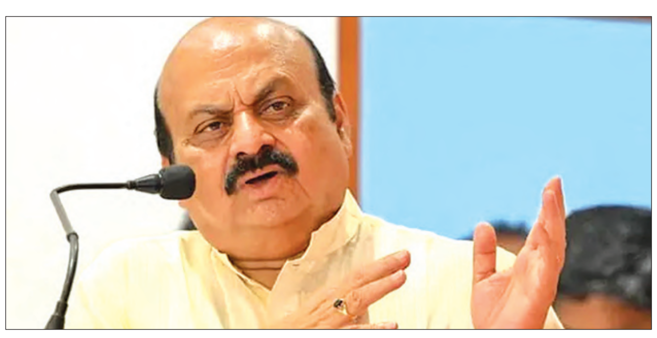

हनी ट्रैप मामले ने देशभर में कर्नाटक की छवि को धूमिल कर दिया है। राज्य में एक आपराधिक मंत्रिमंडल है जो अपनी नैतिकता खो चुका है। पूर्व मुख्यमंत्री और सांसद बसवराज बोम्मई ने मांग की है कि मुख्यमंत्री को नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा देना चाहिए क्योंकि यह घटना उनकी नाक के नीचे हुई है। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी अपनी सत्ता की लालसा के कारण प्रशासन को नैतिक रूप से निम्न स्तर पर ले गई है। इस सरकार के दो साल के कार्यकाल में करीब दस घोटाले सामने आ चुके हैं। जहाँ भी आप हाथ डालेंगे, आपको घोटाला ही मिलेगा। इस प्रकार, हम विधान सभा में नैतिक पतन देख रहे हैं। अभी तक तो राज्य में पैसे का संकट था, लेकिन अब हनी ट्रैप का संकट शुरू हो गया है। राज्य सरकार भी आर्थिक रूप से दिवालिया हो चुकी है। यह नैतिक रूप से भी दिवालिया है। एक कैबिनेट मंत्री ने तो यहां तक कह दिया कि विधानसभा में उन्हें फंसाने की कोशिश की गई। यद्यपि इस मुद्दे पर पिछले एक पखवाड़े से विधानसभा में चर्चा हो रही है, लेकिन मुख्यमंत्री मूकदर्शक बने बैठे हैं। जब यह सब कैबिनेट के भीतर ही हो रहा है तो इस कैबिनेट को क्या कहा जाना चाहिए? उन्होंने कहा कि राज्य में एक आपराधिक मंत्रिमंडल है जो राज्य पर शासन करने की नैतिकता खो चुका है।

# विधान परिषद में अंबेडकर के मुद्दे पर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच गरमागरम बहस

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**

संविधान और डॉ. भीमराव अंबेडकर के मुद्दे पर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक, आरोप-प्रत्यारोप और बयानबाजी के कारण पूरा सदन हंगामे की स्थिति में आ गया। जिसके बाद विधान परिषद में स्पीकर बसवराज होराट्टी ने काफी परेशान होकर कार्यवाही कुछ समय के लिए स्थगित कर दी।

आरोप-प्रत्यारोप बढ़ने पर सत्तारूढ़ पार्टी के एक सदस्य के बयान से नाराज भाजपा और जेडीएस सदस्यों ने अध्यक्ष के आसन के सामने धरना दिया और मांग की कि संबंधित सदस्यों को सदन से बाहर निकाला जाए।

2025-26 के बजट अनुमानों पर चल रही बहस में भाग लेते हुए सत्तारूढ़ दल के विधायक ने कहा कि केंद्र सरकार एससी और एसटी समुदायों के साथ अन्याय कर रही है। जब योजना आयोग अस्तित्व में था, तो केंद्र सरकार को यह सुझाव मानना पड़ा कि इन समुदायों के विकास के लिए इतनी धनराशि आवंटित की जानी चाहिए। हालाँकि, केंद्र सरकार द्वारा योजना आयोग का नाम बदलकर नीति आयोग कर दिए जाने के बाद इसकी कार्यप्रणाली में बदलाव आ गया है। जब यह कहा गया कि अनुसूचित समुदायों के कल्याण के संबंध में आयोग द्वारा की गई सिफारिशें बाध्यकारी नहीं होंगी, तो प्रशासन और विपक्ष के बीच टकराव की स्थिति पैदा हो गई। बहस अंबेडकर और संविधान पर आ गई और सत्ताधारी और विपक्षी दलों के सदस्यों के बीच गरमागरम बहस हुई तथा एक-दूसरे पर अंबेडकर और संविधान के प्रति अन्याय करने का आरोप लगाया गया। इस तरह की आलोचना और टिप्पणी लगभग आधे घंटे तक चलती रही। एक समय ऐसा आया जब विपक्षी नेता चलवाडी नारायणस्वामी ने कांग्रेस पर संविधान का अनादर करने और अंबेडकर को धोखा देने का आरोप लगाया तो सत्तारूढ़ पार्टी के सभी सदस्यों ने उनकी बात पर अपनी पीठ ठोंक ली। भाजपा सदस्य रविकुमार, डी.एस. अरुण, नवीन और अन्य लोग नारायणस्वामी के समर्थन में खड़े हुए।

सदन के नेता एन.एस.बोसराज, मंत्री प्रियांक खड़गे, सत्तारूढ़ दल के सदस्य पुट्टन्ना, डॉ. यतीन्द्र, बी.के.हरिप्रसाद, एम.नागराज आदि ने भाजपा सदस्यों की टिप्पणियों पर कड़ी आपत्ति जताते हुए उनकी तीखी आलोचना की। परिणामस्वरूप सदन में शोरगुल, अव्यवस्था और हंगामे का माहौल बन गया और कोई भी यह नहीं सुन सका कि क्या कहा जा रहा है। स्थिति नियंत्रण से बाहर होती देख अध्यक्ष ने चुप्पी साध ली। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि शोर मचाने वाले सदस्यों की बातें फाइल में शामिल नहीं की जानी चाहिए।

इस बीच, नारायणस्वामी ने सत्तारूढ़ पार्टी के एम. नागराज के अध्यक्ष की कुर्सी के बगल में आकर बोलने पर आपत्ति जताते हुए कहा कि सरकार खुद वेल में आ गई है। जेडीएस नेता एस.एल. बोजेगौड़ा ने आपत्ति उठाई कि सदन की स्थिति अच्छी है। इस पर प्रशासन और दोनों दलों के सदस्य खड़े हो गए और एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाने लगे तथा नारे लगाने लगे। पुनः अध्यक्ष ने सदन के नेता की ओर मुखातिब होकर कहा सदन के नेता, आपको मंत्रियों सहित अपने पक्ष के सदस्यों पर नियंत्रण रखना होगा। इसी प्रकार, विपक्षी पार्टी के नेताओं को भी अपने पक्ष के सदस्यों पर नियंत्रण रखना चाहिए। मैं भी धैर्य रखूंगा।

### सदन की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ेगी

उन्होंने चेतावनी दी कि यदि ऐसा ही चलता रहा तो सदन की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ेगी। प्रियांक खड़गे को भी बोलने की अनुमति नहीं दी गई। एक अवसर पर प्रियांक खड़गे ने कथित तौर पर अंबेडकर द्वारा लिखा गया एक पत्र पढ़ा। भाजपा सदस्य सी.टी. रवि ने एक अन्य पत्र दिखाया और पढ़ा। इस अवसर पर जहां प्रशासन और अन्य दलों के बीच खींचतान जारी रही, वहीं सत्तारूढ़ पार्टी के पुट्टन्ना द्वारा की गई आपत्तिजनक टिप्पणी से नारायणस्वामी नाराज हो गए। उन्होंने भाजपा और जेडीएस सदस्यों के साथ धरना दिया और मांग की कि पुट्टन्ना को सदन से निष्कासित किया जाए। इसके बाद अध्यक्ष ने दस्तावेज सामने लाए और घोषणा की कि पुट्टन्ना का बयान फाइल से हटा दिया गया है। इसके बावजूद विपक्षी दलों ने धरना जारी रखा।

## 10वीं के छात्रों को कोई ग्रेस मार्क्स नहीं दिए जाएंगे: सीएम

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**

राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कर्नाटक विधानसभा को बताया कि शुक्रवार से शुरू हुए परीक्षा में शामिल होने वाले 10वीं के छात्रों को कोई ग्रेस मार्क्स नहीं दिए जाएंगे। एक बयान देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वह पिछले साल दिए गए ग्रेस मार्क्स का विरोध करते हैं। उन्होंने कहा कि कोविड-19 महामारी के दौरान ग्रेस मार्क्स दिए गए थे, लेकिन इस साल कोई ग्रेस मार्क्स नहीं दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि छात्रों को परीक्षा केंद्रों तक मुफ्त परिवहन की सुविधा दी जाएगी। इससे पहले, शिक्षा मंत्री मधु बंगारप्पा ने बिना किसी परेशानी के 10वीं की परीक्षा आयोजित करने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों के बारे में बताया। विपक्ष के नेता आर. अशोक ने कहा कि सोशल मीडिया पर फर्जी प्रश्नपत्र पोस्ट करने वाले सभी लोगों को सलाखों के पीछे डाला जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि शिक्षा विभाग को असामाजिक तत्वों द्वारा सोशल मीडिया पर प्रश्नपत्र पोस्ट करने के बारे में जागरूकता पैदा करनी चाहिए।

# दक्षिण कन्नड़ और उडुपी में एसएसएलसी की वार्षिक परीक्षाएं शुरू

## परीक्षा केंद्रों पर 1,678 कैमरे लगाए गए

**मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**

शैक्षणिक वर्ष के लिए एसएसएलसी वार्षिक परीक्षाएं शुक्रवार को शुरू हुईं, जिसमें दक्षिण कन्नड़ जिले में कुल 29,760 छात्र पंजीकृत हैं। परीक्षाएं 92 केंद्रों पर आयोजित की जा रही हैं, जिसमें 1,332 कक्षाओं का उपयोग किया जा रहा है, और सुचारू प्रशासन सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं। परीक्षाएं 4 अप्रैल तक चलेंगी। कुल उम्मीदवारों में से 28,446 छात्र पहली बार परीक्षा दे रहे हैं। इसके अलावा, 831 निजी उम्मीदवार, 259 रिपीटर और 217 निजी रिपीटर भी परीक्षा देंगे। पहली बार परीक्षा देने वालों में 14,735 लड़के और 13,711 लड़कियां हैं। सुरक्षा और पारदर्शिता बनाए रखने के लिए सभी परीक्षा केंद्रों में सीसीटीवी निगरानी लागू की गई है। परीक्षा के लिए नामित 1,332 कक्षाओं में कुल 1,678 कैमरे लगाए गए हैं। परीक्षा प्रक्रिया की निगरानी 2,057 अधिकारी और कर्मचारी कर रहे हैं। कोषागार से प्रश्नपत्रों के सुरक्षित परिवहन को सुनिश्चित करने के लिए 34 पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया है, जबकि परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा बनाए रखने के लिए 184 पुलिस अधिकारियों को नियुक्त किया गया है। उम्मीदवारों के क्षेत्रीय वितरण के संदर्भ में, बंटवाल में 6,007 उम्मीदवार, बेल्टांगडी में 4,204, मेंगलूरु उत्तर में 5,443, मेंगलूरु दक्षिण में 5,182, मूडबिद्री में 2,006, पुत्तुर में 4,926 और सुळ्लिया में 1,992 उम्मीदवार हैं। उडुपी जिले में कुल 14,153 पंजीकृत उम्मीदवार हैं, जिनमें 13,798 नए छात्र शामिल हैं। इनमें 7,152 लड़के और 6,646 लड़कियां हैं। परीक्षा 51 केंद्रों पर आयोजित की जा रही है, जिसमें 590 कक्षाएं उपयोग की जा रही हैं। पारदर्शिता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी परीक्षा केंद्रों और कक्षाओं में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। इसके अतिरिक्त, वेबकास्टिंग निगरानी के लिए 12 अधिकारियों को नियुक्त किया गया है, जबकि परीक्षा प्रक्रिया की निगरानी के लिए तीन जिला स्तरीय सुरक्षा दल और सात विशेष कार्य बल (प्रत्येक तालुक में एक) तैनात किए गए हैं। एसएसएलसी बोर्ड परीक्षा का पहला पेपर सुबह 10 बजे शुरू हुआ, जिसमें उडुपी जिले के 272 स्कूलों ने भाग लिया। प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर पानी, ओआरएस और प्राथमिक उपचार की पर्याप्त व्यवस्था की गई थी। छात्रों ने सभी नियमों और विनियमों का पालन करते हुए परीक्षा हॉल में प्रवेश किया। छात्रों को प्रश्न पत्र तुरंत सौंपे गए। अभिभावकों ने अपने बच्चों को शुभकामनाएं दीं। जिला प्रशासन, जिला पंचायत और स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग ने यह सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक उपाय किए हैं कि छात्र बिना किसी व्यवधान के अपनी परीक्षा दे सकें। परीक्षा केंद्रों ने छात्रों की सुविधा के लिए परिसर के बाहर पंजीकरण संख्या के साथ-साथ कक्षा का विवरण प्रदर्शित किया है। इसके अलावा, परीक्षा हॉल के अंदर डेस्क पर छात्रों के पंजीकरण नंबर अंकित किए गए हैं। परीक्षा केंद्रों के 200 मीटर के दायरे में निषेधाज्ञा लागू की गई है और परीक्षा के दौरान फोटोकॉपी की दुकानें बंद रहेंगी। छात्रों और परीक्षा कर्मचारियों के अलावा, किसी अन्य व्यक्ति को केंद्रों के अंदर जाने की अनुमति नहीं होगी।

### केएसआरटीसी बसों में मुफ्त यात्रा

छात्र अपने परीक्षा हॉल टिकट प्रस्तुत करके केएसआरटीसी बसों में मुफ्त यात्रा का लाभ उठा सकते हैं और केएसआरटीसी अधिकारियों को बसों को निर्धारित समय पर चलाने का निर्देश दिया गया है। सुरक्षा और निष्पक्षता बनाए रखने के लिए परीक्षा हॉल के अंदर कुछ वस्तुओं को ले जाने पर सख्त प्रतिबंध लगाया गया है। छात्रों को ऐसे कपड़े पहनने की अनुमति नहीं है जो उनकी पहचान छिपाते हों। धातु या गैर-पारदर्शी पानी की बोतलों पर भी प्रतिबंध है। मोबाइल फोन, टैबलेट, पेन ड्राइव, ब्लूटूथ डिवाइस, स्मार्टवॉच और कैलकुलेटर जैसे इलेक्ट्रॉनिक उपकरण सख्त वर्जित हैं। इसके अतिरिक्त, छात्र लॉग टेबल, हैंडबैग, पर्स, नोट्स, टॉर्च या कोई भी रिकॉर्डिंग डिवाइस नहीं ले जा सकते हैं।

# शिवकुमार ने कुमारस्वामी पर घृणा की राजनीति करने का आरोप लगाया

### सरकार की नीतियों का बचाव किया

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**

उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने गुरुवार शाम को केंद्रीय मंत्री एच डी कुमारस्वामी पर तीखा हमला किया और उनके खिलाफ कथित अतिक्रमण का मामला दर्ज होने के बाद उनके द्वारा लगाए गए घृणा की राजनीति के आरोपों को खारिज कर दिया। कुमारस्वामी के डीएनए में घृणा की राजनीति है। बिदादी के पास केथागनहल्ली में कथित अतिक्रमण के संबंध में मामला कार्यकर्ता एस आर हिरेमठ ने दायर किया था। अधिकारियों ने अदालत के आदेश के अनुसार काम किया। यह घृणा की राजनीति कैसे हो सकती है? केथागनहल्ली मामले में कार्रवाई के राजनीति से प्रेरित होने के दावों पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा क्या हमने यह मामला दर्ज किया? यह एस आर हिरेमठ ही थे जो इसे अदालत में ले गए। उन्होंने मेरे खिलाफ भी कई मामले दर्ज किए हैं।

अदालत ने अधिकारियों को उनकी याचिका के आधार पर कार्रवाई करने का निर्देश दिया। इसमें घृणा की राजनीति कहां है? कुमारस्वामी के परिवार के आरोपों पर शिवकुमार ने कहा मैसूरु में कुमारस्वामी ने मेरे खिलाफ कई बयान दिए। उनके पिता पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा ने भी मेरे खिलाफ बोला है। क्या उन्होंने मेरे, मेरी पत्नी, मेरी बहन और मेरे भाई के खिलाफ केस दर्ज नहीं किया? भले ही मेरा बल्लारी से कोई संबंध नहीं था, लेकिन क्या उन्होंने मुझ पर लौह अयस्क चोरी का आरोप नहीं लगाया? क्या मेरे खिलाफ कोई जांच नहीं हुई? अतीत में साथ मिलकर सरकार बनाने के बावजूद हम चुप रहे। अगर कुमारस्वामी गरिमा बनाए रखेंगे, तो सब ठीक हो जाएगा। केंद्र द्वारा रामनगर जिले का नाम बदलने के कर्नाटक के प्रस्ताव को खारिज करने पर उन्होंने कहा वे रामनगर का नाम बदलने से रोकने के लिए केंद्र सरकार पर दबाव बना रहे हैं। हम कानून जानते हैं। संविधान के तहत हमें किसी से मंजूरी लेने की जरूरत नहीं है। हमने जरूरी विवरण प्रस्तुत कर दिए हैं। दिल्ली में कुछ मंत्री इसके खिलाफ साजिश कर रहे हैं, लेकिन हम पीछे नहीं हटेंगे। हम रामनगर का नाम बदलकर बेंगलूरु साउथ रखेंगे। नाम बदलने का उद्देश्य रियल एस्टेट हितों को लाभ पहुंचाना है, इस दावे को खारिज करते हुए उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा हां, हम रियल एस्टेट लाभ के लिए ऐसा कर रहे हैं। क्या इससे कनकपुरा, रामनगर, चन्नपटना और मगदी में रहने वाले हमारे लोगों को लाभ नहीं होना चाहिए? आप यहां क्यों आए? हमारे लोग मूल रूप से बेंगलूरु के निवासी हैं। उन्हें जीवित रहने की जरूरत है। उनकी जमीनों का मूल्य कम हो गया है। हम उनकी समृद्धि सुनिश्चित करना चाहते हैं। इसमें क्या गलत है? पेन्नार नदी विवाद पर अपडेट देते हुए उन्होंने कहा केंद्र ने न्यायालय के आदेश के अनुसार कर्नाटक और तमिलनाडु के बीच सुलह बैठक निर्धारित की। शुरुआत में, एक तिथि निर्धारित की गई थी, लेकिन हमने बेलगावी सत्र के कारण स्थगन का अनुरोध किया। बाद में, उन्होंने 18 मार्च को बैठक बुलाई। ऐसी अफवाहें थीं कि तमिलनाडु ने कर्नाटक के साथ बैठक करने से इनकार कर दिया। हालांकि, केंद्रीय मंत्री ने आधिकारिक तौर पर मुझे सूचित किया कि बैठक स्थगित कर दी गई है। केंद्रीय मंत्री तमिलनाडु के साथ अलग-अलग चर्चा करेंगे, संभवतः उनके राजनीतिक एजेंडे के कारण। बैठक में भाग लेने से पहले, मैंने कैबिनेट के साथ कर्नाटक के रुख पर चर्चा की। कांग्रेस आलाकमान के नेताओं के साथ अपनी हालिया बैठक पर शिवकुमार ने कहा महात्मा गांधी के कांग्रेस अध्यक्ष पद संभालने के 100 साल पूरे होने पर हम पूरे राज्य में 100 कांग्रेस कार्यालय बनाने की योजना बना रहे हैं। मैंने अपने नेताओं को शिलान्यास समारोह की तारीख तय करने के लिए आमंत्रित किया था। मांड्या के नेताओं को 'छत्री' (भरोसेमंद नहीं) कहने वाली उनकी टिप्पणी की भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र द्वारा आलोचना किए जाने पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा अगर मैं अहंकारी हूं, तो उन्हें मुझे गिराने दें।

# भीषण गर्मी ने एसएसएलसी परीक्षाओं के लिए चुनौती पेश की

### स्वास्थ्य विभाग ने ओआरएस वितरण में कदम बढ़ाया

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**

एसएसएलसी परीक्षाओं की तैयारियाँ पूरी होने के साथ ही कर्नाटक के दस से ज्यादा जिलों में छात्रों को भीषण गर्मी जैसी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है।

तापमान 38 डिग्री सेल्सियस से 42 डिग्री सेल्सियस के बीच बढ़ने और नमी बढ़ने के कारण परीक्षा की परिस्थितियाँ और भी मुश्किल हो गई हैं।

15,881 स्कूलों के 2,818 केंद्रों पर 8,96,447 छात्र परीक्षा दे रहे हैं, इसलिए अधिकारियों ने सीसीटीवी कैमरे और जरूरी सुविधाएँ लगाना सुनिश्चित किया है। हालाँकि, अधिकारी मानते हैं कि उचित वेंटिलेशन, लाइटिंग और पंखे की व्यवस्था के नियमों के बावजूद, सभी केंद्रों में इन प्रावधानों को लागू करना चुनौतीपूर्ण है।

भीषण गर्मी को देखते हुए, पीने के पानी की व्यवस्था को प्राथमिकता दी जा रही है। इसके अलावा, लंबे समय तक पढ़ाई और तनाव छात्रों के स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकता है, जिससे परीक्षा केंद्रों पर स्वास्थ्य कर्मियों की मौजूदगी जरूरी हो जाती है। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण आयुक्त शिवकुमार के बी ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी परीक्षा से दो घंटे पहले परीक्षा केंद्रों पर तैनात रहेंगे और परीक्षा खत्म होने तक मौजूद रहेंगे। निर्जलीकरण को रोकने के लिए छात्रों को ओआरएस के पैकेट वितरित किए जाएँगे। दक्षिण कन्नड़ जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ एच आर थिम्मैया ने पुष्टि की कि शहरी क्षेत्रों में शहरी स्वास्थ्य केंद्र के कर्मचारी तैनात किए जाएंगे, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के कर्मचारी स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना कर रहे छात्रों की सहायता के लिए मौजूद रहेंगे।

### अधिकारियों से शिकायत के बावजूद

# स्थानीय लोगों ने कल्लप्पु में प्रदर्शनी के खिलाफ प्रदर्शन किया

**मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**

स्थानीय निवासियों के कड़े विरोध के बावजूद, कल्लपु में राष्ट्रीय राजमार्ग 66 के पास एक प्रदर्शनी आयोजित की जा रही है, जिसका स्थानीय समुदाय ने विरोध किया है। जिला प्रशासन और स्थानीय अधिकारियों के पास दर्ज की गई शिकायतों को कथित तौर पर नजरअंदाज किया गया है, जिससे निवासियों को सड़क पर विरोध प्रदर्शन करने पर विचार करना पड़ रहा है। यह प्रदर्शनी, जो लगातार पाँचवें वर्ष आयोजित की जा रही है, व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए निजी कृषि भूमि पर आयोजित की जा रही है। अप्रैल और मई तक चलने वाली इस प्रदर्शनी में मेंगलूरु तालुक, उल्लाल और पड़ोसी केरल से भी बड़ी भीड़ आती है। हालाँकि, उल्लाल नगर पालिका के वार्ड 16 (केरेबेल) के निवासियों का दावा है कि इस आयोजन के कारण गंभीर व्यवधान उत्पन्न हो रहे हैं, जिसमें ध्वनि प्रदूषण, स्वच्छता की कमी और पर्यावरण का क्षरण शामिल है। स्थानीय चिंताएँ हृदय शल्य चिकित्सा से ठीक हो रहे बुजुर्ग निवासियों और अस्थमा से पीड़ित बच्चों की उपस्थिति से बढ़ जाती हैं, जो इस आयोजन के कारण होने वाले प्रदूषण के प्रति विशेष रूप से संवेदनशील हैं। प्रदर्शनी स्थल पर उचित सड़कों, अपशिष्ट निपटान और पेयजल सुविधाओं सहित आवश्यक बुनियादी ढाँचे का अभाव है। कचरा निपटान वाहन और गैस आपूर्ति ट्रक क्षेत्र में नहीं पहुंच पा रहे हैं, जिससे स्वच्छता संबंधी समस्याएं और भी बदतर हो गई हैं।

स्थानीय नगरपालिका प्रतिनिधियों और अधिकारियों को बार-बार सूचित किया गया है, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई है। 14 फरवरी को, निवासियों ने उल्लाल नगरपालिका में औपचारिक शिकायत दर्ज कराई, जिसमें अधिकारियों से अनुरोध किया गया कि वे पड़ोस को प्रभावित करने वाली अस्वच्छ स्थितियों के कारण कार्यक्रम की अनुमति न दें। उल्लाल पुलिस स्टेशन में भी इसी तरह की याचिका दायर की गई। जब कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली, तो निवासियों ने 12 मार्च को उल्लाल नगरपालिका के डिप्टी कमिश्नर और मुख्य अधिकारी को अपनी शिकायतें भेजीं।

इन प्रयासों के बावजूद, प्रदर्शनी की तैयारियां पहले ही शुरू हो चुकी हैं। निवासियों ने बताया कि हर सुबह, क्षेत्र में अंधाधुंध तरीके से कचरा फेंका जाता है, जिससे प्रदूषण और भी बदतर हो जाता है। साइट पर बुनियादी सुविधाओं की अनुपस्थिति ने सुरक्षा को लेकर चिंताएँ पैदा की हैं, फिर भी अधिकारियों, जिनमें अग्निशमन विभाग भी शामिल है, ने कथित तौर पर अनुमति दे दी है। पिछले साल, प्रदर्शनी में आग लगने की घटना को स्थानीय लोगों ने बड़ी आपदा से बचाने के लिए बाल-बाल बचा लिया था। तंग परिस्थितियों और आपातकालीन उपायों की कमी को देखते हुए, निवासियों को ऐसी घटनाओं के फिर से होने का डर है। इसी से जुड़े एक मामले में, कल्लपु में एक निजी विवाह भवन के प्रबंधन ने कथित तौर पर एक तूफानी नाले पर अतिक्रमण करके अपनी रसोई सुविधाओं का विस्तार करना शुरू कर दिया है।

चेम्बुगुडे से कल्लपु तक वर्षा जल को पहुंचाने के लिए महत्वपूर्ण नाला कथित तौर पर आंशिक रूप से अवरुद्ध हो गया है। जल निकासी क्षमता कम होने से मानसून के दौरान भयंकर बाढ़ की आशंका बढ़ गई है। निवासियों ने नगर निगम के अधिकारियों से शिकायत की, जिसके बाद निरीक्षण किया गया। अधिकारियों ने उन्हें आश्वासन दिया कि काम रोकने के लिए नोटिस जारी किया जाएगा, लेकिन निर्माण कार्य बिना रोक-टोक जारी है। प्रदर्शनी और नाले के बंद होने पर अधिकारियों की निष्क्रियता से निराश निवासियों ने चेतावनी दी है कि अगर उनकी शिकायतों का समाधान नहीं हुआ तो वे उल्लाल नगर निगम कार्यालय के सामने विरोध प्रदर्शन करेंगे।

# मोहन भागवत ने एबीपीएस की बैठक का उद्घाटन किया

### मणिपुर की स्थिति पर चर्चा की जाएगी

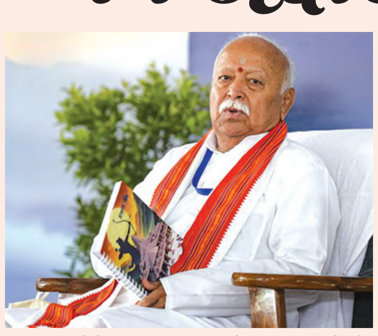

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने शुक्रवार को अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा (एबीपीएस) की तीन दिवसीय बैठक का उद्घाटन किया, जो संघ की शीर्ष निर्णय लेने वाली संस्था है। इस बैठक में मणिपुर की स्थिति के साथ-साथ देश में 'उत्तर-दक्षिण विभाजन' पैदा करने के प्रयासों पर चर्चा की जाएगी। एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए, आरएसएस के संयुक्त सचिव सी आर मुकुंदा ने कहा कुछ समसामयिक और ज्वलंत मुद्दों पर गहन निर्णय'' बैठक के दौरान संबोधित किए जाएंगे, जिसमें आरएसएस से जुड़े 32 संगठनों के प्रमुख शामिल होंगे। मणिपुर पिछले 20 महीनों से मुश्किल दौर से गुजर रहा है, लेकिन आज कुछ उम्मीद है। जैसा कि हम केंद्र सरकार के विजन को देखते हैं, जो राजनीतिक है और जिनमें से कुछ प्रशासनिक है, इसने मणिपुर के लोगों के लिए उम्मीदें बढ़ा दी हैं। उन्होंने कहा कि आरएसएस स्थिति का विश्लेषण कर रहा है और उसका मानना है कि 'स्वाभाविक माहौल बनने में काफी समय लगेगा। आरएसएस के संयुक्त सचिव ने कहा कि राष्ट्रीय एकता को चुनौती देने वाली ताकतें चिंता का विषय हैं। एक संगठन के रूप में, हम उन ताकतों के बारे में चिंतित हैं जो राष्ट्रीय एकता को चुनौती दे रही हैं, खासकर उत्तर-दक्षिण विभाजन को बढ़ा रही हैं, चाहे वह परिसीमन हो या भाषाएँ। उन्होंने कहा कि आरएसएस के स्वयंसेवक और 'संघ परिवार' से जुड़े विभिन्न संगठनों की कार्यप्रणाली सद्भाव लाने की पूरी कोशिश कर रही है, खासकर कुछ राज्यों में। मुकुंदा के अनुसार, पिछले एक साल में आरएसएस का दायरा कई गुना बढ़ गया है। उन्होंने बताया वर्तमान में, 83,129 सक्रिय शाखाएँ हैं, जो पिछले साल की तुलना में 10,000 से अधिक हैं।

# कर्नाटक में एसएसएलसी छात्रों के लिए पहली वार्षिक परीक्षा शुरू

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**

एसएसएलसी छात्रों के लिए पहली वार्षिक परीक्षा शुक्रवार को कर्नाटक भर में 2,818 परीक्षा केंद्रों पर शुरू हुई। पहले दिन, प्रथम भाषा - कन्नड़, तेलुगु, हिंदी, मराठी, तमिल, उर्दू, अंग्रेजी और संस्कृत - की परीक्षाएँ सुबह 10 बजे से दोपहर 1.15 बजे तक आयोजित की गई।

स्कूल शिक्षा और साक्षरता मंत्री मधु बंगारप्पा ने बेंगलूरु के मल्लेश्वरम में कर्नाटक पब्लिक स्कूल (केपीएस) परीक्षा केंद्र का दौरा किया और छात्रों को गुलाब भेंट करके उनका स्वागत किया। उन्होंने परीक्षा केंद्र पर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। कर्नाटक स्कूल परीक्षा और मूल्यांकन बोर्ड (केएसईएबी) एसएसएलसी छात्रों के लिए पहली वार्षिक परीक्षा आयोजित कर रहा है। कर्नाटक भर के 15,881 हाई स्कूलों से कुल 8,96,447 छात्रों - 4,61,563 लड़के और 4,34,884 लड़कियों - ने परीक्षा के लिए नामांकन कराया है। कदाचार से बचने के लिए, केएसईएबी परीक्षा प्रक्रिया को वेब-स्ट्रीम कर रहा है। बोर्ड ने सभी परीक्षा केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की है। कर्नाटक राज्य सड़क परिवहन निगम (केएसआरटीसी), बेंगलूरु मेट्रोपॉलिटन ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन (बीएमटीसी) और अन्य सार्वजनिक परिवहन निगमों ने परीक्षा केंद्रों पर जाने वाले छात्रों के लिए मुफ्त बस सेवा प्रदान की है।

## नक्सलियों के खिलाफ आर पार की लड़ाई

# 80 दिन में ढेर हुए 119 नक्सली

### देश में नक्सलवाद समाप्ति की ओर

**रायपुर, 21 मार्च (एजेंसियां)।** इस साल सुरक्षाबलों को नक्सलियों के खिलाफ लगातार ड़ी सफलताएं हाथ लगी हैं। अ तक तीन ऐसे ऑपरेशन छत्तीसगढ़ में हो चुके हैं, जिनमें एक दर्जन से ज्यादा नक्सली एक साथ मार गिराए गए। छत्तीसगढ़ में इस साल (2025) अब तक 119 नक्सली मार गिराए गए हैं।2025 के पहले दिन से ही सुरक्षाबलों ने नक्सलियों पर शिकंजा कसना चालू कर दिया था। 2 जनवरी 2025 को ीजापुर में हुई मुठभेड़ में 5 नक्सली मारे गए थे। उसके बाद यह सिलसिला चलता ही रहा।

16 जनवरी को हुई एक मुठभेड़ में 18 नक्सली मार गिराए गए थे। 21 जनवरी 2025 को गरियांद पहाड़ी पर हुई एक मुठभेड़ में 16 नक्सली मारे गए थे। इनमें नक्सलियों का टॉप कमांडर चलापति भी था। चलापति 1 करोड़ का इनामी नक्सली था। उसके साथ ही एक-दो और भी ड़े कमांडर मारे गए थे। इस वर्ष की सबसे बड़ी मुठभेड़ 9 फरवरी को हुई थी। नेशनल पार्क क्षेत्र में हुए ऑपरेशन के दौरान यहां 31 नक्सली मार गिराए गए थे। यह ऑपरेशन महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ के सुरक्षाबलों ने मिलकर किया था। यह हमला नक्सलियों की एक मीटिंग पर हुआ था। इसी तरह के बड़े ऑपरेशन के चलते नक्सलियों की अ कमर टूट गई है। सुरक्षाबल अब उन इलाकों में घुस रहे हैं, जहां पहले नक्सली एकक्षत्र राज कर रहे थे। उन्हें ग्रामीणों से मिलने वाला समर्थन भी अब कम हो चुका है। दुर्गम इलाकों में चौकियां बनाने के चलते सुरक्षाबल उनकी हर एक मूवमेंट पर नजर रख रहे हैं।वर्ष 2024 भी नक्सलियों के लिए अच्छा नहीं रहा था। उस साल 290 नक्सली अलग-अलग मुठभेड़ में मार गिराए गए थे। इनमें से 239 नक्सली छतीसगढ़ में मारे गए थे। 2024 में भी 4 ऐसे बड़े ऑपरेशन हुए थे, जिनमें एक दर्जन अधिक नक्सली मारे गए थे। इसमें सबसे बड़ा ऑपरेशन 4 अक्टूबर, 2024 को हुआ था। 4 अक्टूबर, 2024 को दंतेवाड़ा के थुलथुली में 38 नक्सलियों का सफाया एक ही ऑपरेशन में हो गया था। 16 अप्रैल, 2024 को हुए एक ऑपरेशन में भी 29 नक्सली मारे गए थे। रिपोर्ट बताती हैं कि 2024 के भीतर 100 से अधिक एनकाउंटर हुए थे। इनमें 9 करोड़ से अधिक के इनामी नक्सली खत्म किए गए थे।सुरक्षाबल नक्सलियों का सिर्फ एनकाउंटर ही नहीं कर रहे हैं, उन्हें मुख्यधारा से भी जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। नक्सलियों को स्पष्ट कर दिया गया है कि अगर वह हिंसा का रास्ता छोड़ते हैं तो उन्हें सरकार सारा समर्थन देगी लेकिन हथियार उठाने पर उनके पास कोई रास्ता नहीं होगा। गृह मंत्रालय द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, 2024 में 881 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया था। ड़ी संख्या में नक्सलियों ने छत्तीसगढ़ के अलावा तेलंगाना में भी आत्मसमर्पण किया है। यह सिलसिला 2025 में भी जारी है। 2025 में अ तक सुरक्षाबलों के सामने 104 नक्सली आत्मसमर्पण कर चुके हैं। जंगल में ठिकाने न ना पाने के चलते भी नक्सली गिरफ्तार हो रहे हैं। वर्ष 2024 में 1090 में नक्सली गिरफ्तार किए गए थे। 2025 में 104 नक्सली गिरफ्तार किए जा चुके हैं। इनके खिलाफ अ कार्रवाई चल रही है।लगातार एनकाउंटर, आत्मसमर्पण और गिरफ्तारियों के चलते नक्सली अंतिम सांसें गिन रहे हैं। इसका असर भी दिख रहा है। 2014 में जब मोदी सरकार आई थी, तो 126 जिले नक्सली हिंसा से प्रभावित थे। अब यह संख्या लगभग 90 प्रतिशत घट चुकी है। वर्तमान में मात्र 12 जिले ही नक्सल हिंसा से प्रभावित हैं। इनमें से भी कई जिले आंशिक रूप से ही प्रभावित हैं। हिंसा की घटनाएं भी आधी हो चुकी हैं। वर्ष 2004 से 2014 के ीच नक्सली हिंसा की कुल 16,463 घटनाएं हुई थीं, जकि मोदी सरकार में 2014 हिंसक घटनाओं की संख्या 53 प्रतिशत घटकर 7744 हो गई। नक्सली हमलों में जान गंवाने वाले सुरक्षाबलों और नागरिकों की संख्या में भी मोदी सरकार में गिरावट हुई है।2004 से 2014 के बीच देश में अलग-अलग नक्सली हमलों में 1851 जवानों की वीरगति हुई थी। इसी दौरान दंतेवाड़ा के ताड़मेटला में हुए एक हमले में 76 जवानों को जान गंवानी पड़ी थी। 2011 में झीरम घाटी में हुए एक हमले में राज्य के कांग्रेस नेतृत्व को नक्सलियों ने मार दिया था। इस हमले में पूर्व केंद्रीय मंत्री विद्या-चरण शुक्ल भी मारे गए थे। लेकिन 2014 के बाद से नक्सली हमले में जवानों की शहादत एक तिहाई से भी कम हो चुकी है। 2014 से 2024 के बीच 509 जवान हमलों में मारे गए हैं। इस दौरान नागरिकों की मौतों में भी कमी आई है। 2004 से 2014 के बीच 4700 से अधिक नागरिकों को जान गंवानी पड़ी थी। 2014 के बाद से यह संख्या लगभग 1400 हो चुकी है। केंद्र सरकार ने साफ़ कर दिया है कि अब नक्सलवाद ज्यादा दिन देश में नहीं चल सकता। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सुरक्षाबलों को लक्ष्य दिया है कि वे 31 मार्च 2026 तक देश को नक्सलमुक्त कर दें। इसी कड़ी में यह बड़े ऑपरेशन और गिरफ्तारियां चल रही हैं।

## संत नगालखा बापा-ठाकर धाम महोत्सव में बोले पीएम मोदी

# देश के विकास का पहला पड़ाव गांव का विकास है

**भावनगर, 21 मार्च (एजेंसियां)।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को भावनगर जिले के बावलियाली गांव में संत श्री नगालखा बापा-ठाकर धाम के पुनः प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में वीडियो संदेश से श्रद्धालुओं को संबोधित किया। प्रधानमंत्री मोदी ने भरवाड समाज की गौसेवा और प्रकृति प्रेम की सराहना की। प्रधानमंत्री ने समाज के लोगों से विकसित भारत बनाने में योगदान देने की अपील की। मोदी ने कहा कि भारत को विकसित बनाने का पहला पड़ाव गांव को विकसित बनाने का है। आज प्रकृति और पशुधन सेवा हमारा सहज धर्म है।

मोदी ने कहा कि 25 वर्ष में विकसित भारत बनाना है। इसके लिए समाज की मदद जरूरी है। प्रधानमंत्री ने केन्द्र सरकार की योजना का जिक्र करते हुए कहा कि फुट एंड माउथ डिजीज में पशुओं को लगातार वैक्सीन लेना रहता है। यह करुणा का काम है, इसे जरूर कराएं। दूसरी योजना का जिक्र कर मोदी ने कहा कि किसानों के बाद अब पशुपालकों को भी क्रेडिट कार्ड दिया जाएगा। इससे पशुपालकों को कम ब्याज पर बैंक से रुपए मिलेंगे। गाय के देशी नस्ल को बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय गोकुल मिशन का संचालन किया जा रहा है। उन्होंने पशुपालकों को इन योजनाओं का लाभ लेने को कहा। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधे लगाने, प्रकृति खेती अपनाने आदि संबंध में भी बात की।

इससे पूर्व प्रधानमंत्री ने प्रयागराज में हुए महाकुंभ का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि ऐतिहासिक महाकुंभ के पुण्य अवसर पर महंत रामबापु को महामंडलेश्वर की पदवी मिलना हम सभी के लिए गौरव की बात है। पिछले एक सप्ताह से भावनगर की यह धरती मानो भगवान श्रीकृष्ण की वृंदावन बन गई है। भाईजी की भागवत कथा ने इसमें सोना में सुगंध पैदा कर दिया। पूरा वातावरण भगवान श्रीकृष्ण के रस से सराबोर हो गया। बावलिया का धाम एक धार्मिक स्थान नहीं है बल्कि भरवाड समाज समेत अनेकों के लिए यह आस्था, संस्कृति और एकता की प्रतीक भूमि भी है। नगा लाखा ठाकर की कृपा से यह पवित्र स्थान हमेशा सच्ची दिशा, उत्तम प्रेरणा का विरासत मिला है। इस धाम में नगा लाखा ठाकर की पुन:प्राण प्रतिष्ठा अनमोल अवसर पैदा करता है।

प्रधानमंत्री ने धंधुका आदि क्षेत्रों में पानी की कमी का उल्लेख कर इसु बापु के सेवा कार्य का उल्लेख किया। मोदी ने कहा कि भरवाड समाज परिश्रम, त्याग में हमेशा आगे रहा है। प्रकृति व संस्कृति का संरक्षक है।

उन्होंने कहा कि अब समाज को लकड़ी का नहीं, कलम का समाज बनाना है। नई पीढ़ी अब शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। बेटियों के हाथ में कम्प्यूटर होना चाहिए। उन्होंने कहा कि भरवाड समाज के लोग वृद्धाश्रम में नहीं जाते हैं। संयुक्त परिवार की प्रथा के कारण यह बुजुर्गों की सेवा को अपना नैतिक मूल्य समझता है, नई पीढ़ी भी इसे बखूबी निभा रही है। मोदी ने कहा कि अभी का समय समाज को आधुनिकता के साथ जोड़ने, देश और दुनिया के साथ जोड़ने का है। बेटियों को खेलकूद में आगे लाने का प्रयास होना चाहिए। पशुपालन का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ लें। मोदी ने कहा कि गिर गाय के लिए सरकार की चिंता करने का असर है कि दुनिया भर में इसे सराहना मिली है।

# जलवायु परिवर्तन से 60 फीसदी घटेगा केले का उत्पादन

**नई दिल्ली, 21 मार्च (एजेंसियां)।** जलवायु परिवर्तन का असर अब केले के उत्पादन पर भी पड़ रहा है। बढ़ते तापमान के कारण वर्ष 2080 तक केले के बागान तबाह हो सकते हैं। इसकी वजह से लैटिन अमेरिका और कैरिबियन के कई इलाकों में निर्यात के लिए केले की खेती जारी रखना आर्थिक रूप से घाटे का सौदा हो जाएगा। भारत और चीन पर भी इसका असर पड़ेगा।

अध्ययन एक्सेटर विश्वविद्यालय, इंग्लैंड के शोधकर्ताओं की अगुवाई में किया गया है। इसके नतीजे नेचर फूड पत्रिका में प्रकाशित हुए हैं। केला एक प्रमुख निर्यात की जाने वाली फसल है, जिसकी सालाना कीमत 11 अरब डॉलर है और यह कई देशों की अर्थव्यवस्थाओं के लिए महत्वपूर्ण है। फिर भी जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए तत्काल हस्तक्षेप न किए जाने पर आधी सदी में वर्तमान में केले का उत्पादन करने वाले 60 फीसदी क्षेत्रों में केले की फसल उगाने के लिए संघर्ष करना पड़ेगा।

अध्ययन में यह भी पाया गया कि श्रम उपलब्धता और बुनियादी ढांचे जैसे सामाजिक-आर्थिक कारण जलवायु परिवर्तन अनुकूलन में भारी गड़बड़ी पैदा करते हैं। अधिकांश केले का उत्पादन घनी आबादी वाले क्षेत्रों और बंदरगाहों के पास होता है, जिससे अधिक उपयुक्त क्षेत्रों में बदलने की संभावना सीमित हो जाती है। कम सिंचाई और गर्मी सहन करने वाली केले की किस्मों सहित अनुकूलन में पर्याप्त निवेश के बिना निर्यात किए जाने वाले केले के उत्पादन का भविष्य अनिश्चित दिखता है।

भारत में 88 हजार हेक्टेयर में 297 लाख टन केले का उत्पादन होता है। केले का उत्पादन देश के लगभग सभी राज्यों में किया जाता है, लेकिन नेशनल हॉर्टिकल्चर बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, तमिलनाडु, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश और बिहार सात ऐसे राज्य हैं जो देश का 75 प्रतिशत केला उत्पादित करते हैं। नेचर क्लाइमेट चेंज में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार जलवायु परिवर्तन के कारण आने वाले दशकों में भारत और चीन में भी केले के उत्पादन में गिरावट आने की आशंका है। भारत विश्व में केले का प्रमुख उत्पादक और उपभोक्ता है। दुनियाभर के कुल केले के उत्पादन में भारत और चीन की हिस्सेदारी 27 फीसदी है। फिलीपींस, कोलंबिया इंडोनेशिया, एक्वाडोर और ब्राजील अन्य बड़े उत्पादक देश हैं।

# भारतीय सेना को मिली बड़ी मजबूती

### टी-90 टैंकों से लेकर अवाक्स तक हासिल

**नई दिल्ली, 21 मार्च (एजेंसियां)।** केंद्र सरकार ने गुरुवार को 54 हजार करोड़ रुपए से अधिक के आठ पूंजी अधिग्रहण प्रस्तावों को हरी झंडी दे दी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) ने भारतीय सेना के लिए टी-90 टैंकों के इंजनों को अपग्रेड करने, नौसेना के लिए वरुणास्त्र टॉरपीडो और वायु सेना के लिए एयरबोर्न अर्ली वार्निंग एंड कंट्रोल एयरक्राफ्ट सिस्टम खरीद को मंजूरी दी है। सरकार के इस फैसले से पूर्वी लद्दाख में चीन सीमा पर ऊंचाई वाले क्षेत्रों में तैनात किये गए इन टैंकों की युद्धक्षेत्र में गतिशीलता बढ़ेगी।

भारतीय सेना का प्रमुख युद्धक टैंक टी-90 रूस के टी-90 टैंक का उन्नत संस्करण है, जिसे भारत ने अपनी जरूरतों के हिसाब से ढालकर भीष्म नाम दिया है। सेना ने इसे चीन के साथ गतिरोध शुरू होने पर ऊंचाई वाले क्षेत्रों में तैनात किया था, लेकिन उस समय टैंक में 1000 हॉर्स पावर के इंजन की वजह से दिक्कत आई थी। उच्च ऊंचाई पर चढ़ने में आसानी के लिए सेना ने टी-90 टैंकों में लगे 1000 हॉर्स पावर के इंजन को 1350 हॉर्स पावर के इंजनों से लैस अपग्रेड करने का प्रस्ताव सरकार को भेजा था। अब आवश्यकता की स्वीकृति (एओएन) को हरी झंडी मिलने के बाद टैंक के इंजनों को बदला जाएगा, जिससे युद्धक्षेत्र में गतिशीलता बढ़ेगी।

रक्षा मंत्रालय ने भारतीय नौसेना के लिए वरुणास्त्र टॉरपीडो (लड़ाकू) की खरीद के लिए एओएन को भी मंजूरी दी है। नौसेना विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला में स्वदेशी रूप से विकसित वरुणास्त्र टॉरपीडो पनडुब्बी रोधी है। इस टॉरपीडो को अतिरिक्त मात्रा में शामिल करने से दुश्मनों की पनडुब्बी से होने वाले खतरों के खिलाफ नौसेना की क्षमता में वृद्धि होगी। जहाज से लॉन्च होने वाला टारपीडो वरुणास्त्र पहले से ही भारतीय नौसेना के पास है, लेकिन अब इस करीब 40 किलोमीटर की रेंज वाले बेहद प्रभावी हथियार की और जरूरत है। डीएसी ने आज टारपीडो की अतिरिक्त आवश्यकता के अनुरोध को मंजूरी दे दी है।

भारतीय वायु सेना के लिए एयरबोर्न अर्ली वार्निंग एंड कंट्रोल (अवाक्स) एयरक्राफ्ट सिस्टम की खरीद के लिए भी मंजूरी दी गई है। यह अवाक्स सिस्टम युद्ध के पूरे स्पेक्ट्रम को बदल सकते हैं और हर दूसरे हथियार सिस्टम की लड़ाकू क्षमता को तेजी से बढ़ा सकते हैं। रक्षा मंत्रालय में 2025 को सुधारों के वर्ष के रूप में मनाने के एक हिस्से के रूप में डीएसी ने पूंजी अधिग्रहण प्रक्रिया के विभिन्न चरणों में समय सीमा को कम करने के लिए दिशा-निर्देशों को भी मंजूरी दी है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता वाली रक्षा अधिग्रहण परिषद में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान, तीनों सेनाओं के प्रमुख और शीर्ष नौकरशाह और वैज्ञानिक शामिल रहे।

## उत्तराखंड में अवैध मदरसों पर एक्शन जारी

# 110 अवैध मदरसों पर लगा ताला

**हरिद्वार, 21 मार्च (एजेंसियां)।** बीते माह अधिकारियों ने बिना पंजीकरण के चल रहे 200 से ज़्यादा मदरसों की पहचान की, जिनमें उधम सिंह नगर ज़िले में सबसे ज़्यादा 129 मदरसे थे, उसके बाद देहरादून में 57 और नैनीताल में 26 मदरसे थे। उत्तराखंड में इन दिनों अवैध मदरसों के खिलाफ मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की सख्ती जारी है। गुरुवार 20 मार्च को ऊधम सिंह नगर में 16 और हरिद्वार में 2 मदरसों को सील कर दिया गया। अब तक राज्य में 110 मदरसों पर ताला लग चुका है। पिछले एक महीने से प्रशासन लगातार ऐसे मदरसों पर कार्रवाई कर रहा है, जो बिना सरकार की अनुमति के चल रहे थे।

ऊधम सिंह नगर के रुद्रपुर में 4, किच्छा में 8, बाजपुर में 3, जसपुर में 1 और हरिद्वार के श्यामपुर क्षेत्र में 2 मदरसे सील हुए। इससे पहले देहरादून और पौड़ी में 92 मदरसों पर भी ऐसी ही कार्रवाई हो चुकी है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने साफ कहा है कि राज्य के मूल स्वरूप के साथ छेड़छाड़ बर्दाश्त नहीं होगी। उनके इस बयान से लोगों में उम्मीद जगी है कि गलत काम करने वालों को सबक मिलेगा। धामी ने कहा, जो भी धर्म की

आड़ में अवैध गतिविधियां चलाएगा, उसके खिलाफ सख्त एक्शन होगा। हरिद्वार के गैंडीखाता की गुर्जर बस्ती में दो मदरसे बिना रजिस्ट्रेशन के चल रहे थे, जिन्हें गुरुवार को सील कर दिया गया। हरिद्वार के एसडीएम अजयवीर सिंह ने कहा, हमें सीएम के आदेश मिले हैं। उन मदरसों पर कार्रवाई करने और उन्हें सील करने के आदेश दिए गए हैं जो न तो मदरसा बोर्ड और न ही शिक्षा विभाग से पंजीकृत हैं। आदेश आज ही आए हैं इसलिए जैसे-जैसे हमें पता चलता जाएगा हम सील की कार्रवाई करते जाएंगे।

प्रशासन अब ये भी जांच कर रहा है कि इन मदरसों के पीछे कौन लोग हैं और वहां बच्चों को क्या सिखाया जा रहा था। हरिद्वार के डीएम कर्मेंद्र सिंह ने बताया कि जिले में 60 से ज्यादा अवैध मदरसे चिन्हित किए गए हैं। बीते माह अधिकारियों ने बिना पंजीकरण के चल रहे 200 से ज़्यादा मदरसों की पहचान की, जिनमें उधम सिंह नगर ज़िले में सबसे ज़्यादा 129 मदरसे थे, उसके बाद देहरादून में 57 और नैनीताल में 26 मदरसे थे।

कुछ माह पहले जिले के सहसपुर क्षेत्र का एक मदरसा जिसका नाम जामी उल उलूम है, चर्चाओं में आया था। वजह थी इस मदरसे में लगी पानी की टंकी सरकारी थी या निजी तौर पर इसको बनाया गया, टंकी के ऊपर लाउड स्पीकर भी लगे थे, जिन्हें बाद में प्रशासन ने उतरवा दिया था। पानी की टंकी को लेकर प्रशासन ने क्या जांच पड़ताल की? कोई बात सामने नहीं आई। यदि पानी की टंकी, मदरसे की निजी थी तो क्या मदरसा इंतजामिया कमेटी ने प्राधिकरण से इसके निर्माण की अनुमति ली हुई थी? क्योंकि मामला यहां तालीम ले रहे बच्चों की सुरक्षा से जुड़ा हुआ था। मदरसे के निर्माण भी कथित रूप से कुछ हिस्सा सरकारी भूमि पर कब्जा करके किया गया था।

इस मंजिल के निर्माण और पूर्व निर्माण संबंधी कोई अनुमति मसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण से नहीं ली गई है। आम तौर पर अनुमति इस लिए नहीं ली जाती जब भूमि या अन्य दस्तावेजों में प्रमाणिकता की कमी हो। प्रशासनिक अनुमति के लिए दस्तावेज पूरे होने जरूरी है। अनुमति न लेने का एक कारण ये भी है कि दस्तावेज दिखाने पर पता चल जाएगा कि कितनी सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा किया हुआ है। इस मदरसे का एक दरवाजा पीछे सूखी नदी की तरफ खुलता है। बताया गया है कि उक्त नदी श्रेणी की जमीन पर ही अवैध कब्जा कर मदरसे भवन को विस्तार दिया गया है।

सुप्रीम कोर्ट का निर्देश है कि 2009 के बाद कोई भी धार्मिक स्थल बिना डीएम की अनुमति के बगैर नहीं बनाया जा सकता। ये मदरसा और मस्जिद दोनों है इस लिए यहां किसी भी निर्माण के लिए प्रशासन की अनुमति आवश्यक है। बहरहाल ये मदरसा एक बार फिर सुर्खियों में है, क्या यहां हो रहा निर्माण अवैध है? इस बारे में जांच पड़ताल जरूरी है। इस मदरसे में निर्माण के बारे में जब एसडीएम विनोद कुमार से जानकारी मांगी गई तो उनका कहना था कि प्राधिकरण द्वारा मदरसा इंतजामिया कमेटी को नोटिस जारी किया गया है।

# नागपुर दंगे का सरगना कमलेश तिवारी के हत्यारे से जुड़ा था

**नागपुर, 21 मार्च (एजेंसियां)।** छावा फिल्म और औरंगजेब की कब्र को हटाने के लिए हो रहे विरोध के बीच हजारों की तादात में कट्टरपंथी इस्लामवादियों ने 17 मार्च की रात को नागपुर में दंगा किया। इस दंगे का मास्टरमाइंड है माइनॉरिटी डेमोक्रेटिक पार्टी का शहर अध्यक्ष फहीम खान। उसको लेकर पुलिस ने नया खुलासा किया है कि फहीम खान के संबंध सैयद आसिम अली से थे, जो कि उत्तर प्रदेश के कमलेश तिवारी हत्याकांड का मास्टरमाइंड था। उसे इस मामले में गिरफ्तार भी किया गया था।

नागपुर दंगे के मामले में मास्टरमाइंड फहीम खान के कमलेश तिवारी हत्याकांड से तार जुड़ने के बाद इस बात की संभावना बढ़ गई है कि राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) इस मामले की जांच में एंट्री कर सकती है। ऐसा इसलिए क्योंकि कमलेश तिवारी मर्डर केस की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी ही कर रही है। सैयद आसिम अली भी फहीम की तरह ही माइनॉरिटी डेमोक्रेटिक पार्टी का पदाधिकारी है और वो केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के खिलाफ चुनाव भी लड़ चुका है।

सैयद असीम अली के बारे में दावा किया जा रहा है कि कमलेश तिवारी हत्याकांड में शामिल आरोपी अली दुर्दांत मुगल आक्रांता औरंगजेब को अपना आदर्श मानता है। पैगंबर मुहम्मद पर टिप्पणी के मामले में कमलेश तिवारी की जीभ काटने वाले को इनाम देने का ऐलान उसने किया था। उसके बाद तिवारी की हत्या कर दी गई। उसे सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल ही जमानत दी थी। अब नागपुर हिंसा के मास्टरमाइंड के तार सैयद आसिम अली से जुड़ गए हैं।

नागपुर दंगों के मास्टरमाइंड फहीम खान समेत अन्य को गिरफ्तार किया जा चुका है। उसकी पुलिस रिमांड आज खत्म हो रही है। फहीम समेत 6 लोगों के खिलाफ देशद्रोह का मामला दर्ज किया गया है। अब तक सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म फेसबुक, एक्स और यू-ट्यूब से करीब 230 पोस्ट की पहचान की गई है। इस मामले में 50 आरोपितों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है और कुल 4 एफआईआर दर्ज की गई हैं। शहर के 11 स्थानों पर लगाए गये कर्फ्यू में से छह स्थानों पर गुरुवार को आंशिक ढील दी गई है। साइबर सेल के पुलिस उपायुक्त लोहित मतानी ने बताया कि नागपुर में फिर से हिंसा भड़काने के लिए बेहद खतरनाक और भड़काऊ पोस्ट प्रसारित करने के आरोप में फहीम खान सहित 6 लोगों के खिलाफ देशद्रोह का मामला दर्ज किया गया है। डीसीपी मतानी ने बताया कि दंगों के बाद फेसबुक, एक्स और यू-ट्यूब से दोनों तरफ प्रसारित 50 फीसदी पोस्ट हटा दी गईं।

पोस्ट और वीडियो हटाने के लिए व्हाट्सएप और गूगल को पत्र लिखा गया है। बतौर मतानी फहीम खान ने अपना मोबाइल फोन गणेशपेठ पुलिस को दे दिया है। हम उसका मोबाइल फोन जब्त कर उसकी जांच करेंगे। इस मामले में बीएनएस की धारा 192, 196, 353 1(बी), 353 1(सी) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

बी-पैक्स इकाइयों की क्रेडिट लिमिट 15 लाख होगी : सीएम योगी

# युवा उद्यमी योजना से जोड़े गए 32 हजार युवा

## यूपी सहकारी बैंकों का शुद्ध लाभ सौ करोड़ पहुंचा

**लखनऊ, 21 मार्च (एजेंसियां)।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यूपी सहकारी बैंकों की 61 वीं वार्षिक बैठक में बहुउद्देशीय प्राथमिक ग्रामीण सहकारी समितियों की क्रेडिट लिमिट 10 लाख से बढ़ाकर 15 लाख करने की घोषणा की। जिससे किसानों को अधिक वित्तीय सहायता मिल सके। इसके साथ ही बलरामपुर जिले में सहकारी बैंकिंग को शुरू करने की उद्घोषणा की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सहकारिता को प्रदेश की अर्थव्यवस्था की मजबूत नींव बताते हुए ये बातें इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में ये बातें कहीं। उन्होंने कहा कि सहकारी बैंक किसान, युवा उद्यमियों और एमएसएमई की आर्थिक तरक्की की रीढ़ हैं।

सीएम योगी ने सहकारी बैंकों से आह्वान किया कि वे युवा उद्यमियों को अधिक से अधिक अपने साथ जोड़ें। उन्होंने बताया कि सीएम युवा उद्यमी योजना के तहत 32 हजार से अधिक युवाओं को जोड़ा गया है। सहकारी बैंकों को भी इस योजना से लाभार्थियों को जोड़कर उनकी आर्थिक प्रगति में योगदान देना चाहिए।

सीएम योगी ने सहकारी बैंकों की प्रगति पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि 2017 में उत्तर प्रदेश कोऑपरेटिव बैंकों का सीडी रेशियो 44 प्रतिशत था, जो वर्तमान में बढ़कर 61 प्रतिशत हो गया है। साथ ही इन बैंकों का शुद्ध लाभ 100 करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। यह सरकार की पारदर्शी नीतियों और बेहतर प्रबंधन का परिणाम है।

सीएम योगी ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों में सहकारिता व्यक्तिगत स्वार्थ का अड्डा बन गई थी। इससे किसान परेशान थे और 16 बैंकों के लाइसेंस जब्त कर लिए गए।

लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सहकारिता को नया जीवन दिया और इसके लिए अलग मंत्रालय की स्थापना की। आज 50 में से 49 सहकारी बैंक लाभ में हैं। साथ ही उन्होंने बताया कि बी पैक्स और सहकारिता के माध्यम से फर्टिलाइजर की जरूरतें पूरी करेगी और ब्लैक मार्केटिंग पर सख्ती से रोक लगाएगी। इससे किसानों को उर्वरक उचित दामों पर मिलेगा और आपूर्ति सुचारू होगी।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने युवा उद्यमी विकास योजना के लाभार्थियों को चेक वितरित किए और जिला सहकारी बैंकों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले संचालकों को सम्मानित किया। सीएम योगी ने सहकारी बैंकों को सुरक्षित और पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से बैंक फ्रॉड से बचाव पर आधारित पत्रिका का विमोचन भी किया। यूपी कोऑपरेटिव बैंक की 61वीं वार्षिक सामान्य निकाय बैठक में संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना, सहकारिता राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार जेपीएस राठौर समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी और सहकारी बैंकों के प्रतिनिधि उप-स्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोऑपरेटिव बैंकों के विस्तार और सुदृढ़ीकरण से प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी। छोटी इकाइयां किसी भी अर्थव्यवस्था की नींव होती हैं और सहकारिता इन्हें मजबूत करने का सबसे प्रभावी माध्यम है। मुख्यमंत्री ने सहकारी बैंकों से अपील की कि वे नई टेक्नोलॉजी को अपनाकर पारदर्शिता बढ़ाएं। उन्होंने कहा जितनी पारदर्शिता होगी, उतना ही बेहतर काम होगा। हमें सहकारिता के माध्यम से किसान, युवा, महिला और समाज के अंतिम व्यक्ति तक अपनी पहुंच बढ़ानी होगी।

# गंगा की सहायक ईशन नदी की हालत खराब

## एनजीटी का सख्त रुख, पांच जिलों के डीएम को नोटिस

**मैनपुरी, 21 मार्च (एजेंसियां)।** गंगा की सहायक ईशन नदी की हालत खराब है। नदी के बाढ़ग्रस्त क्षेत्र में अवैध निर्माण हो चुका है। नालों का गंदा पानी भी नदी में गिर रहा है। नदी के संरक्षण संबंधी याचिका पर सुनवाई करते हुए एनजीटी ने पांच जिलों के जिलाधिकारी को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने गंगा की सहायक ईशन नदी के संरक्षण संबंधी याचिका की सुनवाई करते हुए एटा-मैनपुरी समेत यूपी के पांच जिलों के जिलाधिकारियों से जवाब तलब किया। इनके अलावा प्रमुख सचिव, पर्यवेक्षण, वन व जलवायु परिवर्तन विभाग उप्र व उप्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अध्यक्ष को भी नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। मामले की अगली सुनवाई 17 जुलाई को होगी।

मैनपुरी के अलावा जिन अन्य जिलों के जिलाधिकारियों से जवाब मांगा गया है उनमें कन्नौज, हाथरस, कानपुर देहात शामिल हैं। नदी के संरक्षण संबंधी याचिका अजय प्रताप सिंह बनाम डीएम मैनपुरी के नाम से भी प्रचलित है। याचिका दाखिल करने वाले अधिवक्ता अजय प्रताप सिंह ने न्यायाधिकरण को बताया कि अलीगढ़ गजेटियर रिकॉर्ड के अनुसार, ईशन नदी का उद्गम हाथरस के सिकंदराराऊ के निकट स्थित झीलों से हुआ है मगर, अतिक्रमण के कारण वर्तमान में रोहतम झील और ईशन नदी का संपर्क टूट गया है। झील पर अतिक्रमण हो गया है। एटा, मैनपुरी में ईशन नदी के बाढ़ग्रस्त क्षेत्र में अवैध निर्माण हो गए हैं। मैनपुरी शहर में शहर का प्रमुख नाला नदी में गिर रहा है। ईशन नदी गंगा की सहायक नदी है, जो कि कानपुर देहात में गंगा में मिल जाती है।

न्यायाधिकरण से प्रार्थना की कि ईशन नदी के बाढ़ग्रस्त क्षेत्र का निर्धारण कर अवैध निर्माण हटाया जाए। नदी में गिरने वाले सभी नालों को बंद किया जाए। ईशन नदी के संपूर्ण क्षेत्र के पारिस्थितिकी तंत्र व रोहतम झील का संरक्षण किया जाए। न्यायाधिकरण ने सुनवाई करते हुए सभी विपक्षीगणों को नोटिस जारी करने का आदेश दिया। सभी विपक्षीगणों को अपना जवाब 17 जुलाई को दाखिल करने आदेश जारी किया।

# गोवा सरकार अयोध्या में बनाएगी गोवा राम निवास

**लखनऊ/पणजी, 21 मार्च (एजेंसियां)।** गोवा सरकार अयोध्या में गोवा राम निवास बनाएगी। इसके लिए भूमि अधिग्रहण की घोषणा भी की है। यह विशेष रूप से गोवा के श्रद्धालुओं के लिए समर्पित होगा। जिससे श्रीरामलला विराजमान के दर्शन और आध्यात्मिक यात्रा में श्रद्धालुओं को काफी सहूलियत मिलेगी। गोवा सरकार ने इस ऐतिहासिक परियोजना को साकार करने में सहयोग देने के लिए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद का आभार व्यक्त किया है। गोवा राम निवास श्रद्धालुओं के लिए एक सुनिश्चित और पवित्र स्थान होगा, जहां वे आध्यात्मिक शांति का अनुभव कर सकेंगे।

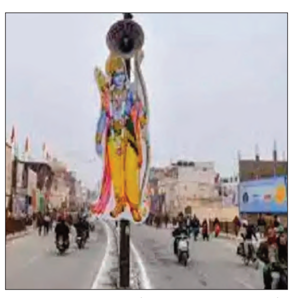

गोवा को परशुराम भूमि कहा जाता है। इसका अयोध्या की राम जन्मभूमि से गहरा आध्यात्मिक संबंध है। यह परियोजना दोनों स्थानों के सांस्कृतिक व आध्यात्मिक रिश्तों को और प्रगाढ़ करेगी तथा देशभर के श्रद्धालुओं को एक साथ जोड़ने का कार्य करेगी। विकास भी, विरासत भी के सिद्धांत को अपनाते हुए यह परियोजना न केवल श्रद्धालुओं की आवश्यकताओं को पूरा करेगी, बल्कि हमारी सांस्कृतिक धरोहर को भी संरक्षित रखेगी। गोवा सरकार ने कहा है कि भारत के समग्र विकास के साथ-साथ परंपराओं का संरक्षण भी आवश्यक है।

गोवा राम निवास के निर्माण कार्य को जल्द शुरू करने की तैयारी है। जिससे अयोध्या आने वाले श्रद्धालुओं को एक पवित्र, शांतिपूर्ण और सुविधाजनक स्थान मिल सके। इस परियोजना को उच्च गुणवत्ता वाली आधुनिक सुविधाओं के साथ विकसित किया जाएगा। जिससे यह श्रद्धालुओं के लिए आध्यात्मिक और सांस्कृतिक एकता का प्रतीक बन सके

# योगी ने राम मंदिर में मत्था टेका, हनुमानगढ़ी में लगाई हाजिरी

**अयोध्या, 21 मार्च (एजेंसियां)।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को रामनगरी पहुंचे। उन्होंने अपने दौरे का आगाज हनुमानगढ़ी में संकट मोचन के चरणों में हाजिरी लगाकर किया। यहां उन्होंने संतों से भी मुलाकात की। इसके बाद मुख्यमंत्री ने श्रीरामलला के चरणों में भी प्रणाम निवेदित किया।

शुक्रवार सुबह तुलसीपुर में मां पाटेश्वरी के दर्शन-पूजन व स्थानीय लोगों से मिलने के उपरांत मुख्यमंत्री रामनगरी पहुंचे, जहां रामकथा पार्क स्थित हैलीपेड पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों और भाजपा नेताओं ने उनका स्वागत किया। रामकथा पार्क से सीएम योगी सीधे हनुमानगढ़ी पहुंचे, जहां रामभक्त संकटमोचन हनुमान के दरबार में हाजिरी लगाई और प्रदेश के कल्याण की कामना की। सीएम ने दर्शन-पूजन के उपरांत निकलते समय आमजन का अभिवादन भी स्वीकार किया।

मुख्यमंत्री ने हनुमानगढ़ी में संतों से भी मुलाकात की और उनका कुशलक्षेम जाना। यहां मुख्यमंत्री सबसे पहले गद्दीनशीन महंत प्रेमदास महाराज जी महाराज से मिले।

इसके बाद मुख्यमंत्री यहां अन्य संतों से भी मिले और उनका हालचाल जाना। इसके बाद मुख्यमंत्री श्रीराम जन्मभूमि मंदिर पहुंचे और श्रीरामलला के चरणों में शीश झुकाया। मुख्यमंत्री ने यहां विधिवत दर्शन-पूजन भी किया। इसके बाद उन्होंने राम मंदिर निर्माण कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया, यहां चल रहे निर्माण कार्य की प्रगति के बारे में भी जानकारी ली। राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य अनिल मिश्र ने मुख्यमंत्री को यहां चल रहे कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने इस दौरान आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। इस दौरान योगी सरकार के मंत्री सूर्य प्रताप शाही, राकेश सचान, महापौर गिरीश पति त्रिपाठी, विधायक वेद प्रकाश गुप्ता, रामचंद्र यादव, अभय सिंह, चंद्रभानु पासवान आदि मौजूद रहे।

# 14 प्रमुख राही पर्यटक आवास गृहों का होगा आधुनिकीकरण

## पर्यटन विकास निगम लिमिटेड ने शुरू की तैयारी

**लखनऊ, 21 मार्च (एजेंसियां)।** उत्तर प्रदेश में पर्यटकों की बढ़ती आमद के बीच उन्हें वैश्विक मानकों के अनुरूप सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध योगी सरकार प्रदेश के राही पर्यटक आवास गृहों के संचालन को लेकर एक बड़ा कदम उठाने जा रही है। सीएम योगी के विजन को मिशन मानकर उत्तर प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम लिमिटेड (यूपीएसटीडीसी) ने प्रदेश के 14 प्रमुख राही पर्यटक आवास गृहों को वैश्विक मानकों के अनुरूप संचालन सुनिश्चित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। यूपीएसटीडीसी की योजना के अंतर्गत आगरा, फतेहपुर सीकरी, कानपुर के बिठूर, गाजीपुर, नवाबगंज, झांसी, बरेली, बदायूं, दोहरीघाट, गढ़मुक्तेश्वर, कन्नौज, मीरजापुर, शाहजहांपुर व कानपुर देहात के रनिया स्थित राही पर्यटक आवास गृह, होटल प्रॉपर्टी व बंगलों का अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप संचालन सुनिश्चित करने के लिए ऑपरेटर्स की नियुक्ति प्रक्रिया शुरू हो गई है। इस प्रकार, कुल 14 राही पर्यटक आवास गृहों में 130 से अधिक कमरों और अन्य पर्यटक सुविधाएं मानकों के अनुरूप पर्यटकों को उपलब्ध कराई जाएंगी।

प्रक्रिया के अंतर्गत पर्यटकों को अंतर्राष्ट्रीय मानकों अनुरूप सेवाएं उपलब्ध कराने के साथ ही यूपीएसटीडीसी के रेवेन्यू जेनरेशन को बढ़ाने में मदद मिलेगी। आगरा के ताजगंज में ताज महल के पूर्वी गेट के समीप स्थित राही टूरिस्ट ताज खेमा में 6 कमरे, रेस्तरां व लॉन जैसी सुविधाएं हैं। वहीं, कानपुर के बिठूर स्थित नानाराव पेशवा स्मारक पार्क स्थित राही पर्यटक आवास गृह में 8 कमरों के अतिरिक्त रेस-तरां व लॉन जैसी सुविधाएं हैं। इसी प्रकार गाजीपुर वाराणसी रोड स्थित छावनी लाइन, बरेली के गांधी उद्यान के समीप सिविल लाइंस, बदायूं के सिविल लाइंस तथा मऊ के दोहरीघाट में गोठा बजार स्थित पर्यटक आवास गृह में आठ कमरों, लॉन, रेस्तरां व कॉन्फ्रेंस हॉल जैसी सुविधाएं हैं। जबकि हापुड़ के गढ़मुक्तेश्वर चौराहा स्थित राही पर्यटक आवास गृह में 3, कन्नौज के मकरंद नगर स्थित पर्यटक आवास गृह में 4, शाहजहांपुर के पर्यटक आवास गृह में 4 तथा कानपुर देहात के रनिया के पर्यटक आवास गृह में 4 कमरे, रेस्तरां, लॉन, कॉन्फ्रेंस हॉल जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं।

यूपीएसटीडीसी की योजना के अनुसार, उन्नाव में लखनऊ-कानपुर हाइवे पर स्थित नवाबगंज पक्षी विहार में राही पर्यटक आवास गृह में कुल 10 कमरे, रेस्तरां, कॉन्फ्रेंस हॉल व बैंक्वेट हॉल जैसी सुविधाएं पर्यटकों को वैश्विक मानकों के अनुरूप मिलेगी। इसी प्रकार, फतेहपुर सीकरी स्थित राही पर्यटक आवास गृह में 24 कमरे, रेस-तरां, कॉन्फ्रेंस हॉल व लॉन, मीरजापुर में 16 कमरे, रेस्तरां व लॉन तथा झांसी में राही वीरांगना पर्यटक आवास गृह में 19 कमरे, रेस्तरां, कॉन्फ्रेंस हॉल तथा लॉन जैसी सुविधाएं उपलब्ध है। इस प्रकार, इन चारों स्थानों पर कुल मिलाकर 69 कमरे व अन्य पर्यटक सुविधाओं को वैश्विक मानकों के अनुरूप उपलब्ध करवाना सुनिश्चित किया जाएगा। इन सभी राही पर्यटक आवास गृहों पर ऑपरेटर्स की नियुक्ति वैश्विक मानकों के अनुरूप संचालन सुनिश्चित करने के लिए की जाएगी। फिलहाल, यह कार्य 15 वर्षों की लीज अवधि के लिए किया जाएगा जिसे ऑपरेटर्स की कुशलता और संपत्ति के रखरखाव की जरूरत को देखते हुए 15 वर्षों की अतिरिक्त कार्यावधि के लिए बढ़ाया जा सकेगा

# गैर जमानती वारंट पुलिसकर्मियों के हाजिर न होने पर कोर्ट नाराज, गिरफ्तारी का दिया आदेश

**अयोध्या, 21 मार्च (एजेंसियां)।** यूपी के अयोध्या में थाने में व्यापारी से मारपीट के मामले में पेश न होने पर शुक्रवार को कोर्ट ने कड़ा रुख अपनाया है। गैर जमानती वारंट जारी होने के बाद भी कोर्ट में पेश नहीं हुए 10 पुलिसकर्मियों की गिरफ्तारी का आदेश दिया है।

कोर्ट के आदेश का पालन न करने पर न्यायाधीश ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को कोर्ट के आदेश का अनुपालन कराए जाने के लिए पत्र जारी करने का भी आदेश दिया। यह कार्यवाही विशेष न्यायाधीश एससी एसटी एक्ट शिवानी जायसवाल की अदालत ने सुनाया है।

मामला फतेहगंज के व्यापारी राजकुमार सोनकर को इनायतनगर थाना के अंदर मारपीट कर कैद रखने का है। मामले में कोर्ट ने आरोपी 10 पुलिसकर्मियों के विरुद्ध गैर जमानती वारंट का आदेश जारी किया था। साथ ही गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किए जाने का निर्देश दिया था। इसके बाद भी आरोपी पुलिसकर्मी पेश नहीं हुए। इस पर कोर्ट ने कड़ा रुख अपनाया है।

न्यायालय ने तत्कालीन एसओ जंग बहादुर सिंह सहित घटना में शामिल सभी आरोपियों को एससी/एसटी एक्ट सहित कई अपराधों में 17 जनवरी 2014 को एसीजेएम तृतीय की कोर्ट ने तलब कर लिया। आरोपी उच्च न्यायालय के आदेश के बावजूद कोर्ट में 9 माह बाद भी हाजिर नहीं हुए। विशेष न्यायाधीश ने इस संबंध में अयोध्या के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को पत्र जारी करने का आदेश देते हुए सुनवाई के लिए 19 अप्रैल 2025 की तिथि नियत किया है।

संपादकीय

# कैंसर इलाज एक चुनौती

वर्ष 2025-26 के राष्ट्रीय बजट में घोषणा की गई थी कि प्रत्येक जिला अस्पताल के साथ 'कैंसर केयर केंद्र' स्थापित किए जाएंगे। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने जो ब्लूप्रिंट तैयार किया है, उसके मुताबिक प्रत्येक कैंसर केंद्र में एक विशेषज्ञ डॉक्टर, 2 नर्स, एक फार्मासिस्ट और एक बहुपयोगी कर्मचारी जरूर होने चाहिए। भारत में कितने कैंसर विशेषज्ञ डॉक्टर हैं, यह संख्या विभिन्न सर्वेक्षणों में अलग-अलग रही है। यह आश्चर्यजनक है कि देश में कैंसर विशेषज्ञ डॉक्टरों की निश्चित गणना नहीं है। अलबत्ता यह अनुमान जरूर है कि देश में कमोबेश 2000 कैंसर विशेषज्ञों की कमी है। जो चिकित्सक सेवारत और उपलब्ध हैं, उनमें से करीब 50 फीसदी शहरों में ही काम कर रहे हैं, जबकि ग्रामीण इलाकों में कैंसर का विस्तार और संभावनाएं एक बेहद गंभीर समस्या है। तो 'कैंसर केयर केंद्र' की बजटीय व्यवस्था पर शुरू से ही सवाल उठने लगते हैं। हम ऐसे मुद्दे को सवालिया बनाने के पक्षधर नहीं हैं, लेकिन यथार्थ बेहद डरावना है कि औसतन एक लाख में से मात्र 100 लोगों में ही कैंसर की पहचान हो पाती है। कैंसर के प्रति जन-जागृति नगण्य है, लिहाजा भारत में जन-स्वास्थ्य की यह अहम चुनौती है कि कैंसर का रोग तब पता चल पाता है, जब रोग आखिरी चरण में पहुंच जाता है, लिहाजा कैंसर लाइलाज हो जाता है। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने अभी कुछ डाटा जारी किया है, जिसके मुताबिक, 2023 में भारत में कैंसर के 14 लाख से अधिक मरीज थे। विशेषज्ञ इससे भी ज्यादा संख्या मानते हैं। दरअसल यह संख्या दर्ज मरीजों से 1.5 से 3 गुना अधिक हो सकती है। बेशक यह संख्या डरावनी है। हालांकि देश में गर्भाशय, मुंह और स्तन कैंसर की जांच के कार्यक्रम चलते रहते हैं। कैंसर के एक-तिहाई से ज्यादा मामले शरीर के इन्हीं अंगों में होते हैं, लेकिन रोग के पता लगाने की दर विश्व में सबसे कम है। कैंसर केयर के जो केंद्र राजधानी दिल्ली में भी कार्यरत हैं, उनमें या तो डॉक्टर गायब हैं अथवा जांच के उपकरण खराब हैं या इलाज की बारी लंबे-लंबे वक्त के बाद आती है। स्वाभाविक है कि रोग फैलता ही जाता है। जब तक इन केंद्रों पर कोई सख्त प्रशासनिक लगाम नहीं होगी, तब तक बजट के 'कैंसर केयर केंद्र' भी सफल प्रयोग साबित नहीं हो सकते। पूर्वोत्तर और केरल में कुछ जिला अस्पतालों में 'कैंसर केयर केंद्र' काम कर रहे हैं, लेकिन वे कितने कारगर हैं, इसकी कोई पुष्ट जानकारी नहीं है। बहरहाल विशेषज्ञ डॉक्टरों की उपलब्धता एक गंभीर चुनौती साबित होगी। सरकार प्रस्तावित कार्यक्रम की शुरुआत में मोबाइल क्लीनिकों को ग्रामीण इलाकों तक पहुंचा सकती है, लेकिन ऐसे क्लीनिक एक विशेषज्ञ चिकित्सक का विकल्प नहीं हो सकते और कैंसर विशेषज्ञों का अभाव है। कैंसर के संभावित मरीजों में बहुधा ऐसे हैं, जो जांच कराने ही नहीं आते। इस तबके में महिलाएं अधिकतर हैं। अस्पतालों के साथ कैंसर केयर केंद्र जोड़ने का प्रयास तब कारगर हो सकता है, जब जांच-दलों को लोगों की दहलीज तक भेजा जाए। लोग अस्पताल तक जाने में संकोच करते हैं, जबकि अस्पतालों में सभी स्वास्थ्य जांच मुफ्त होती हैं। लोगों को 'टेलीमेडिसन' सरीखे डिजिटल औजार इस्तेमाल करने को भी प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। नई ग्रामीण कैंसर इकाइयों को 'नेशनल कैंसर ग्रिड' के जरिए जोड़ा जाना चाहिए, ताकि शहर और गांव के बीच कैंसर विशेषज्ञ आपस में संवाद कर सकें और मरीज का उचित इलाज हो सके।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने जो ब्लूप्रिंट तैयार किया है, उसके मुताबिक प्रत्येक कैंसर केंद्र में एक विशेषज्ञ डॉक्टर, 2 नर्स, एक फार्मासिस्ट और एक बहुपयोगी कर्मचारी जरूर होने चाहिए। भारत में कितने कैंसर विशेषज्ञ डॉक्टर हैं, यह संख्या विभिन्न सर्वेक्षणों में अलग-अलग रही है। यह आश्चर्यजनक है कि देश में कैंसर विशेषज्ञ डॉक्टरों की निश्चित गणना नहीं है। अलबत्ता यह अनुमान जरूर है कि देश में कमोबेश 2000 कैंसर विशेषज्ञों की कमी है। जो चिकित्सक सेवारत और उपलब्ध हैं, उनमें से करीब 50 फीसदी शहरों में ही काम कर रहे हैं, जबकि ग्रामीण इलाकों में कैंसर का विस्तार और संभावनाएं एक बेहद गंभीर समस्या है। तो 'कैंसर केयर केंद्र' की बजटीय व्यवस्था पर शुरू से ही सवाल उठने लगते हैं। हम ऐसे मुद्दे को सवालिया बनाने के पक्षधर नहीं हैं, लेकिन यथार्थ बेहद डरावना है कि औसतन एक लाख में से मात्र 100 लोगों में ही कैंसर की पहचान हो पाती है। कैंसर के प्रति जन-जागृति नगण्य है, लिहाजा भारत में जन-स्वास्थ्य की यह अहम चुनौती है कि कैंसर का रोग तब पता चल पाता है, जब रोग आखिरी चरण में पहुंच जाता है, लिहाजा कैंसर लाइलाज हो जाता है।

### बाबर ने इब्राहिम लोधी को परास्त करके उत्तरी भारत के बड़े हिस्से पर कब्जा जमाया था

# औरंगजेब की कब्र पर बढ़ता विवाद

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

मुगल खानदान के बादशाह औरंगजेब के साथ भी यही हो रहा है। उसने जिंदा रहते हुए भी लोगों पर अमानुषिक अत्याचार किए और मरने के बाद भी उसका यह खेल जारी है। सबसे पहले, औरंगजेब नाम का यह शख्स कौन था? इसका ताल्लुक मध्य एशिया से है और यह वहां के तुर्क समाज से ताल्लुक रखता था। यह बाबर के खानदान का था। बाबर के खानदान ने हिंदुस्तान पर हमला करके यहां अपना राज स्थापित किया था। इतिहास में इसे मुगल खानदान के नाम से जाना जाता है। बाबर के बाद उसका बेटा हुमायूं, उसके बाद अकबर, जहांगीर, शाहजहां और उसके बाद औरंगजेब ने सत्ता संभाली थी।

शैतानी रूहों के बारे में कहा जाता है कि वे अपनी कब्र से बार-बार बाहर निकलती रहती हैं। यत्नपूर्वक इन शैतानी रूहों को लोग कब्र में दबाते हैं, लेकिन कुछ साल बाद वे फिर बाहर आकर अपना शैतानी खेल शुरू कर देती हैं। मुगल खानदान के बादशाह औरंगजेब के साथ भी यही हो रहा है। उसने जिंदा रहते हुए भी लोगों पर अमानुषिक अत्याचार किए और मरने के बाद भी उसका यह खेल जारी है। सबसे पहले, औरंगजेब नाम का यह शख्स कौन था? इसका ताल्लुक मध्य एशिया से है और यह वहां के तुर्क समाज से ताल्लुक रखता था। यह बाबर के खानदान का था। बाबर के खानदान ने हिंदुस्तान पर हमला करके यहां अपना राज स्थापित किया था। इतिहास में इसे मुगल खानदान के नाम से जाना जाता है। बाबर के बाद उसका बेटा हुमायूं, उसके बाद अकबर, जहांगीर, शाहजहां और उसके बाद औरंगजेब ने सत्ता संभाली थी। लेकिन आगे बढने से पहले यह जान लेना भी जरूरी है कि जब मुगल खानदान ने भारत के बड़े हिस्से पर कब्जा किया, तब भी यहां मध्य एशिया के सुलतानों का ही राज था। सुलतानों का यह राज 1100-1200 ईस्वी सन्के आसपास शुरू हो गया था। बाबर ने इब्राहिम लोधी को परास्त करके उत्तरी भारत के बड़े हिस्से पर कब्जा जमाया था। किस्सा कोताह यह कि मुगल अपनी सल्तनत को पूरे हिंदुस्तान में फैलाने की कोशिश कर रहे थे। लेकिन हिंदुस्तान के लोग उनको खदेडने की कोशिश भी कर रहे थे। वैसे गहराई से देखा जाए तो मुगलों के इन हमलों को सबसे पहली चुनौती सप्तसिंधु में ही गुरु नानक देव जी ने दी थी। गुरु नानक देव जी द्वारा रचित बाबर वाणी इसकी गवाही देती है। नानक देव जी इस हमले को 'जम (यमराज) कर मुगल चढ़ाईया' कहते हैं और इसको 'हिंदुस्तान डराइया' भी कहते हैं। जाहिर है कि सप्त सिंधु/पंजाब ने तो इस मुगल सत्ता को शुरू से ही चुनौती देनी शुरू कर दी थी। लेकिन मुगल सत्ता को दूसरी सबसे बड़ी चुनौती दक्षिण के पठारों में मराठों से मिली। शिवाजी मराठा के नेतृत्व में मराठों ने बहुत बड़े क्षेत्र को मुगलों से आजाद करवा कर 1674 में हिंदवी साम्राज्य यानी हिंदुस्तानियों के अपने राज की स्थापना की। इधर सप्त सिंधु/पंजाब क्षेत्र में दशगुरु परंपरा, जिसका पौधा गुरु नानक देव जी ने लगाया था, का प्रभाव बढ़ता जा रहा था। अफगानिस्तान से लेकर दिल्ली तक नया

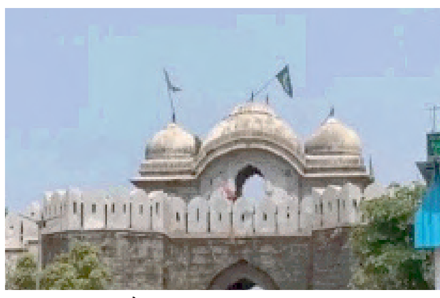

उत्साह संचार हो रहा था। इसका प्रभाव इतना बढ़ा कि पश्चिमोत्तर भारत के लोगों ने पांचवें गुरु श्री अर्जुन देव जी को 'सच्चा पातशाह' कहना शुरू कर दिया। यानी मुगल बादशाह तो झूठा है, वह हिंदुस्तान का बादशाह नहीं है। हमारा सच्चा पातशाह ही हिंदुस्तान का बादशाह है। गुरु अर्जुन देव जी ने जन आस्था की रक्षा के लिए मुगलों का सामना किया, उनके आगे झुकने से इंकार कर दिया। मुगल बादशाह जहांगीर की दारुण यातनाओं का सामना करते हुए बलिदान दे दिया। लेकिन यह लड़ाई यहीं खत्म नहीं हुई। मुगल सत्ता पर औरंगजेब बैठा। लेकिन गद्दी पर कब्जा करने से पहले उसने अपने सभी भाइयों को मरवा दिया। 'मरवा दिया' कहने मात्र से शायद स्थिति स्पष्ट नहीं हो पाएगी। अपने बाप शाहजहां को कैद में डालने के बाद, औरंगजेब ने अपने भाई दारा शिकोह का सिर काट कर उसे थाल में सजा कर, शाहजहां को तोहफे के रूप में पेश किया। दक्षिण के पठारों में 1674 में हिंदवी राज की स्थापना ने औरंगजेब को हिला दिया था। इधर दशगुरु परंपरा के आंदोलन ने सप्त सिंधु/पंजाब क्षेत्र की हवा बदलनी शुरू कर दी थी। औरंगजेब के अत्याचार बढ़ते जा रहे थे, वह पूरे हिंदुस्तान को 'दारुल इस्लाम' बना देना चाहता था। लेकिन दक्षिण में नींव हिल गई थी और इधर पंजाब विरोध में आ खड़ा हुआ था। इसका नेतृत्व नवम गुरु श्री तेग बहादुर जी कर रहे थे। इतिहास ने औरंगजेब के अत्याचारों की पराकाष्ठा भी देखी और श्री गुरु तेग बहादुर और उनके तीन साथियों के प्रतिरोध की क्षमता भी देखी। मतिदास जी, सती दास जी, भाई दियाला जी के किस निर्दयता से प्राण लिए गए, इसे कैसे भूला जा सकता है? गुरु तेग बहादुर जी का सिर तलवार के वार से धड़ से अलग कर दिया गया। उन्होंने बलिदान दे दिया, लेकिन इस्लाम स्वीकार नहीं किया। यह दुःखांत 1675 का है। 1680 में शिवाजी मराठा का देहावसान हो गया। इस नए साम्राज्य की बागडोर उनके सुपुत्र संभा जी महाराज ने संभाली। वह अपने राज्य को मजबूत करने के प्रयास में लगे थे। औरंगजेब चाहता था इस हिंद स्वराज का विस्तार होने से पहले-पहले किसी भी तरह इस पर कब्जा किया जाए। आरपार की लड़ाई थी। लेकिन 1689 में छत्रपति संभाजी महाराज पकड़े गए। अब 'टोपियां बना कर घर का खर्चा चलाने वाले औरंगजेब' का असली रूप सामने आया। वैसे उसका एक रूप पूरा हिंदुस्तान पहले दिल्ली के चांदनी चौक में भी देख चुका था। इस बार फिर औरंगजेब ने छत्रपति संभाजी महाराज के साथ क्रूरता की सारी हदें पार कर दी थीं। औरंगजेब की एक ही मांग थी- इस्लाम मजहब को स्वीकार करो। वह गुरु तेग बहादुर जी से भी यही मांग कर रहा था। उसको लगता था गुरु जी इस्लाम में आ जाएंगे तो शेष भारतीयों को मतांतरित करना आसान हो जाएगा। वह अब भी यही मान रहा था कि यदि शिवाजी महाराज का बेटा मुसलमान हो जाएगा तो दक्षिण के पठारों में तो इस्लाम का झंडा फहराने ही लगेगा। लेकिन संभाजी दृढ़ थे। औरंगजेब ने उसके नाखून निकलवा दिए, आंखें फोड़ दीं और अंत में उनकी जुबान काट दी। अंत में औरंगजेब ने संभाजी का सिर कटवा दिया। लेकिन औरंगजेब के भीतर का पशु इतने पर भी शांत नहीं हुआ। उसने संभाजी के शरीर के कई टुकड़े करवा कर नदी में फिंकवा दिए। औरंगजेब इसी को अपनी जीत समझ रहा था। लेकिन भारत भी अंगड़ाई ले रहा था। उसकी एक आहट सप्त सिंधु में सुनाई दे रही थी, जब दशम गुरु गोबिंद सिंह जी ने पुआध क्षेत्र में खालसा पंथ की स्थापना करके भारतीय इतिहास में एक नया अध्याय रच दिया। चमकौर की लड़ाई के बाद गुरु गोविंद सिंह जी ने औरंगजेब को जफरनामा यानी जीत की चि_ी लिखी। इस चि_ी ने औरंगजेब का काला चि_ा इतिहास में सुरक्षित कर दिया। 1707 में औरंगजेब अहमदनगर में सुपुर्दे खाक हो गया। उधर खालसा पंथ ने जम्मू कश्मीर के बंदा बहादुर के नेतृत्व में पश्चिमोत्तर भारत में मुगल साम्राज्य की नींव हिला दी। औरंगजेब की लाश पड़ी थी। उसकी वसीयत पढ़ी गई। उसमें लिखा था कि मेरी मौत जहां भी हो, लेकिन मुझे खुल्दाबाद में ही दफनाया जाए जहां मेरे गुरु सैयद जैनुद्दीन शिराजी दफन हैं।

दृष्टि कोण

# डिजिटल लत और नशे की चुनौतियां-समाधान

समाज में अन्याय के विरुद्ध लडने वाले लोग समाज के स्तंभ होते हैं। ये लोग समाज की सांस्कृतिक, धार्मिक और पारंपरिक दिशा निर्धारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। एक सुसंस्कृत समाज की कल्पना उसके सदस्यों के आचरण और मूल्यों पर निर्भर करती है। समाज में सुख-शांति और एकता बनाए रखने के लिए सहयोग और एकजुटता आवश्यक है। यही वह धागा है जो मानव समाज को बांधे रखता है और सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देता है। मनुष्य के स्वभाव में दया, करुणा, प्रेम, सहनशीलता, कृतज्ञता और मानवीय हास्य-मजाक जैसे गुण होने चाहिएं। ये गुण ही मानव जीवन को सार्थक बनाते हैं। मित्रता, विनम्रता, शिष्टाचार और दूसरों की परेशानियों के प्रति चिंता जैसे गुण सकारात्मकता और अपनेपन का संदेश देते हैं। ये अच्छाइयां ही समाज को रहने योग्य एक सुंदर स्थान बनाती हैं। लेकिन आज के समय में, विशेषकर युवाओं में, इन मानवीय गुणों का ह्रास होता जा रहा है। आज का युवा वर्ग नशे की गिरफ्त में आता जा रहा है। चाहे वह ड्रग्स का नशा हो या मोबाइल फोन और सोशल मीडिया की लत, यह समाज के लिए एक गंभीर समस्या बन गई है। हम सभी इस समस्या से चिंतित तो हैं, लेकिन इसका समाधान ढूंढने के लिए पर्याप्त प्रयास नहीं कर रहे हैं। अधिक धन कमाने के लालच में कुछ लोग युवाओं को नशे के जाल में फंसा रहे हैं, जो न केवल उनके भविष्य के लिए खतरनाक है, बल्कि पूरे समाज के लिए एक गंभीर चुनौती भी है। नशीली दवाओं की समस्या बहुआयामी है। यह केवल कानून और स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है, बल्कि यह शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और आर्थिक पहलुओं को प्रभावित करती है। इस समस्या को जड़ से खत्म करने के लिए केवल सरकार या पुलिस प्रशासन पर निर्भर नहीं रहा जा सकता। इसे रोकने के लिए सामूहिक प्रयास की आवश्यकता है, जिसमें पुलिस, समाज, परिवार और शिक्षण संस्थानों की समान भागीदारी हो। यदि सामाजिक स्तर पर सहयोग, अनुशासन और सही मार्गदर्शन दिया जाए, तो नशे की प्रवृत्ति को खत्म किया जा सकता है। खेलकूद और प्रतियोगिताओं के माध्यम से युवाओं को शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत बनाया जा सकता है, जिससे उन्हें नशे से दूर रहने की प्रेरणा मिलेगी। साथ ही, सरकार को युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने चाहिए, क्योंकि बेरोजगारी भी नशे की ओर प्रेरित करने वाला एक प्रमुख कारक है। दूसरी गंभीर समस्या मोबाइल फोन और सोशल मीडिया का नशा है।

आज का युवा वर्ग इस लत से बुरी तरह प्रभावित है। मोबाइल फोन के अत्यधिक उपयोग से स्वास्थ्य और सुरक्षा दोनों तरह के खतरे पैदा हो रहे हैं। स्वास्थ्य संबंधी खतरों में आंखों पर दबाव बढना, एकाग्रता में कमी, तनाव और चिंता बढना, मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव और अकेलेपन की भावना शामिल हैं। सुरक्षा के दृष्टिकोण से भी मोबाइल फोन के माध्यम से हैकिंग, निजी जानकारियों का लीक होना और अन्य साइबर अपराधों का खतरा बढ़ गया है। बच्चों के मस्तिष्क पर मोबाइल फोन का अधिक उपयोग और भी हानिकारक प्रभाव डालता है। इसलिए, मोबाइल फोन के सावधानीपूर्वक उपयोग और निगरानी की आवश्यकता है। अभिभावकों को चाहिए कि वे बच्चों को डिजिटल साक्षरता के बारे में शिक्षित करें और उनके स्क्रीन टाइम को सीमित करें। अभी हाल में ही ऑस्ट्रेलिया और चीन ने बच्चों की स्क्रीन टाइम को सीमित करने के संबध में कानून बनाए हैं! भारत सरकार को भी इस दिशा में काम करना चाहिए! युवा वर्ग में मोबाइल की लत इतनी अधिक बढ़ गई है कि वे अपनी पढ़ाई-लिखाई को छोडक़र घंटों सोशल मीडिया पर रील्स देखने और बनाने में व्यस्त रहते हैं। यह न केवल उनके शैक्षणिक प्रदर्शन को प्रभावित कर रहा है, बल्कि उनके मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर भी गहरा असर डाल रहा है। हाल ही में एक समाचारपत्र में पढ़ा कि एक छात्रा ने मोबाइल फोन के उपयोग से रोके जाने के कारण आत्महत्या कर ली। यह घटना हमें समाज के एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में सोचने पर मजबूर करती है कि क्या हम अपने युवाओं को सही दिशा दे पा रहे हैं? यह समय है कि हम इस गंभीर समस्या पर गंभीरता से विचार करें और युवाओं को डिजिटल दुनिया के सही और गलत के बीच अंतर समझाने का प्रयास करें।

कुछ अलग

# मैं और मेरा एनजीओ...

जन कल्यण की भावनाओं से भरकर मैंने एक एनजीओ का गठन कर गरीब, बेसहारा और विकलांगों के लिए कार्यक्रम शुरू कर दिया है। मेरी इस संस्था को राजकीय कोष से ही नहीं अपितु विदेशों से भी धन आ रहा है। विदेशी लोग इस संस्था के उद्देश्य पढक़र अभिभूत हो गए थे और उन्हें लगा था पूरे देश में गरीबों और मानसिक विकलांगों के लिए मैं अकेला काम कर रहा हूं। फील्ड वर्क के लिए मेरे पास चार-पांच बेकारी से जूझते नौजवान हैं, जो थस्र्ट एरिया खोजकर मेरे प्रोजेक्ट ऑफिसर्स को वस्तुस्थिति बताते हैं, जिसे मेरे माहिर प्रोजेक्ट अफसर बखूबी कागजी जामा पहना देते हैं। यह रिपोर्ट मैं मेरी संस्था को धन देने वाली एजेंसियों को भेजता हूं तो वे और अधिक वित्तीय सहायता एनजीओ को उपलब्ध कराते हैं। इन धन में से दो प्रतिशत सहयोगियों को बांट देता हूं, बाकि राशि मैं संस्था में तथा मेरे घर में सुख-सुविधाएं जुटाने-बढ़ाने में खर्च करता हूं। यह सब करने के बाद भी धन इतना बचता है कि वह कुछ संस्था तथा कुछ मेरे निजी खातों में जमा हो जाता है। शनैः शनैः यह जमा राशि कई लाखों में तब्दील हो गई है जिसे मैं अपनी अय्याशी और मौज-मस्ती में खुले हाथों खर्च करता हूं। मैं और कोई कामकाज नहीं करता, सिवाय इस संस्था को रन करने के। संस्था को बैनर व उद्देश्य पढक़र बहुत से जरूरतमंद आते हैं, लेकिन हमारे पटुकर्मी उन्हें समझा-बुझाकर सहायता आने पर मदद का आश्वासन देते हैं। वे इतने खुश होते हैं कि मेरी और मेरी संस्था के कसीदे पढऩे लगते हैं। उन्हें लगता है कि उनकी विवशता मिटने के दिन अब ज्यादा दूर नहीं हैं। उनका कल्याण नए सत्र और बजट में होकर रहेगा। यह भरोसा ही मेरे एनजीओ की साख है। घर और दफ्तर में शानदार फर्नीचर, एसी और गाड़ी अलग-अलग विद्यमान हैं। मेरे दोनों बच्चे कान्वेंट से एजुकेट होकर उच्च शिक्षा प्राप्त कर फॉरेन में ही शिफ्ट हो गए हैं। फॉरेन में तो मैं भी शिफ्ट हो जाता, लेकिन फॉरेन की तमाम सुख-सुविधाएं मैंने अपने देश भारत में ही जुटा ली हैं। कुछ लोग मेरी आलोचना इस बात को लेकर करते भी हैं कि मैंने एनजीओ के सहारे सब कुछ जुटा लिया है। लेकिन मैं उनकी परवाह न करते हुए अपने एनजीओ को पावन उद्देश्यों के सहारे प्रगति के नए से नए सोपान देने में सफल रहा हूं। मुझे एनजीओ चलाने की प्रेरणा मेरी पत्नी ने ही दी। उसी ने बताया कि निठल्लेपन से अच्छा है, मैं अपनी बातूनी बकवास को कागज पर मूर्त रूप देऊं। उसी ने पीटर साब की सफलता की कहानी भी बताई कि कैसे वे फकीर से अमीर बन गए थे। अनपढ़ पत्नी की सीख मेरे काम आई और मैंने अविलंब जनकल्याण के अछूते प्रसंग लेकर अपनी संस्था का पंजीकरण अपने ही घरवालों के फर्जी नाम भरकर करवाया। विद इन नो टाइम मैं एनजीओ से कमाने-खाने लगा। इसके बाद मैंने पीछे मुडक़र नहीं देखा। पीछे का फटीचर अतीत मैं देखना भी नहीं चाहता था। पिता ने विरासत में मुझे संस्कार एवं मूल्यों की जो शिक्षा दी थी, उसे मैंने घूल चटा दी। मैं अपनी सफलता की यह कहानी किसी को नहीं बताता। एनजीओ मेरा ही नहीं, पता नहीं कितने सारे कल्याणकारी मूल्यों को लेकर चल रहे हैं। लेकिन यह सब सरकारी अफसरों की कृपा और उनसे चल रही मिलीभगत से है। वरना मेरे अकेले की क्या बिसात। करोड़ों सरकारी रुपए देश के सैंकड़ों-हजारों एनजीओ ऐसे ही हड़प रहे हैं, और लोक लुभावने फरेबों से सबको ठग रहे हैं। आप कोई एनजीओ मत बनाना, यह बहुत मेहनत का काम है। भगवान आपकी रक्षा करे।

देश दुनिया से

# सत्त विकास हेतु जल संरक्षण आवश्यक

22 मार्च को 'विश्व जल दिवस' मनाया जाता है। वास्तव में प्रत्येक वर्ष 22 मार्च को मनाया जाने वाला विश्व जल दिवस संयुक्त राष्ट्र द्वारा समर्थित एक वैश्विक पहल है जो वर्ष 1993 से मनाया जा रहा है। दरअसल, इस अंतर्राष्ट्रीय दिवस का विचार वर्ष 1992 में सामने आया, जिस वर्ष रियो डी जनेरियो में पर्यावरण और विकास पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन का आयोजन किया गया था। बहरहाल, जिन पाँच तत्वों को जीवन का प्रमुख व महत्वपूर्ण आधार माना गया है, उनमें से एक तत्व जल है ।जल के बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। इसीलिए कहा भी गया है कि-'जल ही जीवन है।' गौरतलब है कि सतत विकास के लिए निर्धारित 17 लक्ष्यों (एसडीजी) में से पृथ्वी पर सबके लिए स्वच्छ पेयजल और स्वच्छता तक पहुंच एक प्रमुख लक्ष्य है और इसको प्राप्त करने के लिए वर्ष 2030 तक की समय सीमा तय की गई है। हाल फिलहाल, पाठक जानते हैं कि मानव के शरीर का निर्माण प्रकृत के पंच महाभूत, जल, अग्नि, वायु, पृथ्वी व आकाश से होता है। हमारे वेदादि शास्त्रों ने जल की महत्ता को हमेशा से ही स्वीकार किया है। सृष्टि निर्माण प्रक्रिया में भी अग्नितत्व के पश्चात जल तत्व का ही स्थान आता है। मतलब यह है कि अग्नि से ही जलोत्पत्ति हुई है। कहना ग़लत नहीं होगा कि जल के आधार भूत संपूर्ण मानव सृष्टि है ।जल की महत्ता कितनी है इसको हम रहीम जी के एक दोहे के माध्यम से बखूबी समझ सकते हैं, जिन्होंने कहा है-'रहिमन पानी राखिए बिन पानी सब सून। पानी गए न ऊबरे मोती मानुस चून।' यहां तक कहा गया है कि 'जल में अमृत है, जल में औषधि है।' संस्कृत में बड़े खूबसूरत शब्दों में कहा गया है कि -'जलस्य रक्षणम्नूनं भवतु। जल संरक्षणम् अनिवार्यम्। विना जलं तु सर्वं हि नश्येत। दाहं कष्टं करोति दूरम्।' पाठक जानते होंगे कि जल इतिहास के हर खंड में कुछ प्राचीनतम सभ्यताओं—जैसे सिंधु, नील, दज़ला और फरात नदी के आसपास विकसित हुई सभ्यताएँ—के लिये एक महत्त्वपूर्ण संसाधन रहा है। जानकारी देना चाहूंगा कि जल पृथ्वी के लगभग 70% हिस्से को कवर करता है, मीठे जल की मात्रा मात्र 3% है, जिसमें से दो-तिहाई जमे हुए रूप में या दुर्गम और उपयोग के लिये अनुपलब्ध है ।वास्तव में, विश्व जल दिवस मनाने के पीछे मुख्य उद्देश्य सभी के लिये जल एवं स्वच्छता की प्राप्ति को समर्थन देना, मीठे जल के महत्त्व के बारे में हितधारकों के बीच जागरूकता बढ़ाने का प्रयास करना तथा इस अमूल्य तथा सीमित प्राकृतिक संसाधन का संरक्षण करना है। दूसरे शब्दों में कहें तो यह दिन लगभग हर देश में मनुष्यों द्वारा सामना किए जाने वाले जल-संबंधी विभिन्न मुद्दों की ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए समर्पित है। सच तो यह है कि संयुक्त राष्ट्र द्वारा बनाया गया, विश्व जल दिवस का लक्ष्य उन लोगों तक सहायता पहुँचाना है, जिन्हें वास्तव में इसकी आवश्यकता है। गौरतलब है कि 22 मार्च 2024 को 31वाँ विश्व जल दिवस मनाया गया था, जिसकी थीम थी- 'शांति के लिये जल का लाभ उठाना।' गौरतलब है कि विश्व जल दिवस 2025 का विषय 'ग्लेशियर संरक्षण' रखा गया है ।ग्लेशियर जीवन के लिए महत्वपूर्ण हैं-उनका पिघला हुआ पानी पेयजल, कृषि, उद्योग, स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन और स्वस्थ पारिस्थितिकी तंत्र(इको-सिस्टम) के लिए आवश्यक है। आज तीव्र शहरीकरण, औद्योगीकरण, असंवहनीय कृषि पद्धतियाँ, जलवायु परिवर्तन, अप्रत्याशित वर्षा पैटर्न, अत्यधिक जल उपभोग सहित कई कारकों से जल संकट उत्पन्न हो रहा है ।अकुशल जल प्रबंधन, प्रदूषण, अपर्याप्त अवसंरचना के कारण भी जल संकट की समस्या पैदा होती है। कहना ग़लत नहीं होगा कि विगत कई दशकों में तीव्र नगरीकरण, आबादी में निरंतर हो रही बढ़ोतरी, पेयजल आपूर्ति तथा सिंचाई हेतु जल की मांग में वृद्धि के साथ ही विभिन्न औद्योगिक गतिविधियों के तीव्र विस्तार इत्यादि ने धरती के जल-संसाधनों पर दबाव बढ़ा दिया है। एक ओर जल की बढ़ती मांग की आपूर्ति हेतु सतही एवं भूमिगत जल के अनियंत्रित दोहन से भूजल स्तर में गिरावट होती जा रही है तो दूसरी ओर प्रदूषकों की बढ़ती मात्रा से जल की गुणवत्ता एवं उपयोगिता में कमी आती जा रही है। अनियमित वर्षा, सूखा एवं बाढ़ जैसी आपदाओं ने भूमिगत जल-पुनर्भरण को अत्यधिक प्रभावित किया है। आज पानी के लगभग सभी प्राकृतिक स्त्रोतों जैसे झरने, बावड़ियों, जोहड़, टांका इत्यादि के पुनरूत्थान और पुनरूद्धार पर ध्यान देने की जरूरत अहम् और महत्ती है, क्यों कि ये परंपरागत जल स्त्रोत आज दुर्दशा के शिकार हो रहे हैं और इन पर किसी का ध्यान नहीं है। आंकड़े बताते हैं कि विश्व की आबादी में लगभग 18 प्रतिशत हिस्सेदारी रखने वाले भारत में मात्र 4 प्रतिशत जल संसाधन हैं ।उपभोग और वर्तमान उपयोग के पैटर्न को देखते हुए जल संरक्षण आज के समय की मुख्य आवश्यकता है। भारतीय जल संसाधनों को जलवायु संकट, मानसूनी वर्षा, बांधों के निर्माण, और जल विद्युत की ओर बढ़ते बदलाव के साथ-साथ रेत खनन जैसे स्थानीय कारकों से भी गंभीर खतरा है। प्रतिष्ठित पत्रिका डाउन टू अर्थ में छपे एक आलेख से पाठकों को यह जानकारी देना चाहूंगा कि 'संयुक्त राष्ट्र की ही एक अन्य रिपोर्ट के अनुसार, विगत 40 वर्षों में वैश्विक स्तर पर पानी का उपयोग प्रतिवर्ष लगभग 1 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि जलसंकट का सामना करने वाली वैश्विक शहरी आबादी 2016 में 933 मिलियन से बढ़कर 2050 में 1.7-2.4 बिलियन हो जाने का अनुमान है, जिसमें भारत के सबसे गंभीर रूप से प्रभावित होने की प्रायिकता भी सर्वाधिक है।' बहरहाल हाल ही में केंद्रीय भूल-भूल रिपोर्ट 2024 प्रस्तुत की गई थी, जिसमें यह बताया गया है कि वर्ष 2023 तक देश के 440 जिले ऐसे पाए गए हैं जिनके भूजल में नाइट्रेट की मात्रा अत्यधिक है, जबकि वर्ष 2017 में ऐसे जिलों की संख्या 359 ही थी। उल्लेखनीय है कि देश भर से एकत्र किए गए 15,239 भूजल नमूनों में से 19.8% में नाइट्रेट या नाइट्रोजन यौगिक सुरक्षित सीमा से अधिक पाए गए हैं। सबसे चिंताजनक बात यह है कि राजस्थान, कर्नाटक और तमिलनाडु जैसे राज्यों में नाइट्रेट संदूषण की समस्या सबसे गंभीर बताई गई है जहाँ क्रमशः 49%, 48% और 37% नमूनों में नाइट्रेट की मात्रा सुरक्षित सीमा से अधिक पाई गई है।

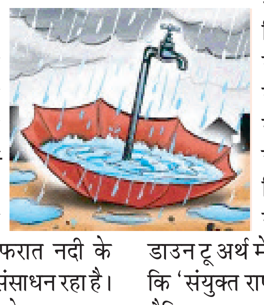

आप का नजरिया

# भविष्य से मुलाकात

यूं तो भविष्य मुलाकात नहीं करता, लेकिन कोशिश हो तो हर पैगाम पे इ$करार करता। हिमाचल के बजट की एक खूबी इसके सशक्त पैगाम की है जो भविष्य को रेखांकित कर रहा है। यह कोशिश हर क्षेत्र को तैयार कर रही है और कहीं न कहीं यह संदेश भी दे रही है कि खाके बदलेंगे और बजट के मायने भी। यह इसलिए भी कि विपक्ष के संदेह नीतियों, नियमों और घोषणाओं को लेकर नहीं, सीमित संसाधनों में बड़े सपनों को पूरा करने में हैं। जाहिर है हिमाचली सपनों की लागत महंगी है, इसलिए कुछ घर में समेटने और कुछ बाहर दिखाने की है। ये छोटे प्रयास से बड़े नतीजे प्राप्त करने की जद्दोजहद है। यह औकात में रह कर जज्बात को बड़ा करने की बात है। बजट का आधार यूं तो आय की मूंगफली में व्यय के छिलके उतारने का रहा है, लेकिन सीमित चादर में अपने पांव की हालत सुनिश्चित की जा सकती है। सुक्खू ने बजट में इरादों को इंगित और इच्छाशक्ति को सुगंधित किया है। वह वित्तीय जरूरतों का आर्थिक तरक्की से गुजर जाने का संदेश दे रहे हैं, इसी तड़प में युवाओं को जीना सिखाते हैं। वह युवाओं को परिवहन जरूरतों में स्वरोजगार का ढांचा दिखा रहे हैं, तो पर्यटन के हिसाब में उन्हें स्वावलंबन की गिनती सिखा रहे हैं। अब स्टार्टअप के नजरिए से हिमाचल को सोचना है, तो युवाओं के हाथों में सिर्फ कलम नहीं, दिमाग में भविष्य के कारनामे भरने होंगे। इन पंक्तियों के लेखक को एक यू ट्यूब चैनल का फोटोग्रॉफर याद आ रहा है, जो जमा दो के बाद अपने प्रोफेशन का महारथी है। विशाल नामक यह युवा पहले वीडियो बनाता, फिर उसे संपादित करता और उसके बाद डिजिटल मीडिया के प्लेटफॉर्म पर चढ़ा कर मानिटर ही नहीं करता, बल्कि उससे अर्जित आय से अपनी आजीविका का हुनर भी आजमा रहा है। मुख्यमंत्री ने बजटीय भाषण में धर्मशाला की मेहनतकश लड़कियों का जिक्र किया है जो आजीविका के हुनर को परवान चढ़ाने में सब्जी विक्रेता बन गईं। शिक्षा के प्रसार में आजीविका के हुनर की मौलिकता अब हिमाचल की जरूरत है और इस दृष्टि से बजट कुछ प्रोत्साहन, कुछ दृष्टि और संबोधन कर रहा है। उदाहरण के लिए मत्स्य पालन या ट्राऊट पालन में युवाओं के भीतर का विज्ञान कोशिश करे, तो ज्ञान से आजीविका का हुनर परिपक्व होगा। इसी तरह ग्रामीण आर्थिकी में नए प्रयासों से माहौल सराबोर होता है, तो डेयरी के माध्यम से स्वरोजगार के द्वार पूरी तरह खुल जाएंगे। यह दीगर है कि स्वरोजगार के ढांचे में सरकार की ओर से अधिक से अधिक कैपिटल इन्वेस्टमेंट चाहिए। प्रदेश अगर टूरिज्म स्टेट की तरह आगे बढ़ रहा है, तो युवाओं को आगे बढऩे के लिए निरंतर प्रयास की जरूरत रहेगी। इस दिशा में ग्रामीण पर्यटन की दिशा में नए संकल्प, नए विकल्प खोजने होंगे। हालांकि पर्यटन की नई मंजिलें खोजी जा रही हैं, लेकिन पूरे उद्योग के मानकों में सुधार की गुंजाइश है। हर विधानसभा में सभी विभागों के सहयोग से एक-एक पर्यटक गांव नक्शे पर लाया जा सकता है। फोरलेन के निर्माण के साथ-साथ हाई-वे टूरिज्म विलेज तथा हाई-वे फूड मार्ट की प्लानिंग भी हो जाए, तो सडक़ मार्गों से आ रहे पर्यटक के रुकने के बहाने बढ़ जाएंगे।

# बांग्लादेश में शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग की वापसी हमारी लाशों पर होगी : हसनत अब्दुल्ला

ढाका, 21 मार्च (एजेंसियां)।

बांग्लादेश में शेख हसीना को सत्ता से हटाने वाले विद्रोह के प्रमुख नेताओं में से एक और नवगठित नेशनल सिटीजन पार्टी (एनसीपी) के मुख्य आयोजक (दक्षिण) हसनत अब्दुल्ला ने चेतावनी दी है कि अवामी लीग की सत्ता में वापसी हमारी लाशों पर होगी। उन्होंने आरोप लगाया कि मुल्क का सैन्य नेतृत्व शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग की वापसी चाहता है। इस पर

**अवामी लीग पर प्रतिबंध लगाने की मांग करते हुए ढाका विश्वविद्यालय के छात्रों ने मार्च निकाला**

विरोध जताते हुए ढाका विश्वविद्यालय के छात्रों के एक समूह ने शुक्रवार सुबह परिसर में अवामी लीग पर प्रतिबंध लगाने की मांग करते हुए मार्च निकाला।

ढाका ट्रिब्यून की खबर के अनुसार हसनत अब्दुल्ला ने इस संबंध में गुरुवार देर रात फेसबुक पर एक धमाकेदार पोस्ट की, जो तेजी से वायरल हो गई। अब्दुल्ला ने आरोप लगाया कि भारत के मार्गदर्शन में अपदस्थ अवामी लीग को फिर से स्थापित करने की साजिश रची जा रही है। इस पोस्ट में हसनत ने 11 मार्च को दोपहर 2:30 बजे कैंटोनमेंट में हुई एक अहम बैठक का ब्योरा दिया। उन्होंने कहा कि इस बैठक में वह और एनसीपी के दो अन्य नेता शामिल थे। उनके सामने सैन्य नेतृत्व ने अवामी लीग को मुख्यधारा की राजनीति में वापस लाने के लिए उनके सामने एक प्रस्ताव रखा।

हसनत ने कहा कि सैन्य नेतृत्व ने कहा कि अगले चुनाव में सीटों के बंटवारे पर बातचीत के बदले में उन्हें यह प्रस्ताव स्वीकार कर लेना चाहिए। सैन्य नेतृत्व ने कहा कि यह प्रस्ताव कई राजनीतिक दलों के सामने रखा चुका है। यह दल कुछ शर्तों के साथ अवामी लीग के पुनर्वास के लिए सहमत हो गए है। सैन्य नेतृत्व ने उनसे कहा कि कुछ दिनों में आप देखेंगे कि मीडिया में कई राजनेता अवामी लीग के पक्ष में बोल रहे होंगे।

हसनत अब्दुल्ला ने आरोप लगाया कि भारत चाहता है कि पूर्व सांसद सबर हुसैन चौधरी, पूर्व स्पीकर शिरीन शर्मिन चौधरी और ढाका दक्षिण के पूर्व मेयर फजले नूर तपोश को अवामी लीग के नए चेहरे के तौर पर स्थापित किया जाए।

## न्यूज ब्रीफ

### शिन बेट प्रमुख रोनेन बार की विदाई तय नेतन्याहू का प्रस्ताव मंजूर

**तेल अवीव।** इजराइल की आंतरिक सुरक्षा सेवा शिन बेट के प्रमुख रोनेन बार की बार की विदाई तय हो गई।

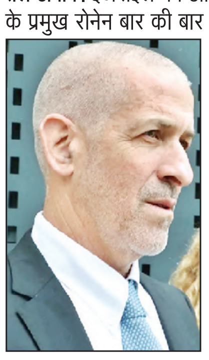

प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की सरकार ने बार को बर्खास्त करने के लिए मतदान किया है। स्थानीय समयानुसार शुक्रवार सुबह हुए मतदान पर इजराइल के सर्वोच्च न्यायालय में अपील की जा सकती है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने शुक्रवार को बयान में कहा, सरकार ने अब सर्वसम्मति से प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के शिन बेट प्रमुख रोनेन बार के कार्यकाल को समाप्त करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। रोनन बार 10 अप्रैल, 2025 या शिन बेट के स्थायी प्रमुख की नियुक्ति होने के बाद अपनी भूमिका से हट जाएंगे। उल्लेखनीय है कि नेतन्याहू ने पिछले सप्ताह रोनेन बार से मुलाकात कर उन्हें सूचित किया था कि वे उन्हें हटाने का प्रस्ताव देंगे। पिछले रविवार को जारी एक वीडियो बयान में नेतन्याहू ने कहा था कि बार के प्रति लंबे अविश्वास के कारण यह कदम उठाना पड़ रहा है। गाजा में जीत के लिए रोनेन बार को हटाना जरूरी है।

### पाकिस्तान में मुठभेड़,10 आतंकवादी ढेर, सैन्य अफसर की मौत

**इस्लामाबाद।** पाकिस्तान के सुरक्षा बलों ने खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के डेरा इस्माइल खान जिले में हुई मुठभेड़ में कम से कम 10 आतंकवादियों को मार गिराया। इस मुठभेड़ में सुरक्षा बलों का नेतृत्व कर रहे कैप्टन हसनैन अख्तर की जान चली गई। सेना की मीडिया विंग ने कहा कि सुरक्षा बलों ने खुफिया सूचना के आधार पर 20 मार्च को आतंकवादियों को घेरा। इस दौरान दोनों ओर से हुई गोलीबारी में 10 आतंकवादियों को मार गिराया गया। पाकिस्तान के अखबार द न्यूज इंटरनेशनल की खबर के अनुसार, इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने कहा कि भीषण गोलीबारी में सुरक्षा बलों का नेतृत्व कर रहे कैप्टन हसनैन अख्तर की जान चली गई। 24 वर्षीय सैन्य अधिकारी अख्तर झेलम जिले के निवासी थे। मुठभेड़ स्थल से हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया है। सुरक्षा बलों ने इलाका घेर रखा है और बाकी आतंकवादियों की तलाश की जा रही है। आईएसपीआर ने बयान में कहा है कि 2021 में अफगानिस्तान में तालिबान की सत्ता में वापसी के बाद पाकिस्तान आतंकवादी हमलों से जूझ रहा है।

### अफगानिस्तान में भूकंप का जोरदार झटका दहशत में लोग घरों से बाहर निकले

**काबुल।** भारत के पड़ोसी देश अफगानिस्तान में एक बार फिर धरती कांपी है। गुरुवार और शुक्रवार की रात करीब 1 बजे अफगानिस्तान में 4.9 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के मुताबिक, इस भूकंप की गहराई 160 किमी थी। हालाँकि, अब तक किसी बड़े नुकसान की खबर नहीं है, लेकिन झटके महसूस होते ही लोग डरकर घरों से बाहर निकल आए। देर रात आए भूकंप के कारण अफगानिस्तान के कई हिस्सों में लोगों में दहशत फैल गई। हालांकि, किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है, लेकिन विशेषज्ञों के अनुसार, कम गहराई वाले भूकंप अधिक खतरनाक हो सकते हैं। इन भूकंपों में अधिक ऊर्जा सतह के नज़दीक निकलती है, जिससे जमीन तेज़ी से हिलती है और इमारतों को ज्यादा नुकसान होने की आशंका रहती है। भूकंप प्रभावित क्षेत्र क्यों है अफगानिस्तान अफगानिस्तान बार-बार भूकंप से प्रभावित होता रहता है क्योंकि यह हिंदूकुश पर्वत श्रृंखला के पास यूरेशियन और भारतीय टेक्टोनिक प्लेटों के टकराव क्षेत्र में स्थित है। यह इलाका सबडक्शन जोन और सक्रिय फॉल्ट लाइनों, जैसे चमन फॉल्ट, के कारण बेहद संवेदनशील है। अफगानिस्तान का भौगोलिक क्षेत्र पहाड़ी होने के कारण भूकंप के साथ-साथ भूस्खलन और बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाओं का खतरा भी बढ़ जाता है। इससे पहले 13 मार्च को भी 4.0 तीव्रता का भूकंप आया था। लगातार आ रहे भूकंप इस क्षेत्र की भूगर्भीय अस्थिरता को दर्शाते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि अफगानिस्तान जैसे भूकंप-प्रवण इलाकों में भूकंपरोधी निर्माण और आपदा प्रबंधन को मजबूत करने की जरूरत है। सरकार और राहत एजेंसियों को लोगों को जागरूक करने और बचाव अभियानों के लिए तैयार रहने की आवश्यकता है।

# अमेरिकी अदालत का ट्रंप प्रशासन को आदेश भारतीय छात्र को फिलहाल निर्वासित न किया जाए

वाशिंगटन, 21 मार्च (एजेंसियां)।

**अमेरिका में वर्जीनिया के अलेक्जेंड्रिया में जिला न्यायाधीश पैट्रिशिया गिल्स ने गुरुवार को ट्रंप प्रशासन को संक्षिप्त आदेश दिया कि भारतीय छात्र बदर खान सूरी को तब तक अमेरिका से नहीं निकाला जाएगा जब तक कि अदालत इसके विपरीत आदेश जारी न कर दे। जज गिल्स ने यह आदेश सूरी की याचिका के निपटारे और उनकी पत्नी के हलफनामे के मद्देनजर दिया है।**

डिजिटल अखबार पॉलिटिको की खबर में यह जानकारी दी गई। खबर में कहा गया है कि न्यायाधीश गिल्स की नियुक्ति पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन ने की थी। संघीय न्यायाधीश गिल्स ने आदेश में कहा कि ट्रंप प्रशासन भारतीय मूल के जॉर्जटाउन यूनिवर्सिटी के शोधकर्ता सूरी को निर्वासित करने के अपने प्रयासों को अभी आगे न बढ़ाए। उल्लेखनीय है कि सूरी को सोमवार रात वर्जीनिया के अर्लिंग्टन के रॉसलिन में उनके घर के बाहर से आव्रजन अधिकारियों ने गिरफ्तार किया था। सूरी पर अमेरिका की इजराइली विदेश नीति का विरोध करने का आरोप लगा है। उनके वकील हसन अहमद ने मुवक्किल की तत्काल रिहाई के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाया है। याचिका में कहा गया है कि अधिकारियों ने खुद को होमलैंड सिक्योरिटी विभाग से संबद्ध बताया। साथ ही उन्होंने सूरी को बताया कि सरकार ने उनका वीजा रद्द कर दिया है।

वकील अहमद ने याचिका में तर्क दिया कि सूरी को उनकी पत्नी की फिलिस्तीनी विरासत के कारण दंडित किया जा रहा है। सूरी की पत्नी मफेज सालेह अमेरिकी नागरिक हैं। सरकार को संदेह है कि वह और उनकी पत्नी इजराइल के प्रति अमेरिकी विदेश नीति का विरोध करते हैं। साथ ही कुछ वेबसाइटों पर मफेज सालेह के हमास के साथ संबंध होने का आरोप लगाया गया है। वह अल जजीरा के लिए काम कर चुकी हैं।

पॉलिटिको ने अपनी खबर में भारतीय अखबार हिंदुस्तान टाइम्स में इस जोड़े के बारे में 2018 में प्रकाशित एक लेख का जिक्र किया है। इस लेख के अनुसार, मफेज सालेह के पिता अहमद यूसुफ हमास के शीर्ष नेतृत्व के वरिष्ठ राजनीतिक सलाहकार रह चुके हैं। उधर, होमलैंड सुरक्षा विभाग की प्रवक्ता ट्रिसिया मैकलॉघलिन ने पुष्टि की कि विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने शनिवार को एक आदेश जारी किया कि विदेश नीति कारणों से सूरी का वीजा रद्द कर दिया जाना चाहिए।

प्रवक्ता ने एक्स पर लिखा, सूरी जॉर्जटाउन विश्वविद्यालय में एक विदेशी विनिमय छात्र था जो सक्रिय रूप से हमास का प्रचार कर रहा था और सोशल मीडिया पर यहूदी विरोधी भावना को बढ़ावा दे रहा था। सूरी के एक ज्ञात या संदिग्ध आतंकवादी से घनिष्ठ संबंध हैं, जो हमास का वरिष्ठ सलाहकार है। जॉर्जटाउन यूनिवर्सिटी की वेबसाइट पर उपलब्ध विवरण के अनुसार, सूरी अलवलीद बिन तलाल सेंटर फॉर मुस्लिम-क्रिस्चियन अंडरस्टैंडिंग में पोस्टडॉक्टरल फेलो हैं। यह विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ फॉरेन सर्विस का हिस्सा है। वह दक्षिण एशिया में बहुसंख्यकवाद और अल्पसंख्यक अधिकार पर पढ़ा रहे हैं। सूरी ने भारत के एक विश्वविद्यालय से शांति और संघर्ष विषय पर पीएचडी की है।

इस बारे में एक अन्य भारतीय न्यूज चैनल की खबर में साफ किया गया कि उन्होंने दिल्ली के जामिया मिल्लिया इस्लामिया के नेल्सन मंडेला सेंटर फॉर पीस एंड कॉन्फ्लिक्ट रिजोल्यूशन से पीस एंड कान्फ्लिक्ट स्टडीज में 2020 में पीएचडी पूरी की। यूनिवर्सिटी के प्रवक्ता के अनुसार, डॉ. खान सूरी भारतीय नागरिक हैं। उन्हें इराक और अफगानिस्तान में शांति स्थापना पर अपने डॉक्टरेट शोध को जारी रखने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका में प्रवेश करने के लिए विधिवत वीजा दिया गया। हमें उनके किसी अवैध गतिविधि में शामिल होने की जानकारी नहीं है और हमें उनकी हिरासत का कोई कारण नहीं बताया गया है।

पॉलिटिको के अनुसार, न्यायाधीश पैट्रिशिया गिल्स ने यह आदेश सूरी की पत्नी मफेज सालेह के हलफनामा दाखिल करने के बाद दिया। मफेज ने इसमें कहा कि उनके पिता गाजा सरकार में उच्चस्तरीय भूमिका में है। बावजूद इसके उनका और उनसे पति का हमास से कोई संबंध नहीं है। उल्लेखनीय है कि सालेह अमेरिकी नागरिक हैं।

# रूस के परमाणु एयरबेस पर यूक्रेन ने किया बड़ा हमला

मास्को, 21 मार्च (एजेंसियां)।

रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध में एक बड़ा मोड़ आ गया है। यूक्रेनी सेना ने रूस के एंगेल्स एयरबेस पर हमला कर उसे बुरी तरह तबाह कर दिया। यह वही एयरबेस है, जहां से रूस के परमाणु हमले के लिए तैयार किए गए बमवर्षक विमान संचालित होते थे। इस हमले को यूक्रेन का अब तक का सबसे घातक हमला बताया जा रहा है।

रूसी मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सोवियत युग के एंगेल्स एयरबेस पर हुए इस हमले के बाद धमाकों की गूंज दूर-दूर तक सुनाई दी। बताया जा रहा है कि हमला इतना जबरदस्त था कि वहां मौजूद टुपोलेव टीयू-160 परमाणु बमवर्षक विमान भी इसकी चपेट में आ गए। इन विमानों को व्हाइट स्वान के नाम से भी जाना जाता है। हमले का एक वीडियो भी वायरल हुआ है, जिसमें देखा जा सकता है कि धमाकों के बाद आसमान में आग के ऊंचे गुबार उठे और चारों ओर तबाही का मंजर नजर आया। इस हमले में 10 से अधिक लोगों के घायल होने की खबर है, जबकि रूस ने अभी तक हताहतों की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। यूक्रेन ने कर दी हमले की पुष्टि यूक्रेन के रक्षा मंत्रालय ने इस हमले की पुष्टि की और कहा, कि उसकी फोर्स ने रूस के

**हमले की चपेट में आए परमाणु बमवर्षक विमान**

कई रणनीतिक ठिकानों को निशाना बनाया है। मंत्रालय ने कहा, हमारी एयरस्ट्राइक में रूस के सामरिक बमवर्षक विमानों को भारी नुकसान पहुंचा है। रुस ने ड्राने मारे दूसरी ओर, रूस के रक्षा मंत्रालय ने दावा किया कि उसकी वायुसेना ने इस हमले का जवाब देते हुए 132 यूक्रेनी ड्रोन मार गिराए हैं। रूस ने यह भी कहा कि वह इस हमले का बदला लेने के लिए सख्त कदम उठाएगा।

### युद्धविराम के प्रस्ताव के बाद हमला

यह हमला ऐसे समय में हुआ जबकि हाल ही में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने 30 दिन के बिना शर्त युद्धविराम के प्रस्ताव को ठुकरा दिया था। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने यूरोपीय यूनियन के नेताओं से वीडियो कॉल पर बातचीत करते हुए कहा कि हमें तुरंत 4.18 बिलियन पाउंड के तोपों के गोले चाहिए। इसी के साथ जेलेंस्की ने यूरोपीय नेताओं से आग्रह किया है कि रूस पर दबाव कम न किया जाए और प्रतिबंधों को जारी रखा जाए।

### एंटी एयरक्राफ्ट मिसाइल का परीक्षण

उत्तर कोरिया ने एक अज्ञात स्थल से एक एंटी एयरक्राफ्ट मिसाइल का परीक्षण किया।

# अब अमेरिका में शिक्षा विभाग होगा खत्म, राष्ट्रपति ट्रंप ने दिया आदेश

वाशिंगटन, 21 मार्च (एजेंसियां)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने शुक्रवार एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए, जिसके तहत शिक्षा विभाग को खत्म कर दिया जाएगा। यह कदम उन्होंने अपने चुनाव अभियान के दौरान किए वादा निभाने के तहत उठाया है। इस आदेश में सेक्रेटरी को शिक्षा विभाग को बंद करने की प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए सभी जरुरी कदम उठाने का निर्देश दिया है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ट्रंप का यह आदेश स्कूली शिक्षा से जुड़ी नीतियों को पूरी तरह से राज्य और स्थानीय बोर्डों के अधीन करने के लिए बनाया है। इस कदम को लेकर उदारवादी शिक्षा समर्थकों में चिंता है। ट्रंप ने कहा कि यह आदेश इस विभाग को समाप्त करने की दिशा में पहला कदम है। उन्होंने कहा कि हम शिक्षा प्रणाली को बहुत सरल रूप से वापस राज्यों को सौंप रहे हैं, जहां यह होनी चाहिए।

माना जा रहा है कि ट्रंप पूरी तरह से शिक्षा विभाग को समाप्त नहीं कर सकते जब तक कि कांग्रेस जिसने 1979 में इसे बनाया था, कोई कानून पास न करे, लेकिन डेमोक्रेट्स का मानना है कि वह बिना किसी विधायी कार्रवाई के इस विभाग को काफी हद तक कमजोर कर सकते हैं। सीनेटर ने कहा कि ट्रंप जानते हैं कि वह कांग्रेस की मंजूरी के बिना शिक्षा विभाग को खत्म नहीं कर सकते, लेकिन उन्हें यह भी पता है कि आप उसी तरह का नतीजा हासिल कर सकते हैं अगर आप पूरे स्टाफ को निकाल दें और विभाग को टुकड़ों में बांट दें। ट्रंप इससे पहले भी शिक्षा विभाग की आलोचना कर चुके हैं, उसे फिजूलखर्ची वाला और उदारवादी विचारधारा से प्रदूषित बताया है।

# लंदन में बिजली सब स्टेशन में आग लगने से हीथ्रो एयरपोर्ट को बंद किया गया

लंदन, 21 मार्च (एजेंसियां)।

**लंदन के हीथ्रो एयरपोर्ट को बिजली आपूर्ति करने वाले सब स्टेशन में गुरुवार देररात आग लग जाने से कई उड़ानों के रद्द कर दिया गया। इसके अलावा कुछ उड़ानों के मार्ग में परिवर्तन किया गया है। आग लगने की वजह से हीथ्रो एयरपोर्ट को बंद कर दिया गया है।**

स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यह आग इंग्लैंड के हेस में हीथ्रो हवाई अड्डे को बिजली आपूर्ति करने वाले एक विद्युत सब स्टेशन में लगी है। इसका फोटो लंदन फायर ब्रिगेड ने अपने एक्स हैंडल पर साझा किया है। हीथ्रो एयरपोर्ट शुक्रवार को पूरे दिन बंद रहेगा, क्योंकि पास के एक बिजली सब स्टेशन में आग लग गई है। इस जगह से एयरपोर्ट को बिजली की आपूर्ति होती है।

हीथ्रो एयरपोर्ट ने सुबह बयान में कहा कि यात्रियों और सहकर्मियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए हीथ्रो को 21 मार्च को 23:59 बजे तक के लिए बंद कर दिया गया है।

हीथ्रो एयरपोर्ट के प्रवक्ता ने यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वह एयरपोर्ट पर न आएं। अधिक जानकारी के लिए अपनी एयरलाइन से संपर्क करें। प्रवक्ता ने एयरपोर्ट बंद होने से यात्रियों को हुई असुविधा के लिए खेद जताया है। उन्होंने कहा कि लंदन फायर ब्रिगेड के जवान आग बुझाने में युद्धस्तर पर लगे हुए हैं। मगर अभी यह स्पष्ट नहीं है कि स्थिति कब तक सामान्य हो पाएगी।

हीथ्रो ब्रिटेन का सबसे बड़ा एयरपोर्ट है। यह हर दिन लगभग 1,300 लैंडिंग और टेक-ऑफ को संभालता है। पिछले साल इसके टर्मिनलों से रिकॉर्ड 83.9 मिलियन यात्री गुजरे। पश्चिमी लंदन के हेस में सब स्टेशन में आग लगने से हजारों घरों में बिजली गुल है। लगभग 150 लोगों को आसपास के घरों से निकाला गया है। लंदन फायर ब्रिगेड ने कहा कि आग पर नियंत्रण पाने के लिए 10 दमकल गाड़ियां और लगभग 70 अग्निशमन कर्मी भेजे गए हैं। एहतियात के तौर पर 200 मीटर की घेराबंदी की गई है। स्थानीय निवासी धुआं फैलने की वजह से दरवाजे और खिड़कियां बंद रखें।

ऊर्जा आपूर्तिकर्ता स्कॉटिश और सदर्न इलेक्ट्रिसिटी नेटवर्क्स ने एक्स पर कहा कि आग के कारण बड़े पैमाने पर 16,300 से अधिक घरों की बिजली गुल हो गई है। आग लगने का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है। लंदन फायर ब्रिगेड के सहायक आयुक्त पैट गॉलबोर्न ने कहा कि अग्निशमन कर्मी जल्द से जल्द आग पर काबू पाने के लिए चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी अथक परिश्रम कर रहे हैं। हीथ्रो एयरपोर्ट से आने-जाने वाली उड़ानों को डायवर्ट किया जा रहा है या रद्द किया जा रहा है। फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट फ्लाइटरडार 24 ने कहा कि वर्तमान में हवा में 120 उड़ानें वैकल्पिक एयरपोर्ट पर डायवर्ट की जाएंगी या अपने मूल स्थान पर वापस लौट जाएंगी। एयरपोर्ट बंद होने के बाद से पहला निर्धारित आगमन जोहान्सिबर्ग से ब्रिटिश एयरवेज की उड़ान है। इसे स्थानीय समयानुसार सुबह 4:30 बजे उतरना था और हीथ्रो वेबसाइट पर अभी भी इसे अपेक्षित के रूप में सूचीबद्ध किया गया है। यूनाइटेड की वेबसाइट के अनुसार, न्यूयॉर्क से यूनाइटेड एयरलाइंस की एक उड़ान को आयरलैंड की ओर डायवर्ट किया गया है।

हीथ्रो के अनुसार, ज्यूरिख, पेरिस और मैड्रिड की उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। इस एयरपोर्ट में छह टर्मिनल हैं। इनमें से पांच आम जनता के लिए खुले रहते हैं। एक विशेष रूप से राजघरानों और राष्ट्राध्यक्षों के लिए आरक्षित रहता है। हीथ्रो एयरपोर्ट ने कहा कि आग इतनी भयावह है कि आने वाले दिनों में महत्वपूर्ण व्यवधान की आशंका है। इस बारे में स्पष्टता नहीं है कि बिजली कब तक बहाल हो पाएगी।

# महिला एनएसडब्ल्यू ओपन : दीक्षा डागर शानदार 4 अंडर 67 का स्कोर करके संयुक्त चौथे स्थान पर

**वोलोंगोंग, 21 मार्च (एजेंसियां) ।**

पिछले हफ्ते कट मिस करने के बावजूद दो बार की लेडीज यूरोपियन टूर (एलइटी) विजेता दीक्षा डागर ने महिला एनएसडब्ल्यू ओपन के पहले दौर में शानदार वापसी की। उन्होंने 4-अंडर 67 का स्कोर किया और संयुक्त चौथे स्थान पर रहीं। यह टूर्नामेंट 72-होल स्ट्रोक प्ले प्रारूप में खेला जा रहा है और इसमें 132 खिलाड़ी हिस्सा ले रही हैं। वोलोंगोंग गोल्फ क्लब में नौवें होल (जो बैक नाइन का पहला होल है) से शुरुआत करने वाली दीक्षा का पहला शॉट अच्छा नहीं रहा। हालांकि, इसके बाद उन्होंने जबरदस्त खेल दिखाते हुए अगले 10 होल में सात बर्डी लगाईं। इसके बाद उनकी लय टूटी और तीसरे, पांचवें और छठे होल में तीन बोगी करने के बाद स्कोर में गिरावट आई। हालांकि, सातवें होल पर बर्डी करने के बाद उन्होंने 67 का स्कोर किया और संयुक्त चौथे स्थान पर बनी रहीं।स्पेन की नूरिया इतुर्रिओज और घरेलू खिलाड़ी कर्स्टन रुजले ने 65 (-6) के स्कोर के साथ पहले दौर की समाप्ति पर संयुक्त बढ़त बना ली।

**अन्य भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन** - प्रणवी उर्स ने ईवन पार 71 का स्कोर किया और संयुक्त 37वें स्थान पर रहीं। पिछले हफ्ते टॉप-15 में जगह बनाने वाली रूकी अवनी प्रशांत ने 1-ओवर 72 का स्कोर किया और संयुक्त 54वें स्थान पर हैं। प्रणवी ने दो बर्डी और दो बोगी की, जबकि अवनी ने दो बर्डी और तीन बोगी के साथ राउंड पूरा किया।

**अन्य शीर्ष खिलाड़ी** - चार बार की एलइटी विजेता नूरिया इतुर्रिओज ने सुबह सात बर्डी करते हुए बढ़त बनाई, हालांकि तीसरे होल पर एक शुरुआती बोगी भी की। दूसरी ओर, कर्स्टन रुजले ने हवा को अपने पक्ष में किया और पार-5 पहले होल पर बर्डी से शुरुआत की। इसके बाद चौथे, पांचवें और आठवें होल पर बर्डी की, हालांकि छठे होल पर उन्होंने एक शॉट गंवाया। दोपहर में हवाओं का सामना करते हुए रुजले ने 11वें, 13वें और 14वें होल पर बर्डी की और 65 (-6) का स्कोर बनाकर इतुर्रिओज की बराबरी की। स्वीडन की अन्ना मैग्नुसन ने बेहतरीन पुटिंग की बदौलत आठ बर्डी की और पहले दिन तीसरे स्थान पर रहीं।

## न्यूज ब्रीफ

### किर्स्टी कोवेन्ट्री बनीं आईओसी की पहली महिला और अफ्रीकी अध्यक्ष

**नई दिल्ली।** ज़िम्बाब्वे की किर्स्टी कोवेन्ट्री को अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) की नई अध्यक्ष चुना गया है। वह 131 साल के इतिहास में इस पद पर पहुंचने वाली पहली महिला और पहली अफ्रीकी बनी हैं। साथ ही, वह इस पद को संभालने वाली सबसे युवा उम्मीदवार भी हैं। 41 वर्षीय कोवेन्ट्री, जो पहले ज़िम्बाब्वे की खेल मंत्री रह चुकी हैं, 23 जून को आधिकारिक रूप से पदभार ग्रहण करेंगी। वह थॉमस बाख का स्थान लेंगी, जिन्होंने अपने अधिकतम 12 साल के कार्यकाल को पूरा किया है। कोवेन्ट्री पहले भी आईओसी में एक अहम भूमिका निभा चुकी हैं। उन्होंने 2018 से 2021 तक बाख के नेतृत्व वाली कार्यकारी बोर्ड में एथलीट प्रतिनिधि के रूप में सेवा दी थी। उनकी नियुक्ति ओलंपिक आंदोलन के लिए एक बड़ा बदलाव है। उन्हें आगामी आठ वर्षों के लिए यह ज़िम्मेदारी दी गई है। उनके सामने कई महत्वपूर्ण चुनौतियां हैं, जैसे खेल और वैश्विक राजनीति के बीच संतुलन बनाना, 2028 लॉस एंजेलेस ओलंपिक की तैयारी को सुचारू रखना और 2036 ओलंपिक के मेजबान शहर का चयन करना। भारत और मध्य पूर्व इस मेजबानी की दौड़ में प्रमुख दावेदार माने जा रहे हैं।

### घुटने की चोट के कारण गिरोना के स्पेनिश विंगर ब्रायन गिल का सीजन खत्म

**मैड्रिड।** स्पेन के अंतरराष्ट्रीय विंगर ब्रायन गिल इस सीजन में अब और नहीं खेल पाएंगे। गिरोना क्लब ने गुरुवार को पुष्टि की कि उन्होंने अपने दाएं घुटने के बाहरी लिगामेंट की सर्जरी कराई है। यह चोट उन्हें पिछले सप्ताहांत वेलेंसिया के खिलाफ घरेलू मुकाबले में 1-1 से ड्रॉ के दौरान लगी थी। गिल को पूरी तरह ठीक होने में लगभग चार से पांच महीने का समय लगेगा, तब तक उनका गिरोना के साथ लोन करार समाप्त हो जाएगा। 24 वर्षीय गिल इस सीजन में गिरोना के लिए अहम खिलाड़ी रहे हैं। उन्होंने ला लिगा, कोपा डेल रे और चैंपियंस लीग में कुल 32 मुकाबलों में हिस्सा लिया (28 बार शुरुआती एकादश में), जिसमें उन्होंने चार गोल किए और तीन असिस्ट दिए। गिल 2021 में सेविया से टोटेनहम क्लब में शामिल हुए थे और उनका अनुबंध जून 2026 तक है। हालांकि, वह इंग्लैंड में खुद को स्थापित नहीं कर पाए और अब तक नॉर्थ लंदन क्लब के लिए सिर्फ 43 मैच खेले हैं। टोटेनहम ने उन्हें पहले वेलेंसिया, फिर सेविया और अब गिरोना को लोन पर भेजा था।

### 10 खिलाड़ी वाली चीन की टीम विश्व कप क्वालीफायर में सऊदी अरब से हारी

**रियाद।** फीफा 2026 विश्व कप क्वालीफाइंग मुकाबले में चीन को गुरुवार को सऊदी अरब के खिलाफ 1-0 की

संकीर्ण हार का सामना करना पड़ा, जिससे वह एशियाई जोन के ग्रुप सी में तालिका के निचले पायदान पर बनी हुई है। मुकाबले का निर्णायक क्षण दूसरे हाफ के पांचवें मिनट में आया, जब सऊदी अरब के मिडफील्डर सलेम अल दौसारी ने पास से गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। यह गोल तब हुआ जब चीनी गोलकीपर वांग दालेई ने पहले एक तेज़ शॉट को रोकने की कोशिश की, लेकिन रीबाउंड पर अल दौसारी ने मौका भुनाया। चीन की मुश्किलें पहले हाफ के अंत में तब बढ़ गईं, जब लिन लिआंगमिंग को सऊदी डिफेंडर हसन कदीश के चेहरे पर खतरनाक किक मारने के कारण रेड कार्ड दिखाया गया। इस घटना के बाद खेल को लंबी देर तक रोका गया, क्योंकि कदीश को इलाज के लिए मैदान से स्ट्रेचर पर बाहर ले जाना पड़ा। भले ही सऊदी अरब ने मुकाबले में ज्यादा समय तक गेंद अपने पास रखी, लेकिन वह अपने मौकों को भुना नहीं सकी।

# हॉकी की उभरती हुई प्रतिभाशाली खिलाड़ी दीपिका अंतरराष्ट्रीय स्तर पर छाप छोड़ने को तैयार

**नई दिल्ली,21 मार्च (एजेंसियां) ।**

हाल ही में हॉकी इंडिया असुंता लकड़ा अवॉर्ड फॉर अपकमिंग प्लेयर ऑफ द ईयर (महिला-अंडर 21) से सम्मानित भारतीय महिला हॉकी की उभरती हुई प्रतिभाशाली खिलाड़ी दीपिका अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी छाप छोड़ने के लिए तैयार हैं।

हॉकी इंडिया के मुताबिक हरियाणा के हिसार से ताल्लुक रखने वाली 21 वर्षीय दीपिका को इस पुरस्कार के तहत 10 लाख रुपये की नकद राशि भी प्रदान की गई। गोल करने की बेहतरीन क्षमता रखने वाली इस युवा फॉरवर्ड खिलाड़ी ने इस उपलब्धि पर अपनी खुशी जाहिर की। दीपिका ने कहा, हॉकी इंडिया असुंता लकड़ा अवॉर्ड फॉर अपकमिंग प्लेयर ऑफ द ईयर (महिला-अंडर 21) जीतना मेरे करियर का एक बड़ा मील का पत्थर है। इस तरह की मान्यता युवा खिलाड़ियों के लिए बहुत प्रेरणादायक होती है और यह हमें मैदान पर कड़ी मेहनत करने के लिए प्रोत्साहित करती है। यह पुरस्कार सिर्फ मेरा नहीं है, बल्कि मेरी यात्रा में शामिल हर व्यक्ति का है, जिन्होंने मुझे यहां तक पहुंचने में मदद की, और मैं इस समर्थन प्रणाली के लिए तहे दिल से आभारी हूं।

यह पुरस्कार दीपिका के लिए और भी खास इसलिए था, क्योंकि उसी साल उनके आदर्श, भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सविता पुनिया को हॉकी इंडिया बलबीर सिंह सीनियर अवॉर्ड फॉर प्लेयर ऑफ द ईयर (महिला) से सम्मानित किया गया। अपने आदर्श सविता पुनिया के प्रति अपनी प्रशंसा व्यक्त करते हुए दीपिका ने कहा, बहुत कम उम्र में, जब मुझे यह भी नहीं पता था कि खेल एक पेशा हो सकता है, मैं हिसार ट्रेनिंग सेंटर में भारतीय महिला टीम के अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट से लौटने पर उनका स्वागत करने जाती थी। खिलाड़ियों के लिए तालियां बजाना और सविता जैसी सितारों को फूलों की माला पहनाना मेरे जीवन के सबसे अनमोल क्षण थे।

दीपिका ने यह भी बताया कि सविता से मिलने के बाद वह अपनी हॉकी स्टिक को खुद से दूर नहीं रखती थीं और अक्सर उसे अपने साथ लेकर सोती थीं, भारतीय जर्सी पहनने का सपना देखती थीं। अब जब उनका यह सपना पूरा हो चुका है, तो उनका अगला लक्ष्य विश्व कप में पोडियम फिनिश और भारतीय महिला हॉकी टीम के लिए पहला ओलंपिक पदक जीतना है।

आने वाले समय को लेकर दीपिका ने कहा, इस साल हमारे लिए कई महत्वपूर्ण टूर्नामेंट हैं, खासकर महिला एशिया कप जो विश्व कप योग्यता के लिए भी अहम होगा। पूरी टीम इस टूर्नामेंट के लिए तैयारी कर रही है, और हरेंद्र सर यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि हम अपनी सभी कमजोरियों को दूर करें।

दीपिका का प्रदर्शन 2022 एशियाई खेलों (हांगझोउ) में कांस्य पदक और 2022 एशिया कप में कांस्य पदक जीतने में अहम रहा। इसके अलावा बिहार महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2024 में भारत की स्वर्ण पदक विजेता टीम की भी वह प्रमुख सदस्य रहीं। दीपिका ने फाइनल में चीन के खिलाफ एकमात्र गोल दागा और पूरे टूर्नामेंट की शीर्ष स्कोरर रहीं, जिन्होंने 11 गोल किए। 2024 में उन्होंने कुल 26 मैचों में 17 गोल किए, जिससे वह महिला हॉकी की तीसरी सबसे ज्यादा गोल करने वाली खिलाड़ी बनीं। उनसे आगे केवल नीदरलैंड की यिब्बी जानसेन (29 गोल) और बेल्जियम की अंब्रे बालेंघिएन (19 गोल) थीं।

### अभिषेक ने हॉकी इंडिया फॉरवर्ड ऑफ द ईयर चुने जाने पर कहा- लगातार दूसरी बार सम्मान पाना गर्व की बात

**नई दिल्ली।** अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित अभिषेक ने एक बार फिर खुद को भारत के शीर्ष हॉकी खिलाड़ियों में साबित किया है। उन्होंने 7वें वार्षिक हॉकी इंडिया अवॉर्ड्स में लगातार दूसरी बार प्रतिष्ठित हॉकी इंडिया धनराज पिल्लै अवॉर्ड फॉर फॉरवर्ड ऑफ द ईयर जीता। 25 वर्षीय यह प्रतिभाशाली फॉरवर्ड अपनी तेजतर्रार गोल-स्कोरिंग क्षमताओं के लिए जाने जाते हैं और 2024 में भारत की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाकर टीम के अहम सदस्य बने रहे। इस अवॉर्ड के साथ हॉकी इंडिया ने अभिषेक को 5 लाख रुपये की नकद राशि से भी सम्मानित किया। अभिषेक ने 2024 पेरिस ओलंपिक में भारत को कांस्य पदक दिलाने में अहम योगदान दिया था, जहां उन्होंने दो महत्वपूर्ण गोल किए। इसके अलावा, उन्होंने 2024 पुरुष एशियन चैंपियंस ट्रॉफी (चीन) में भी भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई। इस टूर्नामेंट के फाइनल में उन्होंने दो गोल दागे और भारत को पांचवीं बार खिताब दिलाने में मदद की। अवॉर्ड मिलने पर अपनी खुशी जाहिर करते हुए अभिषेक ने कहा, यह अवॉर्ड सिर्फ मेरा नहीं है, बल्कि पूरी टीम और सपोर्ट स्टाफ का है। हॉकी एक टीम गेम है, और हर खिलाड़ी की मेहनत इस तरह की उपलब्धियों में योगदान देती है। लगातार दूसरी बार यह सम्मान प्राप्त करना मेरे लिए गर्व की बात है और मैं अपने साथियों व कोचों का शुक्रगुजार हूं जिन्होंने मुझ पर भरोसा किया। उन्होंने कहा, हम पूरे साल कठिन ट्रेनिंग करते हैं और जब हमारी मेहनत को इस तरह की पहचान मिलती है, तो यह बहुत खास होता है। मेरा फोकस हमेशा भारत के लिए अधिक से अधिक गोल करने और टीम को जीत दिलाने पर रहेगा।

# आरसीबी के खिलाफ मुकाबले से पहले वरुण चक्रवर्ती बोले-इस सीजन हमारे पास अच्छे अवसर

**कोलकाता,21 मार्च (एजेंसियां) ।**

**डिफेंडिंग चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) प्रतिष्ठित ईडन गार्डन्स में धमाकेदार वापसी के लिए तैयार है, जहां वे रोमांचक ओपनिंग मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) का सामना करेंगे। पिछले सीजन में शानदार प्रदर्शन करते हुए केकेआर ने निर्विवाद रूप से चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया था। अब टीम अपने विजयी अभियान को इस सीजन में भी जारी रखना चाहेगी। इस अहम मुकाबले से पहले केकेआर के स्टार स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने टीम की तैयारियों और अपनी रणनीतियों पर प्रकाश डाला।**

वरुण चक्रवर्ती ने फ्रैंचाइजी की ओर से जारी एक बयान में कहा कि आरसीबी के खिलाफ उनका प्रदर्शन हमेशा अच्छा रहा है, लेकिन इसके पीछे कोई विशेष कारण नहीं है। उन्होंने कहा, ऐसा कुछ विशेष नहीं है, बल्कि उन मैचों की परिस्थितियों और हालात ने मेरी मदद की। उन सभी मैचों में हालात हमारे पक्ष में थे, जिससे मुझे सर्वश्रेष्ठ परिणाम निकालने का मौका मिला। केकेआर की खिताबी रक्षा को लेकर उन्होंने कहा, टीम शानदार दिख रही है। सबसे अहम बात यह होगी कि हम सही संयोजन के साथ मैदान में उतरें और लगातार अच्छा प्रदर्शन करें। अगर हम शुरुआती तीन मैचों में एक मजबूत कोर ग्रुप बना लेते हैं, तो इस सीजन में हमारे पास बहुत अच्छे अवसर हैं।

अपने हालिया प्रदर्शन और आईपीएल में अपनी तैयारी पर बात करते हुए उन्होंने कहा, मुख्य चीज है निरंतरता पर काम करना, जो कि सबसे कठिन चीजों में से एक है। मैं लगातार मेहनत कर रहा हूं, ताकि इसे और बेहतर बना सकूं। इसके अलावा, मैं कुछ नई गेंदों पर भी काम कर रहा हूं और उम्मीद करता हूं कि आगामी मैचों में वे कारगर साबित होंगी। केकेआर की टीम आरसीबी के खिलाफ अपनी जीत की लय को बरकरार रखना चाहेगी, क्योंकि उन्होंने पिछले चार मुकाबलों में लगातार जीत दर्ज की है। हेड-टू-हेड रिकॉर्ड की बात करें तो केकेआर 20-14 से आगे है, जिससे वे अपने खिताब की रक्षा की शुरुआत जीत के साथ करना चाहेंगे। ईडन गार्डन्स में एक जबरदस्त मुकाबला होने की पूरी संभावना है।

### हसन नवाज ने जड़ा पाकिस्तान के लिए सबसे तेज टी20 शतक

पाकिस्तान के युवा बल्लेबाज हसन नवाज ने न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में सबसे तेज़ टी20 शतक लगाकर नया इतिहास रच दिया। हसन नवाज की इस धमाकेदार पारी ने पाकिस्तान क्रिकेट में नया जोश भर दिया है और वह आने वाले मैचों में भी अपनी बेहतरीन फॉर्म जारी रखने के लिए तैयार हैं। ईडन पार्क, ऑकलैंड में खेले गए इस मुकाबले में पाकिस्तान को 205 रनों का लक्ष्य मिला था। ओपनर हसन नवाज ने सिर्फ 44 गेंदों में अपना पहला टी20 शतक पूरा किया, जिसमें 10 चौके और 7 छक्के शामिल थे। उनकी इस धमाकेदार पारी की बदौलत पाकिस्तान ने नौ विकेट से शानदार जीत दर्ज की और पांच मैचों की सीरीज में पहली जीत हासिल की।

# जर्मनी ने नेशंस लीग क्वार्टरफाइनल में इटली को दी मात

**रोम,21 मार्च (एजेंसियां) ।**

**जर्मनी ने यूईएफए नेशंस लीग क्वार्टरफाइनल के पहले चरण में इटली को 2-1 से हराकर शानदार वापसी की। दोनों टीमें कई अहम खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी से जूझ रही थीं। इटली को सीरी ए के शीर्ष स्कोरर माटेओ रेतेगुई, फेडेरिको दिमार्को और एंड्रिया कंबियासो की सेवाएं नहीं मिल पाईं, जबकि जर्मनी को मार्क-आंद्रे टेर स्टेगेन, काई हैवर्ट्ज और फ्लोरियन वीर्ट्ज के बिना खेलना पड़ा।**

मैच के नौवें मिनट में इटली ने बढ़त बना ली जब निकोलो बरेला के शानदार पास पर माटेओ पोलिटानो ने गेंद को खींचा और सैंड्रो टोनाली ने उसे गोल में बदल दिया।

हालांकि, जर्मनी ने अधिक समय तक बॉल पजेशन रखा, लेकिन इटली ने गोल के कई मौके बनाए। 30वें मिनट में टोनाली के जबरदस्त शॉट को गोलकीपर ओलिवर बॉमन ने बचाया। कुछ देर बाद मोइसे कीन ने ऑफसाइड ट्रैप तोड़ा, लेकिन बॉमन ने फिर से उनका शॉट रोक लिया।

दूसरे हाफ की शुरुआत में ही जर्मनी ने बराबरी कर ली जब जोशुआ किमिच ने एक बेहतरीन क्रॉस देकर सब्स्टीट्यूट खिलाड़ी टिम क्लाइंडिएंस्ट को हेडर के जरिए गोल करने का मौका दिया।

इसके बाद इटली को लगातार दो मौके मिले, लेकिन टोनाली की बैकहील पास पर कीन गेंद को गोल के ऊपर मार बैठे, जबकि रास्पाडोरी के शॉट को बॉमन ने अपने पैर से रोक लिया।

76वें मिनट में जर्मनी ने मैच पलट दिया जब किमिच के कॉर्नर पर लियोन गोरेट्ज़का ने एक और हेडर से गोल दाग दिया।

इटली ने हार टालने के लिए भरपूर कोशिश की, लेकिन बॉमन की शानदार गोलकीपिंग ने जर्मनी को जीत दिलाई।

# खेलो इंडिया पैरा गेम्स : व्हीलचेयर क्रिकेट, आर्म रेसलिंग के बाद ज्ञान प्रकाश शर्मा को बैडमिंटन से हुआ प्यार

**नई दिल्ली,21 मार्च (एजेंसियां) ।**

देश की राजधानी में शुरू हुए खेलो इंडिया पैरा गेम्स में हिस्सा लेने आये ज्ञान प्रकाश शर्मा ने जन्म से ही दोनों पैर लकवाग्रस्त होने के बावजूद बैडमिंटन को दिल से अपनाया। प्रतिभाशाली खिलाड़ी के रूप में उन्होंने उत्तर प्रदेश के लिए व्हीलचेयर क्रिकेट खेलना शुरू किया था और किसी के प्रेरित करने पर आर्म रेसलिंग में भी हाथ आजमाया, जिसमें उन्होंने राष्ट्रीय ओपन चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता। बिहार के पटना निवासी ज्ञान ने बैडमिंटन में अपनी पहचान बनाने की इच्छा व्यक्त जताई है।

व्हीलचेयर श्रेणी में खेलने वाले ज्ञान प्रकाश शर्मा ने इस साल डॉक्टर शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय (लखनऊ) से एचआर में एमबीए की डिग्री प्राप्त की है। वह इसी विश्वविद्यालय के परिसर में बैडमिंटन का अभ्यास भी करते हैं। वे बिहार से खेलो इंडिया पैरा गेम्स के दूसरे संस्करण में भाग लेने वाले एकमात्र व्हीलचेयर बैडमिंटन खिलाड़ी हैं। जब उनसे इस खेल से जुड़े सफर के बारे में पूछा गया तो ज्ञान ने बताया, लखनऊ में 2023 में पैरा नेशनल बैडमिंटन चैंपियनशिप हुई थी। उस समय मैं एक कंपनी में काम कर रहा था, जो टूर्नामेंट स्थल पर हॉस्पिटैलिटी प्रबंधन कर रही थी। मैं खिलाड़ियों, मैच अधिकारियों और रेफरी से मिलता था। यह सब देखकर मैं इस खेल से बहुत प्रभावित हुआ और इसे खेलना शुरू किया। किसान परिवार से ताल्लुक रखने वाले ज्ञान ने 2024 में अपनी श्रेणी में बिहार चैंपियन का खिताब जीता और फिर झारखंड के जमशेदपुर में आयोजित

सीनियर नेशनल पैरा चैंपियनशिप में भाग लिया। यह मेरा पहला टूर्नामेंट था। मेरी श्रेणी में 64 खिलाड़ियों के बीच मैंने प्री-क्वार्टर फाइनल तक का सफर तय किया। इसी के आधार पर मेरा चयन खेलो इंडिया पैरा गेम्स के दूसरे संस्करण के लिए हुआ। यही कारण है कि मैं आज यहाँ आया हूँ यह देखने के लिए कि विकलांग खिलाड़ियों की कितनी देखभाल की जाती है। उत्तर प्रदेश के एक मित्र से उधार लिए व्हीलचेयर के सहारे दिल्ली आए ज्ञान प्रकाश शर्मा अच्छे आर्म रेसलर भी हैं और उत्तर प्रदेश व्हीलचेयर क्रिकेट टीम के नियमित सदस्य भी हैं। उन्होंने पिछले साल इंदौर में आयोजित ऑल इंडिया ओपन आर्म रेसलिंग चैंपियनशिप में 57 किलोग्राम भार वर्ग में कांस्य पदक जीता था।मीडिया से बातचीत में ज्ञान ने कहा, मेरा आर्म रेसलिंग करियर बस एक संयोग था। मेरे मध्य प्रदेश के एक मित्र, रिंकू, ने एक बार मजाक में मुझसे आर्म रेसलिंग करने के लिए कहा। मैंने कोशिश की और वह मुझे हरा नहीं सका। इसके बाद, उसने मुझे इस खेल में भाग लेने की सलाह दी और बताया कि इंदौर में ओपन चैंपियनशिप हो रही है। मैं बिना तैयारी के वहाँ गया और कांस्य पदक जीत लिया! ज्ञान ने बताया कि उन्होंने अपने परिवार की जिम्मेदारियों को पूरा करने के लिए एमबीए किया है और नौकरी पाना उनकी पहली प्राथमिकता है, लेकिन बैडमिंटन से उन्हें बेहद लगाव हो गया है और वे इस खेल में अपनी पहचान बनाना चाहते हैं। खेलो इंडिया पैरा गेम्स के बारे में बात करते हुए ज्ञान ने कहा कि भारत सरकार ने देश की राजधानी में बेहतरीन व्यवस्था की है।

मानकः पथप्रदर्शकः
Bureau of Indian Standards

# भारतीय मानक ब्यूरो ने मानकीकरण के लिए वार्षिक कार्यक्रम 2025-26 शुरू किया

**नई दिल्ली, 21 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।** देश के सर्वोच्च मानक निकाय भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए मानकीकरण का वार्षिक कार्यक्रम (एपीएस) शुरू किया है। यह पहल विभिन्न क्षेत्रों में गुणवत्ता मानकों को बढ़ाने के लिए नए मानक तैयार करने और मौजूदा मानकों को संशोधित करने पर ध्यान केंद्रित करेगी। उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि एपीएस की शुरुआत 5 से 11 मार्च, 2025 तक आयोजित व्यापक हितधारक परामर्श के बाद हुई है, जिसमें 40 मंत्रालयों और 84 उद्योग संघों के प्रतिनिधि शामिल थे। बीआईएस ने एक डिजिटल प्लेटफॉर्म भी पेश किया है, जो हितधारकों को मानकों का प्रस्ताव करने और उनकी प्रगति पर नज़र रखने की अनुमति देता है। इसका उद्देश्य 23,000 से अधिक बीआईएस मानकों को अधिक से अधिक अपनाने में मदद करना है। मंत्रालय के मुताबिक इस अवसर पर बीआईएस के महानिदेशक प्रमोद कुमार तिवारी ने अपने संबोधन में सहयोग के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने हितधारकों से मानकीकरण प्रक्रिया में सक्रिय रूप से योगदान देने और जहां जरूरी हो वहां विशेषज्ञों को नामित करने का भी आग्रह किया। उन्होंने कहा, यह पहल मानकीकरण के लिए एक रणनीतिक, आवश्यकता-आधारित दृष्टिकोण सुनिश्चित करेगी, महत्वपूर्ण क्षेत्रों को प्राथमिकता देते हुए व्यापक रूप से अपनाने को बढ़ावा देगी। बीआईएस मानकीकरण प्रकोष्ठों के माध्यम से मंत्रालयों और उद्योग संघों के साथ मिलकर काम करता है, जिसका उद्देश्य कमियों की पहचान करना और राष्ट्रीय मानकों के निर्माण में भाग लेना है। वर्ष 2025-26 के लिए एपीएस तैयार करने के लिए परामर्श बैठकों से पहले, बीआईएस ने 24 अगस्त से 25 जनवरी तक फोकस समूह बैठकों की एक शृंखला के साथ-साथ भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं और मिशनों के विरुद्ध भारतीय मानकों का व्यापक समन्वय अभ्यास किया।

## न्यूज ब्रीफ

### देश में 2028 तक होंगे 77 करोड़ 5जी उपभोक्ता

**नई दिल्ली।** देश में साल 2028 तक 5जी उपभोक्ताओं की संख्या बढ़कर करीब 77 करोड़ पहुंच जाएगी। अभी इनकी संख्या 29 करोड़ है। नोकिया की सालाना मोबाइल ब्रॉडबैंड इंडेक्स रिपोर्ट के मुताबिक, 2024 में पूरे भारत में 5जी डाटा के इस्तेमाल में सालाना आधार पर तीन गुना की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई।दिसंबर, 2024 में प्रति ग्राहक औसत मासिक 5जी डाटा खपत बढ़कर 40 जीबी पहुंच गई।रिपोर्ट में कहा गया है कि 4जी और 5जी डाटा की खपत मिलकर पांच साल में 19.5 फीसदी की सालाना वृद्धि दर से बढ़कर 2024 में 27.5 जीबी पहुंच गई। 5जी फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस (एफडब्ल्यूए) के निरंतर बढ़ने से डाटा खपत में वृद्धि हो रही है। एफडब्ल्यूए ग्राहक अब औसत यूजर्स की तुलना में 12 गुना अधिक डाटा का उपभोग कर रहे हैं। यह बदलाव आवासीय और व्यावसायिक दोनों ही क्षेत्रों में नई सेवाओं के कारण हो रहा है।

### इंडसइंड बैंक में लेखांकन विसंगतियों का पता लगाने पेशेवर कंपनी नियुक्त

**नई दिल्ली।** इंडसइंड बैंक ने अपनी लेखांकन विसंगतियों का पता लगाने के लिए एक पेशेवर कंपनी को नियुक्त किया है। अनुमान के अनुसार लेखांकन में 2,100 करोड़ रुपये की विसंगति से बैंक की निवल संपत्ति पर 2.35 प्रतिशत का असर पड़ सकता है। बैंक ने शेयर बाजार को बताया कि निदेशक मंडल ने अपनी बैठक में विसंगतियों के मूल कारण की पहचान करने, प्रचलित लेखांकन मानकों के संबंध में व्युत्पन्न अनुबंधों के लेखांकन उपचार की शुद्धता व प्रभाव का आकलन करने के लिए एक व्यापक जांच करने हेतु स्वतंत्र पेशेवर कंपनी को नियुक्त करने का निर्णय लिया। इसके अलावा यह कंपनी किसी भी चूक की पहचान करेगी और लेखांकन में विसंगतियों के संबंध में जवाबदेही सुनिश्चित करेगी। निजी क्षेत्र के इस ऋणदाता ने 10 मार्च को अपने वायदा-विकल्प खंड में कुछ विसंगतियों के बारे में जानकारी दी थी।

### व्यवसाय के लिए उपयोग होने वाले ड्रोन पर लग सकती है 5 फीसदी जीएसटी, इस समय ड्रोन पर जीएसटी दर उनके वर्गीकरण के हिसाब से अलग-अलग है

**नई दिल्ली।** जीएसटी काउंसिल अपनी अगली बैइक में कारोबार के लिए उपयोग होने वाले सभी तरह के ड्रोन पर समान रूप से 5 प्रतिशत जीएसटी लगाने का फैसला कर सकती है। सूत्रों के अनुसार यह फैसला ड्रोन के अलग-अलग वर्गीकरण को लेकर हो रहे भ्रम को दूर करने और उद्योग को स्पष्टता देने के लिए उठाया जा रहा है। बाजार के जानकारों के मुताबिक यह फैसला भारत के तेजी से बढ़ते ड्रोन उद्योग के लिए बड़ी राहत बन सकता है। फिलहाल देश में लगभग 488 ड्रोन कंपनियां काम कर रही हैं, जिन्होंने अब तक करीब 518 मिलियन डॉलर का निवेश हासिल किया है। इस समय ड्रोन पर जीएसटी दर उनके वर्गीकरण के हिसाब से अलग-अलग है। कारोबार के लिए उपयोग होने वाले ड्रोन अगर एचएसएन कोड 8806 के तहत 'एयरक्राफ्ट' के रूप में आते हैं तो उन पर 5 फीसदी जीएसटी लगता है। वहीं अगर ड्रोन में कैमरा जुड़ा हो और उसे एचएसएन 8525 के तहत 'डिजिटल कैमरा' माना जाए, तो उस पर 18 फीसदी जीएसटी लगती है। इसके अलावा, व्यक्तिगत इस्तेमाल के लिए खरीदे गए ड्रोन पर एचएसएन 8806 के तहत 28 फीसदी तक जीएसटी लगती है। सरकार ने हाल के समय में ड्रोन को बढ़ावा देने के लिए कई जरूरी कदम उठाए हैं। कृषि, लॉजिस्टिक्स, पब्लिक सेफ्टी और कंस्ट्रक्शन जैसे क्षेत्रों में ड्रोन के इस्तेमाल को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

# फ्लिपकार्ट देश के टियर-2 और टियर-3 शहरों में ई-कॉमर्स का तेजी से कर रहा है विस्तार

**नई दिल्ली, 21 मार्च (एजेंसियां)।** ऑनलाइन शॉपिंग के लिए प्रमुख भारतीय ई-कॉमर्स कंपनी फ्लिपकार्ट अपने प्लेटफ़ॉर्म का विस्तार टियर-1 के साथ ही टियर-2 और टियर-3 शहरों में तेजी के साथ कर रही है, ताकि इस ऐप के जरिए ग्राहक घर बैठकर आराम से अपने मनपसंद भाषा में खरीदारी कर सकेंगे। डिस्ट्रीब्यूशन सेंटर के साथ अपनी सप्लाई चेन (आपूर्ति श्रृंखला) का विस्तार फ्लिपकार्ट ने किया है, जिससे देशभर में तेजी से और अधिक कुशलता से डिलीवरी संभव हुई है।इसके अलावा कंपनी ने विक्रेताओं को और अधिक सहयोग प्रदान करने के लिए फ्लिपकार्ट ने कई सुविधाएं शुरू की हैं।

फ्लिपकार्ट प्राइवेट लिमिटेड के विस्तार और खरीदारी की जरूरतों को पूरा करने वाले भरोसेमंद ऐप के बारे में ई-कॉमर्स कंपनी फ्लिपकार्ट के बिजनेस हेड साकेत चौधरी ने बातचीत की। ऐसे में आइए जानते हैं कि उन्होंने फ्लिपकार्ट की भविष्य की योजना को लेकर क्या-क्या बताया?

टियर-2 और टियर-3 शहरों में ई-कॉमर्स का विस्तार और इस दिशा में फ्लिपकार्ट की अनूठी पहल क्या है-

देश के टियर-2 और टियर-3 शहरों में ई-कॉमर्स कंपनियों का तेजी से हो रहा विस्तार इन क्षेत्रों में बढ़ते डिजिटल एडॉप्शन (स्वीकार्यता) और उपभोक्ताओं की बदलती प्राथमिकता को दर्शाता है। फ्लिपकार्ट ने भी इस बदलाव को संभव बनाने में अग्रणी भूमिका निभाई है। इसके लिए हमने अपने लॉजिस्टिक्स, तकनीक और विक्रेता पारिस्थितिकी तंत्र (सेलर्स इकोसिस्टम) मजबूत किया है, ताकि सभी तक आसान पहुंच सुनिश्चित किया जा सके। इन प्रमुख क्षेत्रों में फुलफिलमेंट सेंटर, सॉर्टेशन हब और

डिस्ट्रीब्यूशन सेंटर के साथ अपनी सप्लाई चेन (आपूर्ति श्रृंखला) का विस्तार फ्लिपकार्ट ने किया है, जिससे देशभर में तेजी से और अधिक कुशलता से डिलीवरी संभव हुई है। भारत को ध्यान में रखकर तैयार मैपिंग, जियोकोडिंग और एजीवी जैसे समाधान से दूरदराज में सटीक डिलीवरी सुनिश्चित होती है।

अपने ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर कितने ग्राहकों को मौका देता है फ्लिपकार्ट

फ्लिपकार्ट 14 लाख विक्रेताओं को ज्यादा से ज्यादा ग्राहकों तक पहुंचने का मौका देता है, जिससे मार्केटिंग या डिस्ट्रीब्यूशन के लिए बड़ा निवेश किए बिना ही उन्हें अपना कारोबार बढ़ाने में मदद मिलती है। इन विक्रेताओं में से कई टियर-2 और टियर-3 शहरों से हैं। डिजिटल पेमेंट के बढ़ने, पारंपरिक व्यवसायों के डिजिटल होने और कंपनी के सतत नवाचार के दम पर भारत का ई-कॉमर्स परिदृश्य आगे और भी तेजी से विकास करने के लिए तैयार है। इसके साथ ही एक घरेलू मार्केटप्लेस के रूप में फ्लिपकार्ट समावेशी आर्थिक विकास को गति देने और पूरे भारत में ई-कॉमर्स की पहुंच बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

### एआई और डेटा एनालिसिस से ई-कॉमर्स पर कैसे प्रभाव पड़ रहा है

सप्लाई चेन में एफिशिएंसी (दक्षता) और पर्सनलाइजेशन (वैयक्तिकरण) को बढ़ावा देते हुए एआई और डेटा एनालिटिक्स ई-कॉमर्स परिदृश्य में बदलाव ला रहे हैं। मांग को लेकर पूर्वानुमान एवं इंटेलीजेंट तरीके से इन्वेंटरी मैनेजमेंट से लेकर रियल टाइम रूट ऑप्टिमाइजेशन एवं फ्रॉड डिटेक्शन (धोखाधड़ी की पहचान) करने तक एआई की मदद से हम बड़े पैमाने पर बेहतर तरीके से निर्णय ले सकते हैं।

फ्लिपकार्ट ई-कॉमर्स ऑपरेशंस को बढ़ाने, लॉजिस्टिक्स को ऑप्टिमाइज करने और ग्राहकों एवं विक्रेताओं के अनुभवों को बेहतर बनाने के लिए एआई एवं मशीन लर्निंग का लाभ उठा रहा है। एआई-संचालित जियोकोडिंग और एड्रेस इंटेलिजेंस की मदद से पते में किसी भी तरह की खामी को ठीक किया जाता है, जिससे तेज और अधिक सटीक डिलीवरी संभव होती है।

दूसरी ओर, फुलफिलमेंट सेंटर पर ऑटोमेटेड गाइडेड व्हीकल्स (एजीवी) की मदद से सॉर्टिंग बेहतर होती है, जिससे ज्यादा मांग वाले समय में तेज और सटीक निर्णय सुनिश्चित हो पाता है।

एआई-संचालित कैटलॉगिंग, ऑनबोर्डिंग और लिस्टिंग समाधान विक्रेताओं के लिए संचालन को आसान बनाते हैं, ई-कॉमर्स की दुनिया में कदम रखने की बाधाओं को कम करते हैं और डिजिटल सिस्टम की स्वीकार्यता को गति देते हैं। इसके अतिरिक्त, एआई-संचालित इनसाइट्स उत्पादों की गुणवत्ता को पहचानने और इन्वेंट्री मैनेजमेंट को ऑप्टिमाइज करने, रिटर्न को कम करने और उपलब्धता में सुधार में मदद करते हैं।

फ्लिपकार्ट किन क्षेत्रों में एआई का लाभ उठा रहा और यह कितना प्रभावी रहा हैग्राहकों की नजर से देखें, तो उत्पादों की तस्वीर एवं विवरण तैयार करके जनरेटिव एआई कैटलॉगिंग में क्रांति ला रहा है। इससे पारंपरिक तरीके से फोटोशूट कराने की आवश्यकता समाप्त हो गई है। एआई ग्राहकों के लिए खरीदारी के उनके सफर को पर्सनलाइज बनाता है। उन्हें उनकी जरूरत के हिसाब से प्रोडक्ट रिकमेंड किए जाते हैं। साथ ही, बहुभाषी इंटरफेस (12 क्षेत्रीय भाषाएं) और वर्चुअल ट्राई-ऑन व स्किन एनालाइजर जैसे इंटरैक्टिव टूल भी प्रदान किए जाते हैं, जिससे फैशन और ब्यूटी शॉपिंग का अनुभव बेहतर होता है। इसके अलावा, एआई-संचालित मैपिंग तकनीक से ट्रकों को रियल टाइम में ट्रैक किया जाता है, जिससे बिना किसी बाधा के सप्लाई चेन मैनेजमेंट संभव होता है। एआई में इस प्रगति से दक्षता में सुधार आया है, लागत कम हुई है और ज्यादा स्मार्ट एवं समावेशी डिजिटल शॉपिंग इकोसिस्टम बना है। इससे भारत के ई-कॉमर्स परिदृश्य में फ्लिपकार्ट के नेतृत्व को मजबूती मिली है।

यूके-इंडिया एग्री-टेक एक्सेलेरेटर प्रोग्राम के लिए

# यूके की पांच एग्री-टेक कंपनियों का चयन किया गया

नई दिल्ली, 21 मार्च (एजेंसियां)। जनवरी में यूके-इंडिया एग्री-टेक एक्सेलेरेटर प्रोग्राम के लॉन्च के बाद, पांच यूके एग्री-टेक कंपनियों को भारत की बाहरी यात्रा में भाग लेने के लिए चुना गया है, जिसका उद्देश्य अत्याधुनिक कृषि प्रौद्योगिकियों के लिए अंतिम चरण के अनुसंधान एवं विकास, निवेश और बाजार पहुंच में सहयोग को बढ़ावा देना है। नवीन कृषि प्रौद्योगिकियों में यूके-भारत ज्ञान विनिमय पहल, यूके-इंडिया एग्री-टेक एक्सेलेरेटर प्रोग्राम के हिस्से के रूप में, पांच यूके एग्री-टेक व्यवसाय 17 मार्च से 21 मार्च तक दिल्ली, हैदराबाद और बेंगलुरु में भारत का दौरा किया। इस यात्रा के माध्यम से, प्रतिभागियों को भारत के कृषि पारिस्थितिकी तंत्र की गहन समझ प्राप्त होगी, जो यूके और भारत दोनों के किसानों और कृषि-तकनीक व्यवसायों को लाभान्वित करने वाली साझेदारी के लिए आधार तैयार करेगी। इन कृषि-तकनीक व्यवसायों का चयन उनके द्वारा पेश की जाने वाली जलवायु प्रतिरोधी फसलों के लिए सटीक प्रौद्योगिकियों के आधार पर एक प्रतिस्पर्धी चयन प्रक्रिया के माध्यम से किया गया है। इन कंपनियों द्वारा पेश की जाने वाली तकनीकें विविधतापूर्ण हैं, जिनमें कीटों के हमले, पौधों के स्वास्थ्य, परागण गतिविधि की निगरानी के लिए एआई और एमएल प्लेटफॉर्म का उपयोग, पर्यावरण के अनुकूल जैव उत्तेजक और एरोपोनिक्स का उपयोग शामिल है।

इस कार्यक्रम का नेतृत्व यूके एग्री-टेक सेंटर ने यूके सरकार के सहयोग से किया है।यूके एग्री-टेक सेंटर में वरिष्ठ अंतर्राष्ट्रीय व्यापार विकास प्रबंधक डॉ. जेना रॉस ओबीई ने कहा: यह पहल यूके और भारत में कृषि-तकनीक विशेषज्ञों, नवोन्मेषकों और अंतिम उपयोगकर्ताओं का एक नेटवर्क स्थापित करेगी, जिससे ज्ञान के आदान-प्रदान और वाणिज्यिक साझेदारी के नए अवसर पैदा होंगे और दोनों देशों के क्षेत्रों में विकास और स्थिरता को बढ़ावा मिलेगा। पर्यावरण और ग्रामीण मामलों के विभाग में घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय कृषि तकनीक नीति के प्रमुख रसेल बैटन ने कहा: विकास प्रदान करना यूके सरकार का प्राथमिक मिशन है।

## प्रथम पृष्ठ का शेष...

### एआई कौशल...

केंद्रीय मंत्री ने स्वदेशी ब्राउजर के विकास पर काम करने के लिए टीम जोहो को एक करोड़ रुपए का पहला पुरस्कार, टीम पिंग को 75 लाख रुपए का दूसरा पुरस्कार और टीम अजना को 50 लाख रुपए का तीसरा पुरस्कार दिया। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने आत्मनिर्भर भारत पहल के तहत स्वदेशी वेब ब्राउजर विकसित करने के इस चैलेंज की शुरुआत की थी।भारत में सेमीकंडक्टर नवाचार तेजी से विकसित हो रहा है। आईआईटी दिल्ली, आईआईटी बॉम्बे, आईआईटी गुवाहाटी, आईआईटी (बीएचयू) वाराणसी, एनआईटी राउरकेला और सविता इंजीनियरिंग कॉलेज सहित शीर्ष इंजीनियरिंग संस्थान एनालॉग और डिजिटल हैकथॉन के माध्यम से चिप डिजाइन नवाचार में अग्रणी बनकर उभरे हैं। चिप्स टू स्टार्ट-अप (सी2एस) पहल के तहत आयोजित एनालॉग डिजाइन हैकथॉन में आईआईटी दिल्ली की टीम को पहला और एनआईटी राउरकेला की टीम को दूसरा पुरस्कार मिला।केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, सेमीकंडक्टर डिजाइन को एक रणनीतिक रूप से अनिवार्यता मानते हुए इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) देश के चिप डिजाइन पारिस्थितिकी तंत्र को विकसित करने की दिशा में हरसंभव कदम उठा रहा है। एमईआईटीवाई की अगुवाई में चिप्स टू स्टार्ट-अप (सी2एस) कार्यक्रम भारत के सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के उद्देश्य से की गई एक बड़ी पहल है। इसका लक्ष्य चिप डिजाइन में विशेषज्ञता प्राप्त बीटेक, एमटेक और पीएचडी स्तर पर 85,000 इंजीनियरों को तैयार करना है।देश के सेमीकंडक्टर कार्यक्रम का विस्तार करते हुए मंत्रालय ने डिजिटल इंडिया आरआईएससी-वी प्रो-सेसर लॉन्च करने की भी घोषणा की है। इसके लिए 10 अप्रैल, 2025 से आवेदन आमंत्रित किए जाएंगे। यह पहल सी-डैक के वेगा प्रोसेसर और आईआईटी मद्रास के शक्ति माइक्रोप्रोसेसरों से संचालित होगी। 100 घंटे तक चले एनालॉग और डिजिटल हैकथॉन में 40 विशिष्ट टीमों, 200 नवप्रवर्तकों ने भाग लिया। कोडिंग और डिजाइन की चुनौतियों से प्रतिभागियों का सामना हुआ। एनालॉग डिजाइन हैकाथॉन में आईआईटी दिल्ली की टीम इंट्यूशन ने पहला पुरस्कार जीता, जबकि एनआईटी राउरकेला की टीम एनालॉग एज ने दूसरा पुरस्कार जीता। आईआईटी गुवाहाटी की टीम एफईटीमैनियाक्स को तीसरा पुरस्कार दिया गया। डिजिटल डिजाइन हैकथॉन के लिए, आईआईटी बॉम्बे की टीम आरआईएससीबी ने पहला पुरस्कार जीता, जबकि सविता इंजीनियरिंग कॉलेज की टीम सिलिकॉन स्क्रिप्टर्स दूसरे स्थान पर रही। तीसरा पुरस्कार आईआईटी (बीएचयू) वाराणसी की टीम डायडेलस को मिला।

### नरेंद्र मोदी...

हमारी सरकार न तो आतंक को बर्दाश्त कर सकती है और न ही आतंकियों को। आतंकियों के लिए देश में कोई जगह नहीं है। अमित शाह ने कहा, जब 2014 में नरेंद्र मोदी सरकार सत्ता में आई, तो हमें 2014 से पहले की कई विरासती समस्याएं मिलीं। इस देश की सुरक्षा और विकास को हमेशा तीन मुख्य मुद्दों के कारण चुनौती दी गई। इन तीन मुद्दों ने देश की शांति में बाधा उत्पन्न की, देश की सुरक्षा पर सवाल उठाए और लगभग चार दशकों तक देश के विकास की गति को बाधित किया। उन्होंने देश की पूरी व्यवस्था को भी कई बार हास्यास्पद बना दिया। ये तीन मुद्दे थे जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद, तिरुपति से पशुपतिनाथ तक का सपना दिखाने वाला वामपंथी उग्रवाद और पूर्वोत्तर का उग्रवाद। यदि आप इन तीनों मुद्दों को एक साथ जोड़ दें, तो इस देश के लगभग 92,000 नागरिक चार दशकों में मारे गए। इन तीनों मुद्दों के उन्मूलन के लिए कभी भी सुनियोजित प्रयास नहीं किया गया। प्रधानमंत्री मोदी ने सत्ता में आने के बाद ये प्रयास किए।राज्यसभा में गृह मंत्रालय के कामकाज पर चर्चा का जवाब देते हुए अमित शाह ने कहा, एक तरह से गृह मंत्रालय बहुत कठिन परिस्थितियों में काम करता है। संविधान ने कानून और व्यवस्था की जिम्मेदारी राज्यों को दी है। सीमा सुरक्षा और आंतरिक सुरक्षा गृह मंत्रालय के अंतर्गत आती है। यह एक सही निर्णय है। इसमें कोई बदलाव करने की आवश्यकता नहीं है, लेकिन जब कानून और व्यवस्था की जिम्मेदारी राज्यों की है तो 76 साल बाद अब ऐसी स्थिति है कि कई तरह के अपराध राज्य की सीमा तक सीमित नहीं रह गए हैं, वे अंतरराज्यीय भी हैं और बहुराज्यीय भी हैं। मसलन नारकोटिक्स, साइबर अपराध, संगठित अपराध गिरोह, हवाला। ये सभी अपराध सिर्फ एक राज्य के भीतर नहीं होते हैं। उन्होंने कहा कि देश में कई अपराध देश के बाहर से भी होते हैं। इसलिए इन सबको ध्यान में रखते हुए गृह मंत्रालय में बदलाव करना जरूरी हो जाता है। मैं यह गर्व के साथ कहता हूं कि 10 साल में पीएम नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए गृह मंत्रालय में लंबे समय से लंबित बदलाव एक ही बार में कर दिए।

### आखिरी सांसें...

ड्रग्स के धंधेबाजों का बड़ा क्लोज-कनेक्शन था। एनडीपीएस के 1247 कैदी जम्मू कश्मीर की जेल में बंद हैं। 972 कैदी हत्या और 534 कैदी दुष्कर्म के अपराध में जेल में हैं। बीते एक वर्ष में जेलों में बंद कैदियों की संख्या दूसरे मामलों में कम हुई है, सिर्फ यूएपीए के तहत कैदियों की संख्या बढ़ी है।

देश के खिलाफ गैर कानूनी गतिविधियों को लेकर यूएपीए में मामला दर्ज होने पर आरोपी आसानी से छूटते नहीं हैं। इनके ऊपर ऐसी कार्रवाई जरूरी भी है। पिछले कुछ समय से पुलिस की तरफ से ऐसा करने वालों के खिलाफ कार्रवाई तेज की गई है। खासतौर पर आतंकी समर्थकों पर सख्त कार्रवाई हो रही है। स्थानीय लोग भी अब यह कहते मिलेंगे कि पुलिस को यह कार्रवाई आगे भी जारी रखनी चाहिए।बता दें कि बीते वर्ष नेशनल क्राइम ब्यूरो रिकॉर्ड (एनसीआरबी) ने वर्ष 2020 से 2022 तक की रिपोर्ट साझा की। इस रिपोर्ट के तहत (यूएपीए) में देशभर में दर्ज होने वाले कुल मामलों में 33 फीसदी अकेले जम्मू कश्मीर के थे। वर्ष 2020 में जम्मू कश्मीर में 287, 2021 में 289 और 2022 में 371 मामले इस अपराध के तहत दर्ज हुए। इस आंकड़े के साथ जम्मू कश्मीर देश में यूएपीए के तहत मामले दर्ज करने में पहले नंबर पर था।

### भाजपा के 18 विधायक...

राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि पंडित जवाहरलाल नेहरू के देश के प्रधानमंत्री बनने की महत्वाकांक्षा के चलते इस देश के दो टुकड़े हुए। अब उसी राह पर चलते हुए राहुल गांधी ने ये चार प्रतिशत आरक्षण दिया है और ये कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि यह भविष्य में 100 प्रतिशत भी हो सकता है। यह जेहाद की राजनीति है। पहले वक्फ बोर्ड को जमीन देकर गांव के गांव हड़पे गए। उसी तरह आर्थिक जेहाद हुआ, जब वक्फ बोर्ड के विकास के लिए बहुत बड़ा पैकेज दिया गया है। अब कॉन्ट्रैक्ट जेहाद हो रहा है, जिसमें मुसलमानों को चार प्रतिशत ठेके दिए जाएंगे।संबित पात्रा ने कहा कि कर्नाटक सरकार का ये बजट मुस्लिम बजट है। जिसमें इमामों को छह हजार का भत्ता, मुस्लिमों को 50 हजार रुपए की सहायता, वक्फ संपत्तियों और कब्रिस्तानों के विकास के लिए 150 करोड़ रुपए, उर्दू स्कूलों के लिए 100 करोड़ रुपए, मुस्लिम बहुल इलाकों में आईटीआई कॉलेज के लिए पैसा, बेंगलुरु में हज भवन का विस्तार, मुस्लिम कॉलोनियों के विकास के लिए हजार करोड़ रुपए बजट में आवंटित किए गए हैं। भाजपा सांसद ने राहुल गांधी को आलमगीर राहुलजेब कहकर कटाक्ष किया और राहुल गांधी पर धर्म की राजनीति से देश को बांटने का आरोप लगाया।

### राष्ट्रहित प्रथम...

लेकिन इससे भारत सरकार के फैसलों पर कोई फर्क नहीं पड़ता। विदेश राज्य मंत्री ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय तेल खरीद पर भारत सरकार राष्ट्रीय हितों और प्राथमिकताओं को ध्यान में रखते हुए निर्णय करती है। भारतीय तेल व्यापारियों, तेल क्षेत्र सेवा प्रदाताओं व बीमा कंपनियों को प्रभावित करने वाले किसी भी प्रावधान के बारे में हितधारकों को संवेदनशील बनाने के लिए कदम पहले ही उठाए जा चुके हैं।भारत ने एक जुलाई, 2022 को अप्रत्याशित लाभ कर लगाया और वह उन देशों की सूची में शामिल हो गया जो ऊर्जा कंपनियों के असाधारण लाभ पर कर लगाते हैं। पिछले दो सप्ताह में तेल की औसत कीमतों के आधार पर हर पखवाड़े कर दरों की समीक्षा की जाती थी। पिछले साल दिसंबर में 30 महीने बाद इस कर को खत्म कर दिया गया था। वैश्विक तेल कंपनियां भारत में निवेश की संभावना तलाश रही हैं। ब्राजील की पेट्रोब्रास अंडमान बेसिन की खोज के लिए ऑयल इंडिया के साथ बातचीत कर रही है।

### जिन्हें तुष्टिकरण...

नाम कांग्रेस नेता सोनिया गांधी का था। उनके साथ ही कांग्रेस के मुखिया मल्लिकार्जुन खड़गे भी शामिल हुए। दोनों नेताओं ने सपा मुखिया अखिलेश यादव और आपा नेता संजय सिंह के साथ इफ्तार किया।इसकी तस्वीरें सामने आईं तो लोगों के मन में एक ही सवाल कौंधा। इस इफ्तार से मात्र 2 माह पहले ही 144 वर्षों के बाद प्रयागराज में हिंदुओं का सबसे बड़ा समागम महाकुंभ हुआ था। महाकुंभ में कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी और सिलचर से लेकर पोरबंदर तक के हिंदू आए। ट्रेनें-बसें भरी रहीं। प्रयागराज से 200-400 किलोमीटर दूर तक के शहर महाकुंभ आने वाले श्रद्धालुओं से जाम हो गए। लेकिन इस 60 करोड़ की संख्या में 2 नाम गायब मिले थे।इनमें से एक नाम इफ्तार पार्टी में शामिल होने वाली कांग्रेस की डी-फैक्टो मुखिया सोनिया गांधी का था। दूसरा नाम दत्तात्रेय ब्राह्मण राहुल गांधी का था। इन दोनों मनुष्यों को कोई महाकुंभ में नहीं देख सका। सक्रिय राजनीति में 2024 में कदम रखने वाली प्रियंका गांधी भी इससे दूर रहीं। यानी इफ्तार पार्टी में एक बुलावे पर पहुंचने वाले कांग्रेस नेता प्रयागराज नहीं जा पाए। विडंबना यह है कि प्रयागराज वही शहर है जहां से यह परिवार निकला है।मुस्लिमों से गलबहियां और हिंदू आयोजनों से दूरी का गांधी परिवार का यह कोई पहला मामला नहीं है। यह परंपरा जवाहर लाल नेहरू ने तभी शुरू की थी, जब उन्होंने हिंदुओं द्वारा खंडहर से वापस तैयार किए गए सोमनाथ मंदिर में जाने से मना किया था। खुद तो नेहरू इस कार्यक्रम में नहीं ही गए थे, उन्होंने तत्कालीन राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद को भी जाने से रोकने की कोशिश की थी। उसी क्षद्म धर्मनिरपेक्षता की परंपरा का निर्वहन गांधी परिवार एकदम मन लगाकर कर रहा है।महाकुंभ से पहले ठीक एक वर्ष पहले भी गांधी परिवार ने स्पष्ट कर दिया था कि उनकी प्राथमिकताएं क्या हैं। 500 वर्षों के संघर्ष के बाद हिंदुओं को मिले राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा का निमंत्रण कांग्रेस ने ठुकरा दिया था। सोनिया गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे और अधीर रंजन चौधरी ने इस कार्यक्रम में शामिल होने से मना किया था। इस कार्यक्रम में कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व की तरफ से कोई शामिल नहीं हुआ था। हास्यास्पद यह है कि मुस्लिम लीग की इफ्तार पार्टी में शामिल होने वाली कांग्रेस ने राम मंदिर का न्यौता ठुकरा दिया था।इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग वही पार्टी है, जिसके पहले अध्यक्ष मुहम्मद इस्माइल ने भारत के विभाजन के लिए हुए आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लिया था। इन्हीं मुहम्मद इस्माइल ने संविधान सभा में भारतीय मुस्लिमों के लिए शरिया कानून को बनाए रखने की वकालत की थी।कांग्रेस को लेकर इन सब बातों से कोई ख़ास फर्क नहीं पड़ता है, वह तो इस पार्टी के साथ मिलकर केरल में चुनाव लड़ती है। हालांकि, ये इफ्तार एक तरह से थोड़ा अलग रहा। गांधी परिवार के तीन बार लोकसभा चुनाव हारने के बाद भी उनकी विक्ट्री साइन वाली तस्वीरें सामने आती हैं। इस इफ्तार की एक भी तस्वीर कांग्रेस ने साझा नहीं की। अब यह क्यों किया गया ये साफ़ नहीं है। लेकिन, कुछ चीजें जरूर साफ़ हैं और वह हैं कांग्रेस की हिंदुओं से अलगाव की नीति, उसका मुस्लिम प्रेम और उसकी तुष्टिकरण की राजनीति को लेकर प्रतिबद्धता।

# आज धन योग के संयोग में शनि महाराज दिलाएंगे मिथुन सहित कई राशियों को अचानक लाभ

आज चैत्र कृष्ण अष्टमी तिथि का संयोग बना है। इस पर आज शनिवार का होना और शनि का अपनी मूलत्रिकोण में होकर गोचर करना बड़ा ही उत्तम संयोग है। साथ ही चंद्रमा आज धनु राशि में संचार करेंगे और धन योग बनाएंगे। जबकि आज मूल नक्षत्र प्रभावी रहेगा। इन स्थितियों में आज मिथुन राशि वालों को कमाई के नए स्रोत मिलेंगे। जबकि सिंह, तुला, वृश्चिक और मीन राशि के भी आज का दिन भाग्यशाली रहेगा। इन राशियों को शनिदेव और धन योग के प्रभाव से क्या लाभ मिलेगा। और साथ ही जानिए आज शनिवार के दिन के उपाय भी।

**मिथुन –** कल का दिन राशि वालों के लिए आर्थिक रूप से फायदेमंद रहेगा। बिजनस में बनाई गई योजनाएं सफल होंगी और आपको प्रॉपर्टी के काम में भी सफलता मिल सकती है। विदेश यात्रा करने वालों के लिए अच्छी खबर आ सकती है। नौकरी में भी स्थिति अच्छी रहेगी और रुके हुए काम पूरे सकते हैं और आपके परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी और घर में नई चीजें आ सकती हैं। आपको अचानक से धन मिलने से आपकी खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा।

**शनिवार को मिथुन राशि के लोग गुड़ वाले जल से पीपल को सींचें और यात्रा पर जाते समय बजरंग बाण पाठ करें।**

**सिंह –**सिंह राशि वालों के लिए आज का दिन बहुत अच्छा रहने वाला है। ग्रहों की अच्छी स्थिति के कारण भाग्य आपके साथ रहेगा। आपको परिवार और काम दोनों जगह खुशियां मिलेंगी। कारोबार में कमाई के मौके शाम का समय खास तौर पर फायदेमंद रहेगा। किसी समझदार व्यक्ति की मदद से आपको लाभ होगा। आप लंबी अवधि के लिए निवेश करके भी पैसे कमा सकते हैं। ज्वेलरी और खाने-पीने का काम करने वालों की कमाई बढ़ेगी। पति-पत्नी के बीच प्यार बना रहेगा और ससुराल वालों से मदद मिलेगी।

**सिंह राशि के लोग किसी शुभ काम के लिए यात्रा पर जा रहे हैं, तो माता काली का ध्यान जरूर करें। ऐसा करना आपके लिए फलदायक रहेगा।**

**तुला –** तुला राशि के लोगों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है। आपको बेहतरीन सुख-सुविधाएं मिलेंगी और आप अपनी समझदारी से इनका फायदे उठाएंगे। पहले किए गए निवेश से भी आपको लाभ होगा और किसी दोस्त या रिश्तेदार से भी मदद मिल सकती है। सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र में संपर्क से फायदा होगा और प्रॉपर्टी से जुड़े के लिए भी आज का दिन अच्छा है। आपको भौतिक सुख मिलेगा। यानी कि आपको आरामदायक चीजें मिलेंगी और आप अपनी बुद्धि और चतुराई से लाभ कमाने के मौके पा सकते हैं।

**तुला राशि के लोगों को शनिवार को बजरंगबली को चोला चढ़ाना चाहिए और शुभ काम के लिए समय दही-शक्कर खाना चाहिए।**

**वृश्चिक –** आज का दिन वृश्चिक राशि के जातकों के लिए खुशियां लेकर आएगा। उन्हें एक फायदेमंद प्रॉजेक्ट पर काम करने का अवसर मिलेगा। नौकरी में सहकर्मियों और अधिकारियों का साथ मिलेगा। बिजनस में भी लाभ की संभावना है। सामाजिक दायरा बढ़ेगा और नए लोगों से संपर्क बनेगा, जो भविष्य में फायदेमंद हो सकता है। घर में सुख-सुविधाएं बढ़ेंगी और अप्रत्याशित रूप से धन लाभ हो सकता है। नई नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को सफलता मिल सकती है।

**वृश्चिक राशि वालों को किसी या जरूरतमंद को खाना खिलाना चाहिए और कभी भी झूठ नहीं बोलना चाहिए। अगर आप किसी शुभ काम के लिए यात्रा पर जा रहे हैं, तो गुरु चरणों का ध्यान कर लें।**

**मीन –** मीन राशि के लोगों के लिए आज का दिन फायदे और सफलता लेकर आ रहा है। आपको अपने काम में नई योजनाओं से लाभ होगा। साथ ही, कुछ नई जिम्मेदारियां भी मिल सकती हैं। आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी और आपको फायदा होगा। आप किसी पार्टी या मनोरंजन में भी शामिल हो सकते हैं। परिवार में छोटे से मदद मिलेगी। अपनी बातों और व्यवहार से आप लोगों को प्रभावित कर पाएंगे। मनपसंद खाना मिलने से खुशी होगी। जमीन से जुड़े मामले सुलझ सकते हैं।

**शनिवार को मीन राशि के लोगों को भगवान शिव का अभिषेक करना चाहिए और काले कुत्ते को रोटी खिलानी चाहिए।**

# माता और पिता की इन चार गलतियों की वजह से दूर होता जाता है पुत्र

## एक ही छत के नीचे अजनबी जैसा रहता है रिश्ता

आचार्य चाणक्य को कूटनीति और नीतिशास्त्र के अलावा कई विषयों का ज्ञान था। चाणक्य ने नीतिशास्त्र में घर के बेटों को लेकर ऐसी बातें कही है, जिन पर अमल करने से घर में होने वाली लड़ाइयों और तनाव की स्थिति से बचा जा सकता है। हर माता-

पिता को बेटों से जुड़ीं ये गलतियां करने से बचना चाहिए।

**सार्वजनिक रूप से न करें कभी बेटे की तारीफ**

बेटा अगर काबिल हो, तो हर माता-पिता का सीना गर्व से फूल जाता है लेकिन आचार्य चाणक्य के अनुसार आपका बेटा कितना भी काबिल या कुल दीपक क्यों न हो लेकिन सार्वजनिक रूप से उसकी तारीफ करने से बचना चाहिए। ऐसा करने से बेटे की योग्यता से जलन करने वाले लोगों की संख्या बढ़ सकती है। साथ ही कुछ लोग उनका अहित भी कर सकते हैं। कभी-कभी लोगों की नजर लगने से भी बेटे पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

**बेटे की तुलना दूसरों से न करें**

कई बार माता-पिता बेटे को प्रेरित करने के लिए उसकी तुलना दूसरे लोगों से कर बैठते हैं। उन्हें लगता है कि अगर वे बेटे के सामने किसी और के बेटे की तारीफ करेंगे, तो इससे बेटे में असुरक्षा और हीन भावना आ सकती है। साथ ही उसके मन में आक्रोश की भावना भी उत्पन्न हो सकती है।

**बेटे पर अविश्वास न जताएं**

भविष्य को लेकर हम सभी को चिंता होती ही है लेकिन अगर आप बेटे के माता-पिता है, तो आपको अपनी भविष्य की चिंता का बोझ अपने बेटे पर नहीं डालना चाहिए। खासतौर पर अपने बेटे पर कभी भी अविश्वास नहीं जताना चाहिए। बेटे को कभी यह न कहें कि आपको उससे कोई उम्मीद नहीं है।

**बेटे के विचारों और फैसलों को न करें अनदेखा**

माता-पिता के लिए बच्चे हमेशा छोटे ही रहते हैं लेकिन आचार्य चाणक्य के अनुसार हर माता-पिता को यह बात समझनी चाहिए कि आपका बड़ा हो चुका बेटा अब पहले की तरह बच्चा नहीं रहा और उसके विचारों को भी सुने जाने की जरुरत है। आपको कभी भी बेटे के फैसलों का मजाक नहीं उड़ाना चाहिए।

## रत्नवंश के अष्टम पटधार परम पूज्य आचार्य भगवंत

# श्री हीराचन्दजी म.सा. की 87वीं जयंती

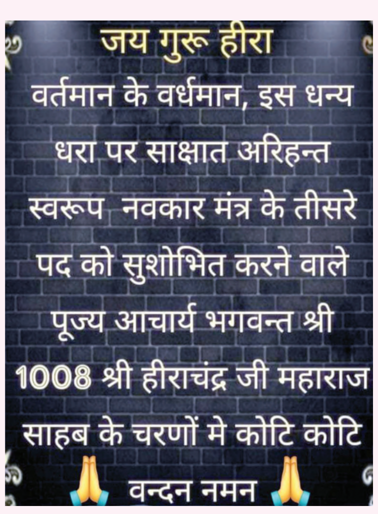


व्यसनमुक्ति के प्रबल प्रेरक आगमज्ञ प्रवचन प्रभाकर आचार्यप्रवर पूज्य श्री हीराचन्दजी म.सा का जन्म पीपाड़ शहर के गुरु भक्त संध सेवी सुश्रावक श्री मोतीलालजी गांधी के घर आँगन में उनकी धर्मपरायण धर्मपत्नी सुश्राविक श्रीमती मोहनीदेवी की रत्नकुक्षि से आदि तीर्थंकर आदिनाथ भगवान के जन्म कल्याणक की शुद्ध तिथि विक्रम संवत 1995 की चैत्रकृष्ण अष्ठमी तदाअनुसार 13 मार्च 1939 को पीपाड़ शहर में हुआ।

उदीयमान पुंज सूर्य की, खिली नयी किरण!
फली भवों की साधना, मिली है आपकी शरण
अपार तेज पुंज से, टला निविड़ मोह तम,
पूज्य हीराचंद्र के चरण मे हम करे नमन!

संस्कार रूपी वाटिका का सबसे सुंदर फूल है बालक. बालक सबसे बड़ी सम्पति है ओर उन्हें संस्कारी बनाना सबसे बड़ी सफलता है. बालमानस कोरा काजक के समान होता है, उस पर इच्छानुसार लिखा जा सकता है, आज का बालक ही कल का भविष्य है. जन्म देना और जीवन देना ये दो बातें मौलिक रूप से होती है. माता पिता ने अपने कर्तव्य का पालन करते हुवे बालक हीरा में विनय, सरलता, सहजता, त्याग, सत्य,शील आदि अनके गुणों के संस्कार दिए, वही आगे पुष्पित पल्लवित हुवे.

गुरु हीरा अनुशासन प्रिय है. आपने स्वयं गुरुचरणों के कठोर अनुशासन में रहकर शिक्षा और संस्कारोकि निधि प्राप्त की है. इसलिए एक सैनिक की भांति न केवल स्वयं अनुशाषित जीवन जीते है, और दूसरों को भी अनुशासन में रखकर कार्य करने की प्रेरणा देते है. आपका जीवन वाणी और वयवहार से अनुशासन की जीती जाती तस्वीर है. आपके अनेक गुणों में अपने सिद्धान्त पर हिमालय की तरह अडिग रहना का गुण अनेक लोगो के लिए प्रेरणास्पद है. अपने सिद्धांतों से कभी भी समझौता नही किया. औपपतिक सूत्र में भगवान महावीर ने श्रमणों के पवित्र निर्मल जीवन का उपमाओ द्वारा सजीव दिग्दर्शन करते है.

पूज्य आचार्य भगवंत श्री हिराचंद जी म.सा को आचार्यपद विक्रम संवत 2048 को निमाज शहर, राजस्थान में हुवा.

इन उपमाओं को किसी एक ही महाश्रमण के जीवन मे मूर्तिमंत्र देखना चाहे अथवा भागवत वचनों का किसी जीवन मे जीवंत रूप में देखना चाहये तो वो वकक्तिवय है .. आज्ञाम्यग प्रवचन प्रभकार व्यसन मुक्ति के प्रबल प्रेरक जिनशासन गौरव वतशल्य मूर्ति आचार्यप्रवर पूज्य गुरुदेव श्री हीरा-चन्दजी म.सा. उनके जीवन का प्रत्येक शब्द, अप्रमत्त जागरूक भाव से आत्मदेव व जन-जन के प्रति समर्पित है।

गुरु हस्ती की भांति गुरु हीरा भी दूरदर्शी है. संध समाज मे अच्छी प्रवर्तिया पृष्ठ हो, संघ समाज के सुधार हेतु जो भी कार्यक्रम निर्धारित किये जाते है, उनकी सफल किर्यानिविनित हो और ज्ञान दर्शन चारित्र में आबाल-वृद्ध सबकी भूमिका व भागीदारी बढे, हमेशा ऐसे ही प्रेरणा करते रहते है. आप शब्दो के जादूगर है.धर्म और दर्शन की जटिल शब्दावली को आप सरल शब्दों में प्रस्तुत कर अपनी गहरी विवेचनात्मक प्रतिभा से अनपढ़ से लेकर विज्ञजनों को अभी भूत कर देते है.

गुरु हीरा का जीवन सरल, शांत और सहेज है. आपश्री के सानिध्य में हर श्रद्धालु शंकाओ-समस्याओं का समाधान पाकर प्रसन्ता से भर उठता है. गुरु हीरा कहते है- तुमको कही पर भी भटकने की ज़रूरत नही, किसी से कुछ भी मांगने के ज़रूरत नही. सब कुछ देने वाला आत्मादेव तुम्हारे भीतर ही है. सबसे पवित्र स्थान तुम्हरा ह्रदय है, मन है, आत्मा है. इसको पवित्र बनालो सब पवित्र हो जायेगा.

गुरु हीरा के उपदेश आत्मा-धर्म और आत्मा-जागृति की गंभीर बात लिए हुवे सहेज और सरल होते है. समाज के सभी अंग फैले-फुले, पृष्ठ और बालिश्त हो, स्नेह , सेवा और परस्पर सहयोग करते हुवे व्यक्ति और समाज का सन्तुलित विकास हो, यही आपश्री को प्रिय है. गुरु हीरा का यही उध्दोष रहेता है की सामायिक-स्वाध्याय करके आत्मा का उत्थान करो. सामायिक अपने आप मे समवेत भाव की विशुद्ध साधना है. गुरुदेव हमे सदैव प्रेरणा देते है स्वाध्याय ही जीवन का सार है. स्वाध्याय के बिना ज्ञान प्राप्त होना कठिन है. स्वाध्याय का अर्थ है स्व-का अध्धयन. आत्मे के स्वरूप को जानने के मुख्य दो आधार है.... एक गुरु के उपदेश और सत्संग और दूसरा स्वाध्याय.

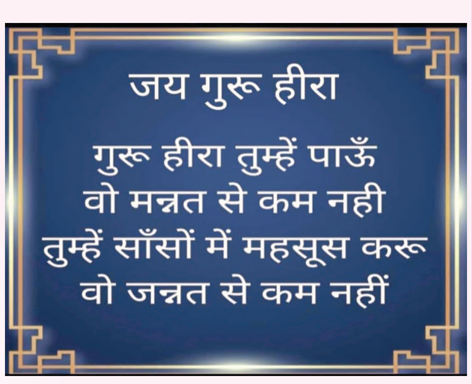


पांच इंद्रियों को जितने वाले, ब्रह्मचारी के नौ गुप्तियों को धारण करने वाले, चार प्रकार के कषायों से मुक्ति के लिए सन्नद्ध, पांच महाव्रतों से युक्त , पांच प्रकार के आचरण पालने में समर्थ, पांच समिति और तीन गुप्ति के पालनकर्त्ता, इस प्रकार छत्तीस गुणों के धारक,मुख्य मंडल पर भव्यता,आंखों में अनुकंपा, कोमलता ऐसे असीम आथमिक गुणों के धारक, गंभीर व्यक्तिव के धनीमेरे रोंम रोंम में बसे हुवे मेरी आस्था के केंद्र मेरे जीवन के निर्माता रत्नवंश के अष्टम पटधार परम पूज्य आचार्य भगवंत श्री हीराचन्दजी म.सा का 32वा आचार्यपद दिवस पर:

गुरु हस्ती के पटधार हीरा चमक रहा जग में प्यारा, जिन शाशन के शान बादि है हर्षित है जन-गण मन सारा..

त्याग तपस्या देख आपकी,मन प्रभुदित हो जाता है,, अगम का यह गहन ज्ञान, गुरुवर की याद दिलाता है, करे कहा तक गान गुणों का, वन्दन बारम्बार हमारा....

महिमा मंडित जीवन जिनका, गुण सौरभ से मेहक रहा, अनुपम हीरा दिया गुरु ने, भक्तो का मन चहक रहा.

पूज्य गुरुवर के 87वें जन्मदिन के पावन प्रसंग पर उनके श्री चरणों मे श्री जैन रत्न हितेषी श्रावक संघ, श्री जैन रत्न श्राविका मंडल, श्री जैन रत्न युवक परिषद व श्री जैन रत्न बहु-बालिका मंडल हैदराबाद-सिकंदराबाद तथा मेरे और मेरे परिवार के और से कोटिशः कोटिशः वन्दन नमन व आपकी स्वास्थ्य समाधि समीचीन बनी रहे, आप दीर्घायु हो, तथा आप जनजन को धर्माभिमुख बनाते हुए संघ समाज को आध्यात्मिक उर्जा प्रदान करते रहे ।

**गुरुभक्त व संघ सेवक**
**-पारस डोसी**
**हैदराबाद.**

# बुधादित्य राजयोग में मिथुन सहित अन्य राशियों को होगा लाभ

आज बुधादित्य राजयोग में शनिदेव के आशीर्वाद से मिथुन और कन्या सहित 5 राशियों के लोगों को आर्थिक मामलों में जबर्दस्त लाभ होगा। आपके लिए तरक्की के योग बने हैं और कारोबार में खूब कमाई होगी। आपको धन सम्मान के मामले जबर्दस्त लाभ होगा और आपकी योजनाएं सफल होंगी। आपका दिन शुभ होगा और आर्थिक मामलों में लाभ होगा।

**मेष : तरक्की के योग बन रहे हैं**

मेष राशि वालों के लिए दिन करियर के लिए अच्छा और आपके लिए तरक्की के योग बन रहे हैं। धन लाभ भी हो सकता है और आपके मान-सम्मान में वृद्धि होगी। शाम से रात तक का समय विशेष रूप से शुभ रहेगा और आपको धन लाभ होगा। हालांकि, खर्चों में बढ़ोतरी हो सकती है और आपका भाग्य साथ देगा। सम्मान में वृद्धि के योग हैं और आपकी तरक्की होगी।

**वृषभ : किस्मत आपका साथ देगी**

वृषभ राशि वालों के लिए दिन तरक्की और सफलता से भरा रहेगा। किस्मत आपका साथ देगी। आप जो भी काम करेंगे, उसमें आपको भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। आप अपने काम प्रशंसा सुनकर खुश होंगे और रात के समय किसी सामाजिक कार्यक्रम में शामिल होने का अवसर मिलेगा। आपको रुका धन मिल सकता है और आपके लिए तरक्की के योग हैं। आपका मन प्रसन्न रहेगा और भाग्य साथ देगा। आपकी सभी योजनाएं सफल होंगी।

**मिथुन : भाग्य का मिलेगा**

मिथुन राशि वालों को व्यापार में भाग्य का साथ मिलेगा और सम्मान में वृद्धि होगी। आपके घर या ऑफिस में विवाद हो सकते हैं, इसलिए सावधान रहें। आपका शत्रु पक्ष आपको परेशान कर सकता है, जिससे आपका मन काम में नहीं लगेगा। अपनी कार्यकुशलता से समस्याओं का समाधान का प्रयास करेंगे तो आपके सभी रुके कार्य आसानी से पूरे हो जाएंगे। आपका दिन सम्मान से भरा होगा और आपको धन लाभ होगा।

**कर्क : करियर में सफलता मिलेगी**

कर्क राशि वालों को करियर में सफलता मिलेगी और आप हर क्षेत्र में अपना नाम कमाएंगे। आपके काम बनेंगे और पुराने झगड़े और विवाद खत्म होंगे। व्यापार में भाग्य का साथ मिलेगा और आपको किसी महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति भी हो सकती है। आपकी कोई खोई हुई कोई कीमती चीज भी मिल सकती है और आपके लिए धन प्राप्ति के योग बने हैं। धन का निवेश के लिए दिन शुभ है और आपको बेहतर रिटर्न आगे चलकर मिलेगा।

**सिंह : दिन तरक्की से भरा रहेगा**

सिंह राशि वालों के लिए दिन तरक्की से भरा रहेगा और आपको करियर में मनचाही सफलता मिलेगी। आपका सहकर्मियों पर खोया हुआ विश्वास वापस मिलेगा और आपको संतान के लोगों से फिर से कोई शुभ समाचार मिलेगा। किसी बाहरी व्यक्ति के हस्तक्षेप से सावधान रहें और अपनी प्रगति का रहस्य किसी को न बताएं। दूसरों की बातों पर भरोसा न करें और फालतू की बातों पर अधिक ध्यान न दें। वरना आपका ध्यान अपने काम से भटक है।

**कन्या : कहीं शॉपिंग करने जा सकते हैं**

कन्या राशि वालों के लिए दिन असमंजस से भरा होगा। आपको समझ नहीं आएगा कि क्या करना सही होगा और क्या गलत। इस वजह से काम लटके रहेंगे और उलझन महसूस होगी। रचनात्मक कार्यों में गति आएगी और ज्ञान, विज्ञान, कला और लेखन में आपकी दक्षता रंग लाएगी। शाम का समय मौज-मस्ती में बीतेगा और आप परिवार के लोगों के साथ कहीं शॉपिंग करने जा सकते हैं।

**तुला : धन सम्मान में वृद्धि होगी**

तुला राशि वालों को जोखिम भरे काम से बचने की सलाह कार्यक्षेत्र में हर तरह के रिस्क से दूर रहें और आप हर कदम सोच-समझकर बढ़ाएं। आपकी योजनाएं सफल होंगी और आपके मान सम्मान में वृद्धि होगी। शाम के समय तरक्की के योग बनेंगे और आपका दिन सफलता से भरा होगा। आपके धन सम्मान में वृद्धि होगी और कहीं से शुभ सूचना आपके लिए आ सकती है। आपको उन्नति हासिल होगी और रुके कार्य पूर्ण होंगे।

**वृश्चिक : तरक्की के योग बने हैं**

वृश्चिक राशि वालों के लिए दिन उथल-पुथल से भरा रहेगा और आपको कई तरह के विवाद और झंझट का सामना करना पड़ सकता है। तक समय निकालकर इन विवादों को सुलझा लें, तो काम बन जाएंगे। आपके मान सम्मान में वृद्धि होगी और आपके लिए तरक्की के योग बने हैं। अपनी कार्यकुशलता से मुसीबतें कम कर पाएंगे। रात का समय किसी सामाजिक या राजनीतिक कार्यक्रम में बीतेगा। आपको करियर के मामले में कोई ऑफर आ सकता है। कारोबार में शानदार मुनाफा होगा।

**धनु : करियर में लाभ होगा**

धनु राशि वालों को करियर में लाभ होगा और आपके सभी काम समय पर पूरे होंगे। मेहनत से किया गया हर प्रयास सफल होगा। लाभ होगा और आपके रुके हुए काम पूरे आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। रात में माता को अचानक कोई परेशानी हो सकती है, जिससे आपको दौड़-भाग करनी पड़ सकती है। भाग्य में वृद्धि होगी और मन प्रसन्न रहेगा। आपको धन सम्मान प्राप्त होगा और दोस्तों से भरपूर मदद मिल सकती है।

**मकर : आपको लाभ होगा**

मकर राशि वालों के लिए दिन अच्छा रहेगा और आपको सुबह से ही मूड अच्छा रहेगा। आपको किसी बड़े लाभ के चक्कर में दिनभर भागदौड़ कर सकते हैं। परिस्थितियां सुधरेंगी और सभी काम पूरे होंगे। आपको भाग्य का साथ मिलेगा और आपके रुके हुए काम पूरे होंगे। मेहमान घर आ सकता है। व्यर्थ की भागदौड़ और तनाव खत्म होग और आपके आपको कहीं से करियर के मामले में काम की जानकारी मिल सकती है। आपको धन लाभ होगा।

**कुंभ : आपके खर्चे बढ़ सकते हैं**

कुंभ राशि वालों के लिए दिन व्यस्त रहेगा। एक कई काम आपके हाथ में आने से आपकी बेचैनी बढ़ सकती है। विरोधी आपको फालतू काम में उलझ सकते हैं, इसलिए सावधान रहें। वरिष्ठ अधिकारियों को इसकी जानकारी दें, दिन परेशानियों और कठिनाइयों से भरा हो सकता है और आपके खर्चे बढ़ सकते हैं। आपको ऐसे में सूझबूझ से लेने की सलाह है, अपने काम पर फोकस करें।

**मीन : धन और सम्मान में वृद्धि होगी**

मीन राशि के लोगों के लिए अच्छी खबर है और आपको उन्हें सफलता मिलेगी और भाग्य का साथ मिलेगा। मानसिक शांति बनी रहेगी और रुके हुए काम आगे बढ़ेंगे। प्रमोशन की संभावना है और आपके लिए धन में वृद्धि के योग हैं। रात में अचानक मेहमान आ सकते हैं, जिससे काम बढ़ सकता है। पैसों के मामले में भी अच्छी खबर मिल सकती है, आपके धन और सम्मान में वृद्धि होगी।

# राजकुमार राव संग शिरडी पहुंचीं फराह खान, किए साईं बाबा के दर्शन

फिल्म निर्माता-कोरियोग्राफर फराह खान शुक्रवार मुंबई स्थित साईं बाबा के मंदिर पहुंचीं। फराह के साथ पत्रलेखा, हुमा कुरैशी, राजकुमार राव भी नजर आए।

साईं बाबा के दर्शन के बाद फराह खान और राजकुमार राव मीडिया से मुखातिब हुए। फराह ने बताया, मैं बचपन से साईं मंदिर आती रही हूं और यहां आकर बहुत अच्छा है। पिछली बार मैं साजिद के साथ आई थी, मुझे जब भी लगता है कि बाबा का बुलावा आया है, चली आती हूं। साल में एक बार तो दर्शन करने के लिए जरूर आती हूं।

फराह ने बाबा संग अपने एक खास लगाव के बारे में भी बात की। कहा, मैं देश में रहूं या विदेश में रहूं, जब भी भगवान से कुछ मांगती हूं या उनसे मिन्नत करती हूं कि मेरी मुराद पूरी कर दो, मैं आपके द्वार आऊंगी, तो वह पूरी जरूर करते हैं। मेरी बाबा पर खूब श्रद्धा है।माथे पर पीला तिलक लगाए और

में प्रसाद के रूप में मिले फूल को लेकर भक्ति में डूबे दिखे अभिनेता राजकुमार राव ने दर्शन करने के अपने अनुभव पर रोशनी डाली। उन्होंने कहा, बाबा का दर्शन करने के बाद बहुत अच्छी अनुभूति होती है। जब मैं बाबा के सामने खड़ा रहता हूं तो जो महसूस है, उसे शब्दों में बयां नहीं कर सकता।

सामने आए एक वीडियो में फराह खान, राजकुमार राव के साथ हुमा कुरैशी और पत्रलेखा भी नजर आईं। राजकुमार राव के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह जल्द ही वामिका गब्बी के साथ कॉमेडी-ड्रामा 'भूल चूक माफ' में नजर आएंगे, जिसका हाल ही में निर्माताओं ने जारी किया है।टाइम लूप पर बनी फिल्म में राजकुमार राव और वामिका गब्बी की शादी 29 और 30 के चक्कर में फंसी जाती है। 'भूल चूक माफ' का निर्देशन करण शर्मा ने किया है। वहीं, फिल्म के निर्माता दिनेश विजान हैं। फिल्म 10 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

## नीना गुप्ता ने बताया, कैसे करती हैं अपने दिन की शुरुआत

मशहूर अभिनेत्री नीना गुप्ता अपने दिन की शुरुआत योग और आध्यात्मिक अभ्यास से करती हैं।नीना ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह योगासन करती दिखीं। बैकग्राउंड 'ओम' मंत्र सुनाई दे रहा है।

गुप्ता के योग के प्रति समर्पण की सराहना करते हुए उनके प्रशंसकों ने भी की। कई यूज़र्स ने माना कि नीना की वेलनेस रूटीन ने उन्हें काफी प्रेरित किया जबकि कुछ ने उनकी शालीनता और सकारात्मकता की तारीफ की। एक यूजर ने टिप्पणी की, नीना जी, आप कई लोगों के लिए प्रेरणा हैं।

हाल ही में एक्ट्रेस ने अपना यू ट्यूब चैनल भी लॉन्च किया है। जिसे लेकर उन्होंने कि अपने अनगिनत फॉलोअर्स तक पहुंच बढ़ाने के लिए उन्होंने ऐसा किया, क्योंकि उन्हें लगता है कि इंस्टाग्राम पर ज्यादा लोग नहीं हैं और वे नीना की जिंदगी से अपडेट नहीं हो पाते हैं। अपना वीडियो शेयर करते हुए नीना ने कहा, मुझे अचानक यह महसूस हुआ कि कई इंस्टाग्राम का इस्तेमाल नहीं करते हैं और मैं ज़्यादातर चीजें वहीं पोस्ट करती हूं। इसलिए, मैंने सोचा कि अपना यूट्यूब चैनल शुरू करूं, ताकि जो लोग फेसबुक या इंस्टाग्राम का इस्तेमाल नहीं करते, वे जान सकें कि मैं कौन हूं, क्या करती हूं, क्या पहनती हूं और किन-किन चीज़ों बारे में बात करती हूं। अगर आपको यह पसंद आया, तो अच्छा! अगर नहीं, तो बिना झिझक देखना बंद कर सकते हैं।काम की बात करें तो नीना गुप्ता हाल ही में फिल्म आचारी बा में नजर आईं, जिसमें उन्होंने एक उद्यमी की भूमिका निभाई है। हार्दिक गज्जर द्वारा इस फिल्म में नीना का किरदार एक मां और दादी का है, जो अपने परिवार से अनदेखा महसूस करती है। फिल्म की कहानी उसकी सफलता की ओर बढ़ने की यात्रा पर आधारित है, जहां वह एक सफल अचार व्यवसाय शुरू करती है।

### न्यूयॉर्क लौटीं ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा

## खूबसूरत नजारे दिखा कर बोलीं- घर जैसा कुछ नहीं

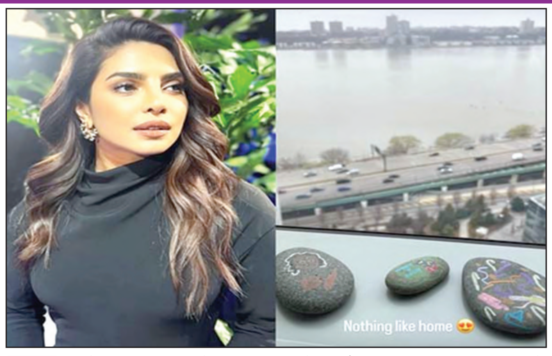


अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा भारत में कई सप्ताह तक शूटिंग करने के बाद आखिरकार न्यूयॉर्क पहुंच चुकी हैं। घर पहुंचकर उत्साहित अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट डाला खुशी जाहिर की। चोपड़ा ने बताया कि घर जैसा कुछ नहीं है।

प्रियंका ने इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन पर एक तस्वीर शेयर की। तस्वीर में शहर का नजारा है, जिसमें नदी, ऊंची इमारतें और हाईवे पर दौड़ती कारें दिखाई दे रही हैं। सामने की तरफ खिड़की है, जिसके बाहर पेब्ल्स (छोटे-छोटे पत्थर) बेहद खूबसूरत लग रहे हैं। तस्वीर के साथ अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा, घर जैसा कुछ नहीं।इससे पहले, अभिनेत्री ने वीडियो के जरिए एक महिला के स्वाभिमान की कहानी सुनाई। प्रियंका ने अपने इंस्टाग्राम पर एक घटना का जिक्र किया, जिसमें वह एक अमरूद बेचने महिला से प्रेरित हुईं। वीडियो में अभिनेत्री कहती नजर आईं, मैं ऐसा अक्सर नहीं करती, लेकिन आज मैं बहुत प्रेरित हुई। मैं न्यूयॉर्क जाने के लिए मुंबई से विशाखापट्टनम एयरपोर्ट जा रही थी और मैंने एक महिला को अमरूद बेचते हुए देखा। उन्होंने आगे बताया, मुझे अमरूद बहुत पसंद इसलिए मैंने उसे रोका और पूछा कि सारे अमरूद कितने के हैं। उसने कहा '150 रुपये', तो मैंने उसे 200 रुपये दिए और वह मुझे छुट्टे पैसे देने की कोशिश कर रही थी, तो मैंने कहा, 'आप प्लीज इसे रख लीजिए,' मगर उसने ऐसा नहीं किया। प्रियंका ने आगे वह अमरूद बेचती थी और उसके पास कैश नहीं था, तो उसे लेने के लिए वह थोड़ी देर के लिए कहीं चली गई और लाल बत्ती के हरे होने से पहले (ट्रैफिक खुलने से पहले) वह वापस आ गई और उसने मुझे दो और अमरूद दिए। वह फ्री में नहीं चाहती थी। वास्तव में, मैं इससे बहुत प्रभावित हुई। वर्कफ्रंट की बात करें तो प्रियंका अपनी बहुप्रतीक्षित प्रोजेक्ट, 'एसएसएमबी29' की शूटिंग में व्यस्त हैं। एसएस राजामौली के निर्देशन में बनी 'एसएसएमबी29' की बात करें तो इस प्रोजेक्ट में महेश बाबू मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म में महेश बाबू भूमिका भगवान हनुमान से प्रेरित बताई जा रही है। रिपोर्ट्स के अनुसार, यह प्रोजेक्ट 900-1,000 करोड़ रुपये के बड़े बजट में दो भागों में बनकर तैयार होगी।

## शिल्पा शेट्टी ने दी रानी मुखर्जी को जन्मदिन की बधाई, बोलीं- ढेर सारा प्यार

अभिनेत्री रानी मुखर्जी के जन्मदिन के अवसर पर अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी ने उन्हें एक प्यारे नोट के साथ बधाई दी। शिल्पा ने रानी को अच्छे स्वास्थ्य, आध्यात्मिक यात्राओं और जागरण की शुभकामनाएं दीं।

शिल्पा ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर रानी के साथ एक तस्वीर शेयर की और लिखा, प्यारी रानी, आपको ढेरों प्यार, ढेरों ढेर सारी आध्यात्मिक यात्राएं और जागरण। हमेशा खुशियों से भरी रहें। पंजाब पहुंची शिल्पा ने 16 मार्च को अपने सफर का एक मजेदार पल शेयर किया था, जहां वह देसी गुड़ का असली स्वाद चखती नजर आई थीं।अभिनेत्री ने एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह कहती नजर आईं, में, गन्ने के खेतों में... वाह, ताजा गन्ना और ताजा गुड़। क्या आप यकीन कर सकते हैं? यह असली गुड़ है।

उन्होंने आगे कहा, इसमें अजवाइन, सौंफ, तिल है - कोई मिलावट नहीं है। वाह, यह कमाल है, यह पूरी तरह से शुद्ध है। पंजाब में इसे रात के के बाद खाते हैं। मैं गुड़ के नशे में हूं!

उन्होंने कैप्शन में लिखा, पंजाब में यह एक 'गुड' दिन है। रानी मुखर्जी की बात करें तो वह 'मर्दानी' फ्रैंचाइज की तीसरी किस्त में नजर आएंगी। अभिनेत्री साहसी, निडर पुलिस शिवानी शिवाजी रॉय की भूमिका को फिर से निभाने लिए तैयार हैं। दिसंबर में उन्होंने बताया था कि 'मर्दानी 3' की शूटिंग अप्रैल 2025 में शुरू होगी। उत्साहित अभिनेत्री ने बताया कि पुलिस की वर्दी पहनना और एक ऐसा किरदार निभाना हमेशा खास होता है जिसने उन्हें केवल प्यार दिया है।

रानी ने कहा, मुझे 'मर्दानी 3' में से इस साहसी पुलिस का किरदार निभाने पर गर्व है, यह उन सभी गुमनाम, बहादुर पुलिसकर्मियों को सम्मान है जो हमें सुरक्षित रखने के लिए हर दिन अथक परिश्रम करते हैं। 'द रेलवे मेन' फेम आयुष गुप्ता ने 'मर्दानी 3' की पटकथा लिखी है। इसका निर्देशन अभिराज मीनावाला करेंगे। 'बैंड बाजा बारात', 'गुंडे', 'सुल्तान', 'जब तक है जान' और 'टाइगर 3' जैसी फिल्मों में आदित्य चोपड़ा के साथ काम कर चुके हैं।= वह वर्तमान में 'वॉर 2' के सहायक-निर्देशक हैं।

## महंगी अभिनेत्रियों में शामिल हुई कियारा आडवाणी

दक्षिण भारतीय निर्माता अपनी फिल्मों को उत्तर भारत में सफलता दिलाने के लिए फिल्म में हिन्दी नायक-नायिकाओं को लेकर निर्माण कर रहे हैं। बॉबी देओल एनिमल के बाद दक्षिण भारत में पसन्दीदा खलनायकों में शामिल हो गए हैं। उन्हें वहाँ से लगातार फिल्में मिल हैं, जो दक्षिण के साथ-साथ उत्तर भारत में भी अच्छा कारोबार कर रही हैं। सनी जाट नामक फिल्म ला रहे हैं जिसका निर्माण व निर्देशन दक्षिण भारतीय फिल्मकारों का है।

साउथ वाले हिंदी सिनेमा की हीरोइन्स को बॉलीवुड वालों से ज्यादा और अच्छी फीस दे रहे हैं। बीते दिनों आई थी कि 1000 करोड़ के बजट में बन रही SSMB29 के लिए मेकर्स ने प्रियंका चोपडा को 30 करोड़ की मोटी रकम फीस के तौर पर दी है। इस फिल्म में महेश बाबू लीड रोल में हैं और एसएस राजामौली इसे डायरेक्ट कर रहे हैं। माना जा रहा कि इतनी बड़ी रकम प्रियंका को फिल्म में विलेन बनने के लिए दी गई है। इसी बीच अब ये खबरें आ रही हैं कि कियारा आडवाणी को यश की 'टॉक्सिक' के लिए काफी मोटी रकम दी गई है। कियारा आडवाणी और यश की बड़े बजट की पैन-वर्ल्ड फिल्म 'टॉक्सिक' वक्त से सुर्खियों में हैं। फिल्म से जुड़े अपडेट्स पर फैन्स की निगाहें जमी रहती हैं। कियारा ने इंडस्ट्री में कई हिट फ़िल्में दी हैं, लेकिन उनकी पिछली फ़िल्म गेम चेंजर ने बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास अच्छा प्रदर्शन नहीं किया था। वहीं मां बनने की खबर सभी के शेयर करने के बाद कियारा ने फरहान अख़्तर की 'डॉन 3' भी छोड़ दी है। इसके बावजूद, कियारा मेकर्स की भरोसेमंद पसंद बनी हुई हैं।रिपोर्ट की मानें तो अब कियारा ने 15 करोड़ वसूले हैं।इतना ही नहीं कियारा के पास 'वॉर 2' भी है, जिसमें वह ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर के साथ काम करती हुई नजर आएंगी। इन प्रोजेक्ट्स के साथ, 2025 उनके लिए एक बड़ा साल होने वाला है। हालांकि टॉक्सिक लिए उनकी फीस के बारे में कोई ऑफिशियल

'टॉक्सिक' के लिए कियारा आडवाणी को 15 करोड़ फीस मिल रही है। हालांकि इस खबर में कितनी सच्चाई है ये पाना मुश्किल है। लेकिन अगर ये खबरें सही साबित होती हैं तो कियारा भी बॉलीवुड की सबसे ज्यादा फीस लेने वाली एक्ट्रेसेस की लिस्ट में शामिल हो जाएंगी। प्रियंका जहां SSMB29 के लिए 30 करोड़ ले रही हैं। वहीं दीपिका पादुकोण ने कल्कि 2898 एडी के लिए 20 करोड़ रकम वसूली थी।

जानकारी सामने नहीं आई है। 'टॉक्सिक: ए फेयरीटेल फॉर ग्रोन-अप्स' कियारा के करियर के लिए गेम चेंजर साबित हो सकती है। फिल्म के लीड एक्टर यश की फैन फॉलोइंग बेहद कमाल की है।

## आज का राशिफल

**मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ**
आज प्रातः हनुमान अष्टक का पाठ करके ही दिन की शुरुआत करें। कारोबार में वृद्धि होगी। आपके सम्मान में बढ़ोतरी होगी। नए काम से लाभ होगा। शत्रु पक्ष से सावधान रहें। नए व्यक्ति से मुलाकात होगी। निवेश संबंधी प्रस्ताव मिलेंगे। जरूरी फैसले जल्दबाजी में न लें। पारिवारिक जीवन खुशनुमा रहेगा। धार्मिक यात्रा पर जा सकते हैं। जोखिम वाले काम करने से बचें। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। गाय को गुड़ खिलाए पैसो की तंगी जरूर दूर होगी।

**वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो**
आज सुबह ओंकार का मानसिक ध्यान और ध्वनि करें दिनभर सकारात्मकता रहेगी। मित्रों के साथ घूमने के लिए जाएंगे। पूजा पाठ में मन लगेगा। व्यवसाय में प्रगति होगी।परिवार का सहयोग मिलेगा। उधार की रकम वापस मिलेगी। वैवाहिक जीवन सुखमय रहेगा। कार्यस्थल पर खुशखबरी मिलेगी। आपके ज्यादातर कार्य काम पूरे होंगे। आप बेहद खुश रहेंगे। आर्थिक लाभ होगा। सेहत ठीक रहेगी। आज किसी ऐसे व्यक्ति से मुलाकात होगी जो आप का मार्गदर्शक बनेगा।

**मिथुन – क,कि,कु,घ,ङ,छ,के,को,ह**
रोज सुबह शिवपुराण करके घर में शंख की ध्वनि करें उर्जावान रहोगे आपको यात्रा पर जाना पड़ा सकता है। जोखिम ले सकते हैं। निवेश के अवसर आएंगे। आमदनी होगी। पारिवारिक कार्य सफल रहेंगे। बुजुर्गों का मार्गदर्शन मिलेगा। पारिवारिक कार्यक्रम हो सकते हैं। किसी रिश्तेदार से काफी समय बाद मुलाकात होने की संभावना है। बेरोजगारी दूर होगी।

**कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो**
आज सुबह हनुमानजी को चमेली का तेल अर्पित करें क्योंकि दिन सामान्य रहेगा। खर्च ज्यादा होने की संभावना है। परिवार के किसी सदस्य की सेहत बिगड़ सकती है। गैरजरूरी कार्यों में समय नष्ट करेंगे। किसी को उधार न दें। नुकसान की आशंका है। विवाद की स्थिति से दूर रहें। कर्ज की रकम फिलहाल वापस नहीं मिलेगी। ऑफिस में किसी से बहस हो सकती है। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा।गुस्सा करने से बचें। लाल चीटियों को आटा डाले मुसीबत दूर होगी।

**सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे**
भविष्य के लिए नये निवेश के बारे में प्लानिंग करेंगे जिससे आमदनी के नए स्रोत मिलेंगे। सामाजिक कार्यों में हिस्सा लेंगे। तनाव हो सकता है। शांत रहने का प्रयास करें। पुराने रूके हुए कार्य पूरे होंगे। उधार की रकम वापस मिल सकती है। सेहत को लेकर चिंतित रहेंगे। दफ्तर के सहयोगी से मतभेद दूर होंगे। लाभ के अवसर सामने आएंगे। व्यवसाय में प्रगति होगी। आज परिवार के खुली हवा में घूमने जाएंगे थकान एकदम दूर होगी।

**कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो**
आज किसी भी धार्मिक ग्रंथ का श्रवन करें पाठ करें आपका दिन बेहतर रहेगा। आपको सत्संग का लाभ मिलेगा। पुराने काम पूरे हो सकते हैं। आध्यात्मिकता में रुचि बढ़ेगी। विशेषज्ञ का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। अचानक किसी के साथ तनाव हो सकता है। क्रोध पर काबू रखें। आर्थिक स्थिति सुधरने की उम्मीद है। व्यवसाय में लाभ की संभावना है। विरोधियों से सावधान रहें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें डिनर मे हल्का भोजन करना ही उचित होगा।

**तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते**
आज खीवर्ण को कुछ उपहार भेंट करे कार्य सिद्धि होगी खुशखबरी मिलेगी। प्रसन्न रहेंगे। बड़ी जिम्मेदारी पूरी कर पाएंगे। परिवार के लोगों से मुलाकात होगी। आमदनी में बढ़ोतरी होगी। नए काम के लिए प्रयास कर सकते हैं। करियर से जुड़ी जानकारी मिलेगी। रिश्तेदारों का सहयोग मिलेगा। छात्रों का पढ़ाई में मन लगेगा। धन लाभ होने की संभावना है। अनजान लोगों से मेलमिलाप न करें। आज यात्रा का नहीं हैं शाम के वक्त शिवालय मे दर्शन करे।

**वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू**
आज सुबह अन्नदान करके ही दिन शुरू करें आज दिनलाभ में बीतेगा। तनावग्रस्त हो सकते हैं। कार्यस्थल पर खुशखबरी मिल सकती है। संतान पक्ष की सफलता से प्रसन्न रहेंगे। आर्थिक स्थिति कमजोर हो सकती है। शारीरिक दिक्कत होने की आशंका है। हड़बड़ी में जरूरी फैसला न लें। शत्रुओं से हानि होगी। यात्रा कर सकते हैं। जोखिम लेने से बचें। अपने खर्चों पर नियंत्रण रखें।

**धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे**
आज बहुत बढ़ीया दिन हैं रिस्क मे भी सफलता सुनिश्चित हैं अपने मित्रों के साथ समय बिता सकते हैं। विद्यार्थियों को सफलता प्राप्त होगी। परिवार में प्रसन्नता का माहौल रहेगा। नए प्रोजेक्ट पर काम शुरू कर सकते हैं। घरेलू जिम्मेदारी पूरी करेंगे। नया मकान खरीदने का प्लान बना सकते हैं। किसी कार्य में ज्यादा खर्च होगा। सावधानी से बातचीत करें। आप भाग्य प्रबल है क्योंकि आप का लाईफ पाटनर आप को प्रत्येक परिस्थितियों मे साथ देगा आप का मनोबल बढ़ाएगा।

**मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि**
आप के सीनियर्स आप के काम से सन्तुष्ट होंगे अच्छी खबर मिलेगी। पुराने मित्रों से मुलाकात होगी। यात्रा पर जा सकते हैं। ऑफिस में बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है। तरक्की की सूचना मिलेगी। अनजान लोगों की मदद करने से पहले सोच विचार कर लें। किसी की वजह से आपको नुकसान हो सकता है। कारोबार अच्छा चलेगा। विवाद से बचें। ईश्वर की आराधना में मन लगेगा। आज बेरोजगारी दूर होगी नौकरी मे सफलता मिलेगी।

**कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द**
आप को अपनी गुप्त बातो को सभी के सामने नही रखनी चाहिए अति विश्वास मित्र अथवा सहयोगी के साथ मंत्रणा करनी चाहिए आप काफी सकारात्मक रहेंगे। सेहत ठीक रहेगी। धन संबंधी स्थिति सुधरेगी। आपको खुशखबरी मिल सकती है। आपके स्वभाव से दूसरे प्रभावित रहेंगे। आपकी सराहना होगी। कुटिल लोगों से सतर्क रहें। आमदनी के नए स्रोत मिलेंगे।युवाओं को आज सफलता मिलेगी। आप अविवाहित हैं तो हनुमानजी का पूजन करें सम्बन्ध सुनिश्चित होगा।

**मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची**
अपनी विरोधियों से सतर्क रहना होगा अपनी निवेश की योजनाएं गुप्त रखनी पड़ेगी। कोई आपको नुकसान पहुंचा सकता है। किसी के बहकावे में न आएं। आर्थिक नुकसान की आशंका है। आज आपकी वजह से कई लोगों को लाभ होगा। किसी रिश्तेदार के यहां से दुखद समाचार मिल सकता है। तनाव की स्थिति निर्मित हो सकती है। अपनी वाणी पर बहुत ज्यादा नियंत्रण रखने की जरूरत है आप का क्रोध आप की भविष्योन्मुखी योजनाओं पर विराम लगा देगा आप के लोगों से मधुर सम्बन्ध भी धूमिल होंगे।

## शनिवार का पंचांग

दिनांक : 22 मार्च 2025 , शनिवार
विक्रम संवत : 2081
मास : चैत्र ,कृष्ण पक्ष
तिथि : अष्टमी रात्रि 05:26 तक
नक्षत्र : मूल रात्रि 03:24 तक
योग : व्यतिपात रात्रि 06:35 तक
करण : बालव सायं 05:01 तक
चन्द्रराशि : धनु
सूर्योदय : 06:18 , सूर्यास्त 06:27 ( हैदराबाद )
सूर्योदय : 06:22 , सूर्यास्त 06:30 ( बैंगलोर )
सूर्योदय : 06:15, सूर्यास्त 06:23 ( तिरुपति )
सूर्योदय : 06:10 , सूर्यास्त 06:18 ( विजयवाडा )

**शुभ चौघड़िया**
शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रातः 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उडद खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : कालाष्टमी , शीतला अष्टमी , शुक्र तारा उदय रात्रि 11:31 से , गण्डमूल रात्रि 03:24 तक

❊ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ❊

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लु महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

# भावी पीढ़ी के लिए स्वस्थ राजस्थान बनाने का लें संकल्प : भजनलाल

**जयपुर,21 मार्च (एजेंसियां)।** मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान से प्रेरणा लेकर राज्य सरकार ने मिशन हरियालो राजस्थान के तहत 50 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा है, जिसके अंतर्गत वर्ष 2024-25 प्रदेश में 7 करोड़ पौधे लगाए गए तथा बजट वर्ष 2025-26 की घोषणा की अनुपालना में इस वर्ष 10 करोड़ पौधे लगाए जाएंगे।

शर्मा शुक्रवार को विश्व वानिकी दिवस के अवसर पर जयपुर के राजस्थान इन्टरनेशनल सेन्टर में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा प्रकृति हमारे जीवन का आधार है। हमारी संस्कृति में पेड़, प्रकृति एवं पहाड़ों की पूजा की जाती है तथा राजस्थान का पर्यावरण संरक्षण से पुराना नाता रहा है। उन्होंने आह्वान करते हुए कहा कि हम वनों को बचाने और अपनी जैव-विविधता को संरक्षित करने के साथ ही आने वाली के लिए एक हरा भरा और स्वस्थ राजस्थान बनाने का संकल्प लें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वन, पर्यावरण एवं जलवायु संतुलन के प्रयासों में एक वैश्विक लीडर बनकर उभरे हैं। ग्लासगो में आयोजित कोप 26 के प्रधानमंत्री ने दुनिया के सामने जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए पांच प्रतिबद्धताएं अर्थात पांच अमृत तत्व रखे हैं, जिनमें वन भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय वन्यजीव मंडल की बैठक में गोडावण पर राज्य में किए जा रहे संरक्षण कार्यों की सराहना करते हुए राष्ट्रीय संरक्षण एक्शन प्लान की भी घोषणा की है।

शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री के आह्वान पर हमारी सरकार थ्री आर यानी रिड्यूस, रियूज और रिसाइकल को बढ़ावा देकर कचरे के प्रभावी प्रबंधन, जल संरक्षण, नवीकरणीय ऊर्जा और संसाधन दक्षता विशेष ध्यान दे रही है। इसी दिशा में हमारी सरकार ने बजट 2025-26 में राजस्थान सर्कुलर इकोनॉमी इन्सेंटिव स्कीम 2025 की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन की दिशा में बेहतरीन कार्य किए जा रहे हैं, जिससे प्रदेश की देशभर में नई बन रही है।

शर्मा ने इस अवसर पर वन विभाग द्वारा विभागीय कार्यो में पारदर्शिता लाने हेतु नवीनतम आईटी तकनीक के उपयोग से विकसित 'डिजी-वन-फोरेस्ट स्टैक' एप का शुभारम्भ किया, जो कि देशभर का पहला डिजिटल फोरेस्ट स्टेक साथ ही, उन्होंने सीतामाता वन्यजीव अभ्यारण्य में इको टूरिज्म फैसिलिटीज तथा केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान, भरतपुर व नाहरगढ़ बायोलोजिकल पार्क में गोल्फ कार्ट सुविधा को प्रदेश की जनता को समर्पित किया। इस अवसर पर वन मृदा स्वास्थ्य कार्ड एवं राजस्थान में जलवायु परिवर्तन प्रतिक्रिया और पारिस्थितिकी तंत्र सेवा संवर्धन (सीआरईएसईपी) लोगो का अनावरण तथा वन प्रशिक्षण एवं प्रबंध संस्थान का रिमोट का बटन दबाकर डिजिटल माध्यम से शिलान्यास भी किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने वनमित्रों को किट वितरित किए तथा वन विभाग में कार्यरत महिला कार्मिकों को भी उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया।

# रूस के साखा गणराज्य के प्रतिनिधिमंडल ने की मुख्य सचिव से मुलाकात

**जयपुर,21 मार्च (एजेंसियां)।** रूस के साखा गणराज्य (याकुतिया) के उपाध्यक्ष किम बोरिसोव के नेतृत्व एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य सचिव सुधांश पंत से सचिवालय में मुलाकात की। इस दौरान विभिन्न क्षेत्रों में निवेश और आपसी सहयोग के अवसरों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस बैठक का उद्देश्य दोनों क्षेत्रों के बीच शिक्षा, स्वास्थ्य, ऊर्जा, व्यापार, उद्योग, कृषि, खनिज संपदा और पर्यटन प्रमुख क्षेत्रों में संबंधों को प्रगाढ़ करना था।

मुख्य सचिव ने साखा गणराज्य के प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए राजस्थान में निवेश के लिए उपयुक्त वातावरण, मजबूत बुनियादी ढांचा और निवेश को प्रोत्साहन देने वाली राज्य सरकार की नीतियों की जानकारी दी। उन्होंने प्रतिनिधिमंडल सदस्यों के साथ प्रदेश के क्षेत्रों में निवेश पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि प्रदेश का नीतिगत ढांचा निवेशकों के अनुरूप होने के साथ-साथ गुणवत्तापूर्ण मानव संसाधन, प्रचुर खनिज संपदा और तेज विकास दर के कारण राजस्थान निवेश हेतु एक आदर्श गंतव्य है। रूस के साखा गणराज्य (याकुतिया) के उपाध्यक्ष श्री किम ने कहा कि दोनों क्षेत्रों के बीच विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग एवं निवेश हेतु अभूतपूर्व संभावना है। द्विपक्षीय वार्ताओं के माध्यम से ऊर्जा, महंगे रत्नों, खनिज संपदा मेडिकल आदि क्षेत्रों में संबंधों को और प्रगाढ़ किया जाएगा।

साखा गणराज्य के प्रतिनिधिमंडल में गणराज्य के विभिन्न विभागीय अधिकारी, प्रमुख व्यापारिक औद्योगिक प्रतिनिधि एवं विशेषज्ञ शामिल थे, जिन्होंने राजस्थान के निवेश करने की इच्छा जताई। बैठक में प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग गायत्री राठौर, अतिरिक्त आयुक्त उद्योग संवर्धन ब्यूरो सौरभ स्वामी सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

### शिव शक्ति ज्योतिष संस्थान जगतपुरा द्वारा

# नि:शुल्क ज्योतिष परामर्श शिविर कल

**जयपुर,21 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।** शिव शक्ति ज्योतिष संस्थान जगतपुरा जयपुर के तत्वाधान में रविवार 23 मार्च को जयपुर के देहलावास के बालाजी के सामने गणपति जी मंदिर प्रताप नगर में विशाल नि:शुल्क ज्योतिष परामर्श शिविर आयोजित किया जायेगा। नि: शुल्क ज्योतिष परामर्श शिविर में वैदिक जन्म लाल किताब, हस्त रेखा, मस्तिष्क रेखा, वास्तु, अंकगणित, केपी पद्धति और मंत्र ज्योतिष आदि विधाओं से ज्योतिषीय परामर्श दिया जायेगा। शिविर में आन द स्पॉट रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। रविवार को रजिस्ट्रेशन दोपहर 12:00 तक किये जाएंगे। इसके साथ ही ज्योतिष गौरव सम्मान समारोह भी आयोजित किया जायेगा। जिसमें के प्रतिष्ठित ज्योतिष विद्वानों का सम्मान किया जायेगा।

आयोजक लक्ष्मी राय ने बताया कि जयपुर के देहलावास के बालाजी के सामने गणपति जी मंदिर प्रताप नगर में 23 मार्च को सुबह 10:00 बजे से 2:00 बजे तक निशुल्क परामर्श शिविर आयोजित किया जायेगा। जिसमें वैदिक, जन्मकुंडली, हस्त रेखा, मस्तिष्क वास्तु, अंकगणित, टैरो कार्ड, लाल किताब, केपी और मंत्र ज्योतिष चिकित्सा सहित अन्य विधाओं के विद्वान ज्योतिषाचार्य लोगों की समस्याओं का समाधान करेंगे।

आयोजक लक्ष्मी राय ने बताया कि निशुल्क ज्योतिष परामर्श शिविर और ज्योतिष गौरव सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 स्वामी हितेश्वरानंद सरस्वती जी श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर श्री मनोहर दास जी महाराज, धैर्यराज नंद किन्नर अखाड़ा (श्री पंच दर्शनाम जूना अखाड़ा) और ज्योतिष परिषद एवं शोध संस्थान के अध्यक्ष पंडित डॉ पुरुषोत्तम गौड़ होंगे। विशाल नि:शुल्क ज्योतिष परामर्श शिविर में 50 से अधिक विद्वान ज्योतिषाचार्य अपनी सेवाएं देंगे। आयोजक लक्ष्मी राय ने बताया कि रविवार 23 मार्च को नि:शुल्क ज्योतिष परामर्श शिविर में रजिस्ट्रेशन के लिए अपना नाम जन्मतिथि जन्म स्थान और जन्म समय बताएं। जिनके पास जन्मतिथि या जन्म स्थान नहीं है। वे हस्तरेखा लाल किताब टैरो कार्ड और प्रश्न कुंडली के माध्यम से अपना भाग्य जान सकते हैं।

# बीएसएफ इंटेलिजेंस ब्रांच की सूचना पर 15 करोड़ की हेरोइन बरामद

**बीकानेर,21 मार्च (एजेंसियां)।** सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की इंटेलिजेंस ब्रांच की ओर से मिली सूचना के आधार पर बीकानेर सेक्टर में एक बड़ी को अंजाम दिया गया। इस ऑपरेशन में 12 केएनडी ग्राम स्थित चक्र 3 केएनएम क्षेत्र से तीन किलोग्राम हेरोइन बरामद की गई, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 15 करोड़ रुपये आंकी गई है।

बीएसएफ की इंटेलिजेंस शाखा को इस इलाके में नशीले पदार्थों की तस्करी की गुप्त सूचना हुई थी। इसके बाद, डीआईजी इंटेलिजेंस जोधपुर, विदुर भारद्वाज के मार्गदर्शन में महेश चंद जाट, इंस्पेक्टर ताराचंद यादव, इंस्पेक्टर अजय कुमार पांडे, और दीपक कुमार की टीम ने एक विशेष सर्च ऑपरेशन चलाया। इस दौरान पीले रंग के पैकेट में हेरोइन की खेप बरामद हुई। ऑपरेशन के दौरान, 140वीं बीएसएफ के कमांडेंट प्रभाकर सिंह और कार्यवाहक कंपनी कमांडर दीपक कुमार की टीम ने पुलिस चौकी रावल मंडी के सहयोग से पूरे क्षेत्र में गहन सर्च अभियान चलाया, जिसमें यह महत्वपूर्ण सफलता मिली।

### पूर्ववर्ती गहलोत सरकार का सबसे बड़ा छात्रवृत्ति घोटाला

# भजनलाल सरकार ने की अब तक 2 करोड़ 22 लाख की वसूली

**जयपुर,21 मार्च (एजेंसियां)।** राजस्थान का सबसे बड़ा छात्रवृत्ति घोटाला, जो पूर्ववर्ती गहलोत सरकार के वक्त का था, उसमें भजनलाल सरकार ने 2 करोड़ 22 लाख रुपये से अधिक की वसूली आरोपी छात्रों से 18 मार्च 2025 तक कर ली है । जबकि अभी भी 337 आरोपी छात्रों से छात्रवृत्ति की वसूली करनी बाकी है । यह छात्रवृत्ति घोटाला शैक्षणिक वर्ष और 2022-23 का है ।

सामाजिक न्याय अधिकारिता विभाग के सूत्रों के मुताबिक पूरे प्रदेश में जांच के दौरान 10248 संदिग्ध मामले छात्रवृत्ति लेने के पकड़े गए थे । इसमें से 1654 मामले वसूली के योग्य पाए गए थे। इसमें से अब तक गलत तरीके से छात्रवृत्ति लेने वाले छात्रों से 2 करोड़ 22 लाख 49 हजार 554 रुपये वसूली हो चुकी है । वहीं जांच के बाद सामाजिक न्याय अधिकारिता विभाग ने 311 शिक्षण संस्थानों को ब्लैकलिस्ट भी कर दिया था । जांच के दौरान पता चला कि सबसे ज्यादा मामले जयपुर ग्रामीण से थे । यहां 2928 संदिग्ध तरीके से छात्रवृत्ति लेने के पकड़े गए थे । जिसमें से 310 वसूली के योग्य पाए गए । इसमें से अब तक 266 आरोपी छात्रों से 9807008 रुपये की वसूली हो चुकी है,जबकि 44 छात्रों से वसूली की कार्य प्रक्रियाधीन है । वहीं जयपुर ग्रामीण के बाद जिले में 1752 संदिग्ध मामले छात्रवृत्ति लेने के पकड़े गए थे । इसमें से 469 केस वसूली के योग्य पाए गए इसमें से 449 छात्रों से 41 लाख 16 हजार 600 रुपये की वसूली हो चुकी है, जबकि 20 मामलों में वसूली की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है । वहीं सवाईमाधोपुर में 1483 संदिग्ध मामले जांच के दौरान पकड़े गए थे । इसमें से 295 मामले वसूली के योग्य पाए गए थे । लेकिन सवाईमाधोपुर जिले में अभी तक 65 आरोपी छात्रों से 12 लाख 49 हजार 300 रुपये की वसूली हो सकी है, जबकि 230 छात्रों से वसूली बाकी । साथ ही यहां पर 16 संस्थानों के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज की गई थी । वहीं सीकर जिले में 504 संदिग्ध मामले जांच के दौरान पकड़े गए थे । इसमें से 167 मामले वसूली के योग्य पाए गए थे । इसमें अब तक 49 छात्रों से 9 लाख हजार 300 रुपये की वसूली हो चुकी है,जबकि बाकी की जानकारी जिला कार्यालय द्वारा उपलब्ध नहीं कराई गई है । वहीं सीकर जिले में एक विश्वविद्यालय समेत 8 संस्थाओं और 118 अपात्र छात्रों के खिलाफ 9 जनवरी 2024 को एफआईआर दर्ज करवाई गई थी । जांच रिपोर्ट के मुताबिक जिले में 122 संदिग्ध मामले पकड़े गए थे । जिसमें से 33 वसूली योग्य पाए गए थे। इसमें से 27 केसों में अब तक 4 लाख 72 हजार 544 रुपये की वसूली कर ली गई है, जबकि 5 मामलों में वसूली कार्यवाही प्रक्रियाधीन है ।

# झूठा साबित हुआ बीजेपी का 24 फसलों पर एमएसपी देने का वादा : हुड्डा

**चंडीगढ़,21 मार्च (एजेंसियां)।** भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि बीजेपी सरकार द्वारा 24 फसलों पर एमएसपी देने के दावे की पोल एक बार फिर खुल गई है। क्योंकि सरकार किसानों को सरसों का एमएसपी नहीं दे रही हमारे पास बाकायदा किसानों ने सरसों खरीद की रसीद भेजकर अपना दुखड़ा सुनाया है। सरसों की एमएसपी 5960 है, लेकिन मंडी में खरीद 5400 में की जा रही है यानी किसानों को लगभग 500 प्रति क्विंटल का घाटा हो रहा है। पिछली बार धान की खरीद भी एमएसपी से रेट पर की गई और इस बार सरसों की खरीद में भी किसानों को लूटने का खेल शुरू हो गया है।

जबकि बीजेपी ने चुनाव से पहले किसानों को धान और गेहूं जैसी फसलों पर एमएसपी से भी ज्यादा रेट देने का वादा किया था। धान की फसल पर ने 3100 रेट का वादा किया था। ना बीजेपी ने सरकार बनने के बाद यह वादा निभाया और ना ही इस बार के बजट में ऐसा कोई प्रावधान रखा।इतना ही नहीं, खुद सरकार द्वारा पेश किए आर्थिक सर्वेक्षण में दिए गए आंकड़ों से स्पष्ट है कि सरकार ने भी फसल की खरीद एमएसपी पर नहीं की है। सरकार ने मात्र 61% सरसों, 55% गेहूं, 25% मूंग, 18% जो, 9% कपास, सिर्फ 29 और 23% बाजार व मक्खी की एमएसपी पर खरीद की है।

# हरियाणा, पंजाब और केंद्र की सरकारों को किसानों की चिंता नहीं : चौटाला

**चंडीगढ़,21 मार्च (एजेंसियां)।** हरियाणा के पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने कहा है कि आज हरियाणा, पंजाब और केंद्र सरकार किसानों को कमजोर करने में लगी हुई है। उन्होंने कहा सरकार किसानों की मांगों पर चर्चा करके गौर करने की बजाय धरने पर बैठे किसानों को जबरन रातों-रात उठा रही है और उनके साधनों को क्षति पहुंचाई जा रही है। उन्होंने कहा कि तीनों सरकारे किसानों के हित में नहीं है। शुक्रवार को वे जींद में पत्रकारों से रूबरू जींद स्थित जेजेपी कार्यालय पहुंचे पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला का पार्टी कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया।

# दयनीय स्थिति में पहुंच चुकी है हरियाणा में स्वास्थ्य सेवाएं: सैलजा

**चंडीगढ़,21 मार्च (एजेंसियां)।** पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि हरियाणा का स्वास्थ्य विभाग जिस पर प्रदेश के लोगों के स्वास्थ्य का जिम्मा है आज उसे खुद ईलाज की जरूरत है। विभाग में 6,000 से अधिक पद खाली है, अस्पतालों में डॉक्टर, नर्स और चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की भारी कमी है, दवाएं नहीं है, चिकित्सा उपकरणों, मशीनों और लैब परीक्षण सुविधाओं की कमी है जिससे मरीजों को सही ईलाज नहीं मिल पा रहा है। ऐसा लग है कि प्रदेश की भाजपा सरकार ने स्वास्थ्य व्यवस्था पर ताला लटका दिया है। मीडिया को जारी बयान में सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य पर सबसे ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है पर भाजपा सरकार की उदासीनता और मनमानी के कारण दोनों ही विभागों की दयनीय होती जा रही है।

# सिरसा पुलिस ने 25 करोड़ की हेरोइन के साथ दो लोगों को किया गिरफ्तार

**सिरसा,21 मार्च (एजेंसियां)।** हरियाणा में नशा तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में शुक्रवार को सिरसा पुलिस ने 4.256 किलोग्राम हेरोइन बरामद की और इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया।गिरफ्तार किए गए आरोपियों के कब्जे से एक कार भी बरामद की है। जब्त की गई हेरोइन की कीमत लगभग 25 करोड़ रुपये बताई जा रही है। पुलिस ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है और तस्करी से जुड़े अन्य लोगों के बारे में जानकारी जुटाने की कोशिश कर रही है।

सिरसा पुलिस अधीक्षक विक्रांत भूषण ने मीडिया को कि यह सिरसा पुलिस के लिए अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई है। सीआईए ऐलनाबाद पुलिस टीम के उप निरीक्षक जगदीश चंद्र के नेतृत्व में एक टीम शहर सिरसा के चतरगढ़ पट्टी क्षेत्र में गश्त कर रही थी। इस दौरान, एक किआ कार में सवार दो युवक पुलिस को मौके से भागने की कोशिश करने लगे। पुलिस ने संदेह के आधार पर दोनों युवकों को रोककर जब उनकी तलाशी ली, तो उनके कब्जे से 4.256 किलोग्राम हेरोइन बरामद हुई। आरोपियों के कब्जे से एक कार भी बरामद की गई है।

आरोपियों के खिलाफ सिरसा के सिविल लाइन थाना एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है और जांच शुरू कर दी गई है। प्रारंभिक पूछताछ में पता चला है कि वे पंजाब से हेरोइन लेकर आए थे और इसे सिरसा तथा आसपास के इलाकों में सप्लाई करने की योजना बना रहे थे। जब पुलिस ने आरोपियों कब्जे से बरामद हेरोइन की जांच की, तो इसमें पाकिस्तान मुद्रा का एक नोट भी मिला, जिससे यह संभावना जताई जा रही है कि यह तस्करी पाकिस्तान से जुड़ी हो सकती है। इस पहलू पर भी गंभीरता से जांच की जा रही है।विक्रांत भूषण ने कहा कि गिरफ्तार आरोपियों का आपराधिक रिकॉर्ड खंगाला जा रहा है और उनकी रिमांड प्राप्त करने के बाद तस्करी के इस नेटवर्क से जुड़े अन्य व्यक्तियों के बारे में जानकारी जुटाई जाएगी। उन्होंने कहा कि किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा और इस मामले में पूरी सख्ती से कार्रवाई की जाएगी।

तस्करों को कड़ा संदेश देते हुए उन्होंने कहा कि वे न केवल अपनी जिंदगी खराब कर रहे हैं, बल्कि दूसरों की जिंदगी भी बर्बाद कर रहे हैं। तस्करों से उन्होंने अपील की कि वे अपनी जिंदगी को सुधारें और कोई ऐसा रोजगार खोजें, जिससे न केवल उनका भविष्य सुरक्षित बल्कि समाज को भी फायदा हो।

### विधानमंडल में राबड़ी–तेजस्वी ने किया प्रदर्शन

# राष्ट्रगान के अपमान पर सीएम नीतीश का विरोध

**पटना (एजेंसियां)।** राष्ट्रगान के अपमान पर बिहार में सियासत गरमा गई है। बिहार विधान मंडल में विपक्ष के नेताओं ने जमकर हंगामा किया। इतना ही नहीं राजद नेताओं ने सीएम नीतीश कुमार के इस्तीफ की मांग कर दी। विधान मंडल में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव, पूर्व सीएम राबड़ी देवी के साथ हाथ में बैनर लिए खड़े दिखे। राबड़ी देवी ने सीएम नीतीश कुमार के खिलाफ हो रहे प्रदर्शन का नेतृत्व किया।

पत्रकारों से बातचीत करते हुए नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार के लिए गुरुवार का दिन काल दिवस था। पीएम नरेंद्र मोदी के लाडले मुख्यमंत्री ने राष्ट्रगान का अपमान किया है। लाडले मुख्यमंत्री के बारे में पीएम मोदी ने कोई टिप्पणी नहीं की।

तेजस्वी यादव ने कहा कि चाचा जी आपको याद दिला दें कि आप एक बड़े प्रदेश के मुख्यमंत्री है। चंद सेकंड के लिए भी आप मानसिक और शारीरिक रूप से स्थिर नहीं है और आपका इस तरह अचेत अवस्था में इस पद पर बने रहना प्रदेश के लिए अति चिंताजनक बात है। बिहार को बार–बार यूं अपमानित मत कीजिए। भारत माता की जय करने वाले भारतीय जनता पार्टी के दोनों डिप्टी सीएम गायब हैं। कल हम सब का सिर झुक गया है। इंडिया की राजनीति में पहली ऐसी घटना है,जहां राष्ट्रगान का अपमान हुआ है। पीएम मोदी ने अब तक इस मामले में कुछ भी नहीं कहा।

वहीं पूर्व सीएम राबड़ी देवी ने कहा कि राष्ट्रगान करने वाले मुख्यमंत्री को फौरन रिटायरमेंट ले लेना चाहिए। राष्ट्रगान का अपमान करने वाले को तीन साल की सजा होती है। पूर्व सीएम ने यह भी कहा कि अगर उनका दिमाग काम नहीं कर रहा तो वे अपने बेटे (निशांत कुमार) को मुख्यमंत्री बना दें।

वहीं राष्ट्रीय जनता दल के विधायक मुकेश रोशन ने कहा कि मुख्यमंत्री को राष्ट्रीय गान का अपमान करने के लिए माफी मांगनी चाहिए। उन्हें मुख्यमंत्री पद से हटा दिया जाना चाहिए और राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री अस्वस्थ हैं, इसलिए उन्हें पद से हटा दिया जाए। उनके खिलाफ देशद्रोह का मामला दर्ज किया जाना चाहिए।

# फर्जी प्रमाण पत्र बनवाकर नौकरी करने वाले तीन शिक्षक गिरफ्तार

**दरभंगा (एजेंसियां)।** दरभंगा जिले के कुशेश्वरस्थान प्रखंड से फर्जी प्रमाण पत्र पर शिक्षक की नौकरी करने वाले तीन शिक्षकों को उनके स्कूल से पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। तीनों शिक्षकों के खिलाफ प्रमाण पत्रों की जांच के बाद निगरानी ने प्राथमिकी दर्ज कराई थी। कुशेश्वरस्थान थानाध्यक्ष राकेश कुमार सिंह ने गिरफ्तारी की पुष्टि करते हुए कहा कि शिक्षा विभाग को सूचना दे दी गई है। जानकारी के अनुसार, फर्जी प्रमाण पत्र पर बहाल तीन शिक्षकों को कुशेश्वरस्थान थाना पुलिस ने गुरुवार को उनके विद्यालय से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार शिक्षकों में कुशेश्वरस्थान प्रखंड के मध्य विद्यालय सिसौना में पदस्थापित शिक्षक विनय कुमार पिता

चंद्रशेखर राय, ग्राम पकोहवा, थाना कुशेश्वरस्थान, मध्य विद्यालय खेतास कलना में पदस्थापित शिक्षक नरेन्द्र कुमार निराला पिता स्वर्गीय खोखाई ठाकुर, ग्राम बघौनी थाना बहेड़ी तथा मध्य विद्यालय खलासीन में पदस्थापित शिक्षक प्रवीण कुमार आजाद, पिता रामचन्द्र चौपाल ग्राम रामपुर रौता थाना कुशेश्वरस्थान शामिल हैं। तीनों शिक्षकों के प्रमाण पत्र की जांच की गई थी, जिसमें निगरानी की टीम तीनों का प्रमाण फर्जी बताया था। इसके बाद निगरानी की टीम ने कुशेश्वरस्थान थाना में प्राथमिकी दर्ज करवाई थी, जिसमें तीनों शिक्षक को नामजद किया गया है। इस संबंध में कुशेश्वरस्थान थानाध्यक्ष राकेश कुमार सिंह ने शिक्षकों की गिरफ्तारी की पुष्टि करते हुए बताया कि गिरफ्तार शिक्षक को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। आरोपी तीनों शिक्षकों के खिलाफ फर्जी प्रमाण पत्र पर नौकरी करने का मामला दर्ज कराया गया था।

# सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत, घटना के विरोध में सड़क जामकर पुलिस का विरोध

**दरभंगा (एजेंसियां)।** समस्तीपुर जिले के हलई थाना क्षेत्र समस्तीपुर–पटोरी मुख्य मार्ग पर चकलाशही चौक के पास बाइक और ट्रक के बीच हुई टक्कर में दो लोगों की मौत हो गई। दोनों आपस में चचेरे भाई बताए गए हैं। दोनों युवक की पहचान हलई थाना क्षेत्र के बनवीरा पंचायत के बरियारपुर वार्ड–6 निवासी नथुनी पासवान के पुत्र रविंद्र कुमार 19 वर्ष एवं सूरत पासवान के बेटे रंजन कुमार 20 वर्ष के रूप में की गई है।

वहीं, सड़क दुर्घटना में मौत के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने मुख्य पथ को जाम कर दिया। सड़क हादसे में मौत की सूचना पर पहुंची 112 की टीम को

आक्रोशित ग्रामीणों के विरोध का सामना करना पड़ा। सड़क जाम के कारण सड़क के दोनों और वाहनों की लंबी कतार लग गई, जिसे राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ा। कॉफी मशक्कत के बाद पुलिस ने करीब चार घंटे बाद सड़क जाम समाप्त कराया।

हलई थाना अध्यक्ष राहुल कुमार ने बताया कि पुलिस को सड़क हादसे में दो युवक की मौत की सूचना मिली थी। सूचना पर 112 नंबर की टीम को भेजा गया। लेकिन लोग नहीं मान रहे थे। बाद में वह खुद भी मौके पर पहुंचकर लोगों को समझा–बुझाकर मामला शांत कराया और शव को जब्त कर पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा।

उधर, जिले के चकमेहसी थाना क्षेत्र के कुशियारी से चकमेहसी मुख्य पथ के डरोरी गांव स्थित एक विद्यालय के निकट शुक्रवार को एक अनियंत्रित अज्ञात ऑटो ने एक अधेड़ व्यक्ति को ठोकर मार दी। इससे अधेड़ व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक अधेड़ की पहचान सोरमार पंचायत के वार्ड–3 डरोरी के परती टोला निवासी मिरचाई लाल दास के रूप में हुई है।

घटना के बाद ऑटो चालक ऑटो लेकर मौके से फरार हो गया। वहीं, घटना से आक्रोशित ग्रामीणों से घटना स्थल के निकट बास बल्ला लगाकर कुशियारी से चकमेहसी मुख्य पथ को जाम कर मुआवजे की मांग करने लगे।

# कोर्ट ने सुनाई पिता–पुत्र को आजीवन कारावास की सजा, 24 साल पहले हुई थी हत्या

**पटना (एजेंसियां)।** जिला व्यवहार न्यायालय ने हत्या के 24 वर्ष पुराने मामले में पिता–पुत्र को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है।

साथ ही इनके ऊपर न्यायालय द्वारा 60–60 हजार रुपए का आर्थिक दंड भी लगाया गया है। जिला व्यवहार न्यायालय के अपर सत्र न्यायाधीश–13 प्रमोद कुमार पांडे के न्यायालय ने हत्या से जुड़े 24 वर्ष पुराने मामले में गुरुवार को दो पिता–पुत्र को दोषी करार दिया है। एडीजे 13 ने दोनों अभियुक्तों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है।

रोहतास जिले के राजपुर थाने में बलिगांव गांव निवासी राजेंद्र प्रसाद सिंह की शिकायत पर

हत्या की प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। दर्ज प्राथमिकी 172/2001 के अनुसार घटना राजपुर थाना क्षेत्र के बलीगांव में 26 अक्टूबर 2001 की रात्रि 10 बजे हुई थी। गौशाला में भैंस बांधने को लेकर उपजे विवाद में अभियुक्तों ने राइफल व कट्टा से लैस होकर मामले के सूचक के घर में घुसकर अंधाधुंध फायरिंग की थी, जिसमें सूचक की भाभी राज कुमारी देवी की गोली लगने से घटनास्थल पर ही मौत हो गई थी।

केस के अपर लोक अभियोजक रामकुमार तिवारी ने बताया कि मामले में कुल पांच अभियुक्त ट्रायल फेस कर रहे थे। इसमें त्रिभुवन चौधरी एवं दिग्विजय चौधरी नामक दो अभियुक्त को साठ–साठ हजार जुर्माने के साथ आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है तथा तीन अभियुक्तों को साक्ष्य के अभाव में रिहा कर दिया गया है। वहीं घटना के मुख्य अभियुक्त राजन चौधरी की पहले ही हत्या हो गई थी।

अभियोजन पक्ष की तरफ से इस मामले में सात गवाहों की गवाही न्यायालय में दर्ज कराई गई थी और न्यायिक प्रक्रिया पूरी होने में लगभग 24 वर्ष बीत गए। इसके बाद कोर्ट ने अभियुक्तों को भारतीय दंड विधान की धारा 302 के तहत दोषी पाते हुए उक्त सजा सुनाई है।

# एसटीएफ की बड़ी कार्रवाई, वांछित अपराधी का एनकाउंटर, पुलिस ने किया गिरफ्तार

**पटना (एजेंसियां)।** पटना जिला के टॉप 10 अपराधियों की सूची में शामिल अपराधी सोनु कुमार को पुलिस ने एनकाउंटर किया है। यह कार्रवाई मनेर थाना क्षेत्र में की गई है। इस संबंध में पुलिस का कहना है कि दही गोप हत्या कांड मामले का वांछित अपराधी सोनू कुमार के मनेर में होने की सूचना मिली थी।

सूचना मिलते ही पटना पुलिस और एसटीएफ की संयुक्त टीम ने घेराबंदी करते हुए संयुक्त रूप से छापामारी। पुलिस को देख अपराधियों द्वारा पुलिस पर फायरिंग की गई, जिसपर की गई जवाबी कार्रवाई में वांछित सोनु कुमार के पैर में गोली लगी है, उसे गिरफ्तार कर लिया गया है।

घटना के संबंध में सिटी एसपी पश्चिमी सरथ आर एस ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि सोनू अपने साथियों के साथ मनेर थाना क्षेत्र के सुवर मरवा में मौजूद है। सूचना मिलते ही पुलिस हरकत में आई और दानापुर एएसपी भानु प्रताप सिंह के नेतृत्व में पटना पुलिस और एसटीएफ को मिलकर एक स्पेशल टीम का गठन किया गया। पुलिस ने चिन्हित स्थान की घेराबंदी करने लगी। पुलिस से घिरते देख अपराधी फायरिंग करने लगे। तब पुलिस को मजबूर होकर जवाबी कार्रवाई में गोली चलानी पड़ी।

सिटी एसपी पश्चिमी सरथ आर एस का कहना है कि अपराधियों की तरफ से चार राउंड फायर किए गये। तब जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी दो राउंड फायर किए। गोली सोनू के पैर में लगी, लेकिन उसके बाद भी वह भागने की कोशिश कर रहा था, लेकिन पुलिस ने उसे खदेड़कर पकड़ा लिया। एनकाउंटर के दौरान उसके अन्य साथी मौके से फरार हो गए। सिटी एसपी पश्चिमी सरथ आर एस ने बताया कि अन्य अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है। बहुत जल्द उनसब की भी गिरफ्तारी कर ली जाएगी।

### पलायन रोको, नौकरी दो पदयात्रा पहुंची सीतामढ़ी

# कन्हैया कुमार ने भाजपा पर साधा निशाना

**सीतामढ़ी (एजेंसियां)।** पलायन रोको, नौकरी दो पदयात्रा के तहत कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार सीतामढ़ी पहुंचे, जहां उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी बिहार में अपना मुख्यमंत्री बनाने की साजिश रच रही है, ताकि राज्य की संपदा को लूटकर अपने करीबी उद्योगपतियों की तिजोरी भरी जा सके।

कन्हैया कुमार ने कहा, 'बीजेपी साम, दाम, दंड, भेद का इस्तेमाल कर बिहार की राजनीति को प्रभावित करने में जुटी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज विदेशों में नालंदा विश्वविद्यालय की प्रशंसा कर रहे हैं, लेकिन वे यह भूल जाते हैं कि इसकी

पुनर्स्थापना कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में हुई थी। बीजेपी ने बिहार के विकास के लिए क्या किया है?

कन्हैया कुमार ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर भी हमला बोला और कहा कि बिहार को 'मजदूरों की फैक्ट्री' बना दिया गया है। उन्होंने कहा, 'बेरोजगारी इस हद तक है कि लोग पलायन करने को मजबूर हैं। बिहारी शब्द को गाली बनाने वाली सरकार को इस बार के चुनाव में बिहार के नौजवान और छात्र सबक सिखाएंगे। वक्त आ गया है कि बिहार के गौरवशाली इतिहास को बचाया जाए।'

बीजेपी के चुनावी थीम सॉन्ग पर प्रतिक्रिया देते हुए कन्हैया कुमार ने कहा, 'पिछले 25 सालों से बिहार को चमकाने की बातें की जा रही हैं, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही है। कोविड के दौरान बिहार में चुनाव हुए, अब फिर चुनाव होने जा रहे हैं, मगर बेरोजगार युवाओं को नियुक्ति पत्र तक नहीं दिया गया। बीपीएससी अभ्यर्थियों पर लाठीचार्ज कर पुलिस को प्रैक्टिस करवाई जा रही है।' उन्होंने आगे कहा, 'हम बीजेपी को सिर्फ यह याद दिलाना चाहते हैं कि उन्होंने अपने चुनावी वादों में दो करोड़ नौकरियां देने की बात कही थी। अब बिहार को 'गमकाना' और 'चमकाना' छोड़िए, पहले ये बताइए कि बिहार के कितने युवाओं को रोजगार मिला है?' कन्हैया कुमार ने जनता से अपील करते हुए कहा कि वे इस बार के चुनाव में सही निर्णय लें और बिहार के हित में वोट करें।

# तेजस्वी यादव क्या चीज हैं, पीएम नरेंद्र मोदी के खिलाफ भी चूनाव लड़ लूंगा : प्रशांत किशोर

**वैशाली (एजेंसियां)।** बिहार में विधानसभा चुनाव को लेकर जनसुराज के अंदर उम्मीदवारी और चुनाव लड़ने का आवेदन दिया जा रहा है। इसमें एक व्यक्ति ने आवेदन दिया था, प्रशांत किशोर राघोपुर से चुनाव लड़ें, जिसको लेकर प्रशांत किशोर ने भी सहमति जताया था और कहा था कि पार्टी का फैसला होगा तो मैं जरूर राघोपुर से चुनाव लड़ूंगा।

पीके बोले, यह सब पार्टी के अंदर तय होगी, पार्टी जहां से चाहेगी वहां से हम चुनाव लड़ेंगे। चाहे वह राघोपुर विधानसभा हो

या हरनौत विधानसभा हो या कहीं भी। अगर दल कहेगा तो तेजस्वी यादव के खिलाफ चुनाव लड़ना है तो बिल्कुल लड़ेंगे। तेजस्वी क्या चीज है, अगर पार्टी कहेगी पीएम नरेंद्र मोदी के खिलाफ चुनाव लड़ना है तो मोदी के खिलाफ भी चुनाव लड़ेंगे। पार्टी जो फैसला करेगी, वही करूंगा।

लेकिन यहां गौर करने वाली बात यह है कि प्रशांत किशोर बिहार के दो विधानसभा क्षेत्र पर अपना नजर बनाए हुए हैं, जिसका जिक्र भी प्रशांत किशोर ने कर दिया है। पहले विधानसभा क्षेत्र तेजस्वी के खिलाफ राघोपुर और दूसरा बिहार के हरनोट विधानसभा क्षेत्र। जहां पर जदयू के उम्मीदवार हरि नारायण सिंह विधायक हैं।

आपको बता दें कि जनसुराज के प्रमुख प्रशांत किशोर शुक्रवार को हाजीपुर पहुंचे थे। जहां पर प्रेस कॉन्फ्रेंस किया और बिहार विधानसभा चुनाव लड़ने को लेकर बड़ा बयान दिया है। बिहार के राघोपुर और हरनौत विधानसभा से चुनाव लड़ने का इशारा भी किया है। अपनी ताकत की प्रस्तुति करते हुए उन्होंने कहा कि अगर पार्टी ने कहा तो मोदी के खिलाफ चुनाव लड़ जाएंगे। बता दें कि वैशाली जिले के महुआ में एक जनसभा को भी प्रशांत किशोर संबोधित किए। फिर से प्रशांत किशोर ने दोहराया है कि हमारी सरकार बिहार में बनती है तो शराबबंदी को तुरंत खत्म कर दिया जाएगा।

# दारोगा हत्याकांड का मुख्य आरोपी गिरफ्तार, खदेड़कर पकड़ी पुलिस, अधिकारी पर भी गिरी गाज

**पूर्णिया (एजेंसियां)।** अररिया जिले में दारोगा राजीव रंजन मल्ल के हत्याकांड में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने मुख्य आरोपी अनमोल यादव को अररिया के बथनाहा थाना क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने अनमोल के पास से पुलिस ने एक देसी पिस्टल, एक मैग्जीन, तीन गोली और 25 किलो गांजा बरामद किया है। इसकी गिरफ्तारी की पुष्टि अररिया के एसपी अंजनी कुमार ने की है। एसपी ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त से पूछताछ की जा रही है। पूछताछ के बाद

अभियुक्त को न्यायिक हिरासत में भेज दिया जाएगा। अनमोल यादव की गिरफ्तारी से पहले भी पुलिस ने छह लोगों को गिरफ्तार किया था। वहीं हत्याकांड में फुलकाहा के थाना अध्यक्ष रोशन कुमार के बाद रानीगंज के पुलिस अंचल निरीक्षक राजीव रंजन कुमार पर कार्रवाई की गई है। रानीगंज के पुलिस अंचल निरीक्षक को तत्काल पद से हटा दिया गया है।

अररिया एसपी अंजनी कुमार ने बताया कि अनमोल यादव के खिलाफ अनमोल पर फुलकाहा थाना में तीन और नरपतगंज व बथनाहा थाने में एक मामला दर्ज है। अब पुलिस उसके सारे गुनाहों को खंगाल कर उसके खिलाफ सबूत इकट्ठा कर रही है। अररिया एसपी अंजनी कुमार ने बताया कि उसके खिलाफ कई मामले विभिन्न थानों में दर्ज हैं, जबकि कई मामले दर्ज नहीं किये जा सके। जानकारी के मुताबिक यह लोगों को जान से मारने की धमकी देता था, इसलिए लोग डर से उसके खिलाफ आवाज नहीं उठाते थे। अब उसके सारे गुनाहों को सूचीबद्ध किया जा रहा है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को–ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल–मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए–23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य–500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040–29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com